SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 182 | गुवाहाटी | मंगलवार, 24 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सेना के नकली जवान बने चार व्यक्ति गिरफ्तार — पेज 3
प्रधानमंत्री ने अंडमान-निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं... — पेज 4
मुख्यमंत्री योगी से जमी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने की शिष्टाचार भेंट — पेज 5
राज्यपाल को अभिभाषण बीच में ही छोड़ना पड़ा — पेज 8

शाहरुख खान के बारे में ज्यादा नहीं जानता : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को स्पष्ट किया कि वह अब भी शाहरुख खान के बारे में ज्यादा नहीं जानते और मुश्किल से ही फिल्में देखते हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग के बारे में बहुत कम जानकारी है। शर्मा की ओर से यह टिप्पणी तब आई है जब उनकी उनकी बातचीत *शाहरुख खान कौन है* से *शाहरुख ने मुझे कॉल किया* वाले बदलाव की आलोचना हो रही है। उन्होंने कहा कि मैंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और जितेंद्र की फिल्में देखी हैं। मैं अभी भी शाहरुख खान के बारे में ज्यादा नहीं जानता। वर्ष 2001 के बाद से मैंने छह से सात से अधिक फिल्में नहीं देखी हैं। शाहरुख के साथ बातचीत के बारे में शर्मा ने कहा कि उन्हें शनिवार शाम 7:40 बजे अभिनेता से एक टेक्स्ट मैसेज मिला था, जिसमें कहा गया था कि मैं शाहरुख खान हूं। मैं आपसे बात करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कतार में कई लोग थे जो मुझसे बात करना चाहते थे। उन्हें क्लियर करने के बाद रविवार देर रात दो बजे उन्हें (शाहरुख को) एक मैसेज भेजा गया, जिसमें लिखा गया कि मैं कॉल के लिए उपलब्ध हूं। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि उनकी फिल्म जल्द ही रिलीज हो रही है और उन्हें उम्मीद है कि कोई समस्या नहीं होगी। फिल्म के खिलाफ बहिष्कार के आह्वान पर शर्मा ने कहा कि जो लोग फिल्म देखने के इच्छुक हैं, वे ऐसा करेंगे और बाकी इसे छोड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार असम का नाम खराब नहीं होने देगी। शाहरुख खान कौन है वाले बयान के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन्हें क्यों जानूं? मुझे वास्तव में नहीं पता था कि वह इतना महान व्यक्ति हैं ... मैं ज्यादा फिल्में नहीं देखता। मैं पुराने अभिनेताओं के बारे में जानता हूं। सितारों के लिए आकर्षण पीढ़ियों में भिन्न होता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, मैं राज्य के पूरे तीन करोड़ लोगों या यहां तक कि अपने मतदाताओं को भी नहीं जानता, जिनका मैं ऋणी हूं। दक्षिणपंथियों द्वारा *पठान* के पोस्टर फाड़े जाने का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि पोस्टर फाड़ना कोई अपराध नहीं है और उन्होंने जानना चाहा कि किस कानून के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनेताओं के पोस्टर हर समय फाड़े जाते हैं लेकिन उस पर कोई चर्चा नहीं होती है। अब समय आ गया है कि लोग अपनी मानसिकता बदलें। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हाल ही में यहां नरेंगी इलाके में एक सिनेमा हॉल में घुसकर पठान के पोस्टर फाड़ दिए थे, उन्हें जलाया था और फिल्म के खिलाफ नारे लगाए थे।

नेताजी की देशभक्ति, राष्ट्रवाद ने हमें प्रेरित किया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी समेत पूरे राज्य में सोमवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के पलटन बाजार स्थित नेताजी चौक पर अखिल असम नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मदिन समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती समारोह में भाग लिया। इस मौके पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी की देशभक्ति, राष्ट्रवाद और राष्ट्र के आदर्शों ने हमें हमेशा अपने अस्तित्व का हर पल राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि मैं आज इस विशेष दिन पर भारत माता के महान सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित कर धन्य हूं। इस अवसर पर असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका, अशोक सिंघल, विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, पूर्व सांसद रमेन डेका, गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरणिया, कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रोंगहांग और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। वहीं निचले असम के धुबड़ी में भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। नेताजी जयंती समारोह केंद्रीय समिति ने धुबड़ी पंचामोर में नेताजी की जयंती मनायी। सोमवार सुबह 8 बजे नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और 8.30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस मौके पर पेंटिंग प्रतियोगिताएं, देशभक्ति संगीत -शेष पृष्ठ दो पर

कम उम्र की लड़कियों से शादी करने पर होगा मुकदमा

गुवाहाटी। असम में 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन अगेंस्ट सेक्सुअल ऑफेंस (पोस्को) के तहत कार्रवाई की जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि असम में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर काफी अधिक है, जिसकी सबसे बड़ी वजह से बाल विवाह है। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य में नाबालिग उम्र की लड़कियों के साथ औसतन 31 प्रतिशत शादियां होती हैं। मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

तवांग झड़प : एलएसी पर सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में चीन के सैनिकों से झड़प के 43 दिन बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पहुंचे। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के साथ इकाइयों और संरचनाओं का दौरा किया। इस दौरान और उन्हें परिचालन तैयारियों और सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। थल सेना प्रमुख ने पैनी चौकसी बनाए रखने के लिए सैनिकों को सराहा और सभी से उत्साह और समर्पण के साथ सीमा पर मोर्चा संभाले रखने का आह्वान किया। जनरल मनोज पांडे तवांग झड़प के 43 दिन बाद शनिवार को अरुणाचल प्रदेश पहुंचे। यहां उन्होंने एलएसी से सटी भारतीय चौकियों का दौरा किया। जनरल पांडे यहां तैयारियों और सुरक्षा हालात का जायजा भी लिया। यह जगह तवांग से करीब है, जहां पर पिछले साल भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। उन्होंने जवानों की सतर्कता, कर्तव्य और -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

... मोहन भागवत एक कलंक हैं : मदन मित्र

कोलकाता। देशभर में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में आरएसएस ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें संघ प्रमुख भागवत ने शिरकत की। इमसें उन्होंने कहा कि आरएसएस नेताजी के सपने पूरे कर रहा है। इस बयान पर टीएमसी नेता मदन मित्रा ने भागवत पर हमला किया। मित्रा ने कहा कि मुझे बताया गया है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक बयान में कहा कि आरएसएस नेताजी के बताए रास्ते पर चल रहा है। नेताजी ने अपने पूरे जीवन में कभी यह साबित करने की कोशिश नहीं की कि वह बंगाली हैं। नेताजी के नाम का उपयोग करने के लिए मोहन भागवत एक *कलंक* हैं। आरएसएस पर हमला करते हुए मदन मित्रा ने कहा कि नेताजी ने कहा था *तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा* और वे (आरएसएस-भाजपा) लोगों से कह रहे हैं कि हमें देश भर में दंगे कराने के लिए खून चाहिए। मैं बंगाल के लोगों से मोहन भागवत के इन मोटिवेटेड, दुर्भावनापूर्ण बयानों के खिलाफ खड़े होने की अपील करता हूं। भागवत बोले- नेताजी के सपने पूरे करने होंगे। देशभर में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जा रही है। कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में -शेष पृष्ठ दो पर

सुभाष को पीएम सहित तमाम लोगों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर उनकी 126वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के अलावा कई केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, संसद सदस्यों और पूर्व सांसदों ने भी संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोक सभा और राज्य सभा के महासचिव, क्रमशः उत्पल कुमार सिंह और पी.सी.मोदी और लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। -शेष पृष्ठ दो पर

वीर किसी के मोहताज नहीं होते : अमित शाह

पोर्ट ब्लेयर। पोर्ट ब्लेयर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126 वी जयंती पर आईकॉनिक इवेंट्स वीक का आयोजन हुआ है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने साफ तौर पर कहा कि आजादी के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भुलाने की बहुत कोशिश हुई। लेकिन जो वीर होते हैं उन्हें इतिहास में स्थान प्राप्त करने के लिए किसी का मोहताज नहीं होना होता। शाह ने कहा कि आजादी के बाद नेताजी को भूलाने का, उनकी भूमिका को छोटा करने का बहुत प्रयास हुआ लेकिन जो वीर होते हैं वो इतिहास -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भगत सिंह कोश्यारी दे सकते हैं इस्तीफा!

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने सोमवार को कहा कि वह राजनीतिक जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की मुंबई यात्रा के दौरान मैंने उन्हें सभी राजनीतिक जिम्मेदारियों से मुक्त होने और पढ़ने, लिखने और अन्य गतिविधियों में अपना बाकी बचा जीवन व्यतीत करने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संतों, समाज सुधारकों और वीर सेनानियों की भूमि महाराष्ट्र जैसे महान राज्य के राज्य सेवक या राज्यपाल के रूप में सेवा करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल साल से अधिक समय के दौरान महाराष्ट्र की -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल के बोर्ड पेपर में पीओके को बताया आजाद कश्मीर

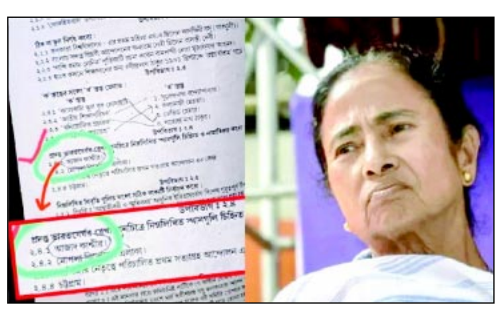

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 10वीं के प्री-बोर्ड एग्जाम में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को आजाद कश्मीर बताने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ऑल बंगाल टीचर्स एसोसिएशन (एबीटीए) की तरफ से पब्लिश किए गए टेस्ट पेपर में पीओके की जगह आजाद कश्मीर लिखकर इस पर छात्रों को नोट लिखने को कहा गया। एक हफ्ते पहले भी राज्य के बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (डब्ल्यूबीबीएसई) ने भी पीओके की जगह आजाद कश्मीर लिखकर छात्रों से से कुछ ऐसे ही सवाल किए थे। जिसे लेकर पहले से बवाल मचा हुआ है। इन सवालों पर विवाद इसलिए हो रहा है क्योंकि कश्मीर के जिस हिस्से को पाकिस्तान ने अपने कब्जे में ले रखा है, उसे भारत पाक अधिकृत -शेष पृष्ठ दो पर

ऑस्ट्रेलिया के इस्कॉन मंदिर में खालिस्तान जिंदाबाद

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में लगातार मंदिरों पर हमले के मामले सामने आ रहे हैं। अब मेलबर्न के अल्बर्ट पार्क में बने इस्कॉन मंदिर में भारत विरोधी नारे लिखे मिले। ये बीते 15 दिनों में तीसरी घटना है। द ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर की दीवार पर खालिस्तान जिंदाबाद लिखा हुआ है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि वे पूजा स्थल पर इस तरह की हरकत से बेहद हैरान और नाराज हैं। यह हमला विक्टोरियन मल्टीफेथ नेताओं की विक्टोरियन मल्टीकल्चरल कमीशन के साथ आपात बैठक के दो दिन बाद हुआ है। ये बैठक इस तरह की घटनाओं के बार-बार होने को लेकर हुई थी। इन घटनाओं पर विक्टोरिया पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अस्थिर मन वाले की सोच स्थिर नहीं रहती।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

लाल किले की सुरक्षा चाक-चौबंद

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। राष्ट्रीय पर्व होने के चलते सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और बढ़ जाती है। दिल्ली पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद है। किसी अनहोनी को देखते हुए भी पुलिस ने संवेदनशील औ सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधि तेज कर दी है। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने होटल्स, गेस्ट हाउस और सिनेमा हॉल में जाकर जांच पड़ताल की। यहां रह रहे लोगों से पूछताछ की। बड़े बाजारों में भी सुरक्षा मजबूत कर दी गई है। उत्तरी दिल्ली के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि 26 जनवरी को -शेष पृष्ठ दो पर

मौर्य पर कानूनी कार्रवाई चाहेगी विहिप

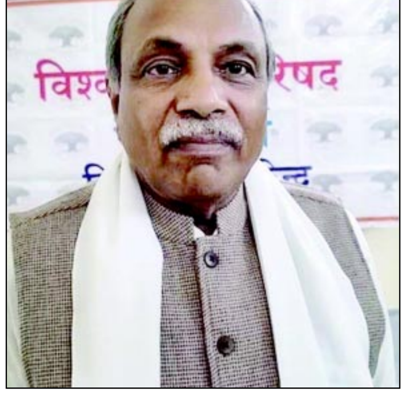

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) समाजवादी पार्टी के नेता स्वामीप्रसाद मौर्य पर कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। संगठन ने कहा है कि मीम-भीम की राजनीति कर वोटों का लाभ लेने के लिए कुछ राजनीतिक दलों के नेता लगातार इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं, लेकिन अब इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा और ऐसे नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संगठन ने कहा है कि मुलायम सिंह यादव और कांग्रेस हिंदू विरोधी राजनीति करने का बड़ा दुष्परिणाम भुगत रहे हैं। इसके बाद भी यदि उन्हें राम के देश में राम का अपमान करने का परिणाम नहीं समझ आ रहा है, तो उन्हें इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। विहिप नेता डॉ. सुरेंद्र जैन ने अमर उजाला से कहा कि कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं के द्वारा हिंदू समुदाय की भावनाओं के केंद्र में रहने वाली पुस्तकों और धार्मिक केंद्रों के बारे में लगातार नकारात्मक टिप्पणी की जा रही है। ऐसे नेताओं को हिंदुओं की भावनाएं आहत करने से पहले उन राजनीतिक दलों और नेताओं का हश्र ध्यान में रखना चाहिए, जिन्होंने वोट की लालच में अपने ही धर्म-समाज के विरुद्ध टिप्पणी की और इसके कारण उनकी राजनीति हमेशा के लिए समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि स्वामीप्रसाद मौर्य स्वयं एक ठुकराए हुए नेता हैं और केवल चर्चा में रहने के लिए इस तरह के अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी नेता स्वामीप्रसाद मौर्य की रामचरित मानस पर टिप्पणी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए विहिप नेता ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या से जुड़ेगी भगवान राम की नगरी ओरछा : गडकरी

भोपाल (हि.स.)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सोमवार को ओरछा पहुंचे और मध्य प्रदेश को 6,800 करोड़ रुपए की सड़क परिजयोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने ओरछा में 18 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने घोषणा की कि मध्यप्रदेश में रामराजा सरकार की नगरी ओरछा को रामजन्मभूमि अयोध्या से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री व अन्य मौजूद रहे। ओरछा में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा कि जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है, तो उसके अनुसार सड़कें भी बनाई जाएगी। चार हजार करोड़ की लागत से 84 कोशी पथ बनाया जा रहा है। आसपास की सभी प्रमुख सड़कों को जोड़ा जाएगा। पैदल पथ पर कालीन की तरह हरी घास लगाई जाएगी। ओरछा के आसपास के सभी मार्गों को बनाने के वक्त भगवान श्रीराम का इतिहास भी तस्वीरों के माध्यम से दिखाया -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 से सम्मानित किए गए 11 बच्चे

बच्चों के अदम्य साहस और वीरता से अचंभित हूं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को विज्ञान भवन में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 11 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। इन बच्चों को पुरस्कार में एक लाख रुपए, एक प्रमाण पत्र और एक मेडल से सम्मानित किया गया है। बाल शक्ति पुरस्कार सम्मानित 11 बच्चों में 6 लड़के और 5 लड़कियां शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी 11 असाधारण बच्चों को बधाई दी और कहा कि वह बच्चों के अदम्य साहस और वीरता से अचंभित हैं। उन्होंने बच्चों को देश की अमूल्य निधि बताते हुए कहा कि उनके खुशहाल और स्वर्णिम भविष्य के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस देश में ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे हैं वो देश निरंतर आगे बढ़ता रहेगा और स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करेगा। बच्चों के प्रयासों से भारत के आन, बान और शान में निरंतर बढ़ोतरी होगा। राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी जयंती पर नमन किया। वीर सुरेंद्र ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दमन के खिलाफ अंतिम सांस तक संघर्ष किया। उन्हें लंबे समय तक जेल में कैद रखा गया, जहां उन्होंने अपना बलिदना दिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयतीं के मद्देनजर उन्होंने नेताजी की आरंभिक शिक्षा से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों को नेताजी पर गर्व है। उन्होंने कहा कि हम सभी को विशेषकर बच्चों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के जीवन मूल्यों में परोपकार को सबसे ऊपर रखा गया है। आज के बच्चे पर्यावरण के प्रति अधिक सजग हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की सार्थकता दूसरों के लिए जीने और कुछ करने में है। इसलिए बच्चों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और अधिक सचेत रहने की आवश्यकता है। पर्यावरण के लिए बच्चों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

नगांव में नृशंस हत्याकांड

नगांव (निसं)। नगांव शहर की नजदीकी अंचल बेलतली में कल रात एक निर्मम हत्याकांड की घटना को लेकर उक्त अंचल में लोगों के बीच व्यापक प्रतिक्रिया जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कल शाम बेलतली का शिक्षक आब्दुल मजीद अपनी भतीजा के एस एन ईटाभट्टा से घर जाने के कुछ समय बाद वह अपने पुराने घर चला गया। उसी समय शिक्षक आब्दुल मजीद को किसी अज्ञात व्यक्ति ने पहले उसे घर से बाहर निकलने के लिए कहा जैसे ही आब्दुल मजीद घर से बाहर निकला कि अचानक उस पर तेज धारदार हथियार से प्रहार कर दिया। इस घटना में आब्दुल मजीद अचेत होकर गिर पड़ा। इस घटना के बाद परिवार वालों में हड़कंप मच गया।

रंगिया : केंद्रीय विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (निसं)। रंगिया केंद्रीय विद्यालय द्वारा अपने विद्यालय सहित जवाहर नवोदय विद्यालय तथा अन्य 14 अलग अलग विद्यालयों से आए हुए 100 बच्चों के बीच आज एक चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भवजित बर्मन, सुरेश डेका और श्रीमती बंदना तालुकदार निर्णायक के रूप में उपस्थित रही। प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा बनाये गए कुल 100 चित्रों में से सर्वश्रेष्ठ 5 चित्रों को चुना गया चुने और उन्हें पुरस्कार के रूप में पुस्तकें दी गई। वहीं सभी प्रतिभागियों को नरेंद्र मोदी द्वारा लिखी गई लिखी गई पुस्तक एग्जाम वारियर्स तथा प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया गया।

भारतीय विद्या भवन के गुवाहाटी केंद्र के भवन का उद्घाटन 29 को करेंगे राज्यपाल जगदीश मुखी

गुवाहाटी (नसं)। असम के महामहिम राज्यपाल जगदीश मुखी 29 जनवरी को गुवाहाटी में भारतीय विद्या भवन केंद्र के नवनिर्मित भवन का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करेंगे। वे जगदीश लखानी, राष्ट्रीय रजिस्ट्रार और संयुक्त कार्यकारी सचिव, भारतीय विद्या भवन मुख्यालय और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भारतीय नृत्य, गीत और संस्कृति के लिए भवन कला केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम शाम को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज हॉल में भारतीय शास्त्रीय और पारंपरिक संगीत और नृत्य की विशेषता वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जाएगा। उलुबाड़ी में कंचन रोड पर एप्पल क्लिनिक के पास स्थित केंद्र का आधिकारिक उद्घाटन प्रसिद्ध संगीत निर्देशक रमन चौधरी द्वारा किया जाएगा और जगदीश लखानी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। केंद्र के अध्यक्ष हिमांशु शेखर दास ने दिसपुर प्रेस क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। इस मौके पर केंद्र के उपाध्यक्ष डॉ. बीपी तोदी, सचिव रमन चक्रवर्ती व सदस्य रमन दास व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. हितेश बरुआ भी मौजूद थे। केंद्रीय उपाध्यक्ष बीपी तोदी ने संवाददाताओं को बताया कि भारतीय संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी की प्रेरणा से कुलपति डॉ. केएम मुंची द्वारा 1938 में भारतीय विद्या भवन की स्थापना की गई थी। बाद में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. एस. राधाकृष्णन, सरदार वल्लभभाई पटेल, मदर टेरेसा, दलाई लामा, डॉ. जाकिर हुसैन, नोबेल पुरस्कार विजेता सीवी रमन और अन्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। संस्थान ने शुरू में भारतीय विरासत, दर्शन, संस्कृति और पारंपरिक शैलियों पर पुस्तकों को जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराने के लिए पुस्तक विश्वविद्यालय की एक परियोजना शुरू की। धीरे-धीरे, इस परियोजना ने भारतीय दर्शन, संस्कृति, संगीत, शिक्षा, कला, प्रौद्योगिकी, शिक्षण, प्रशिक्षण आदि के सभी स्तरों पर भारतीय लोगों के ज्ञान और सम्मान को बढ़ाने के लिए कई बार विभिन्न पहल की हैं। 2000 में भारत के पूर्व प्रधान मंत्री और तत्कालीन सांसद डॉ. मनमोहन सिंह और सांसद भुवनेश्वर कलिता ने गुवाहाटी में भारतीय विद्या भवन केंद्र खोलने की पहल की। प्रारंभ में केंद्र ने कंप्यूटर शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी के गांधी संस्थान के रूप में शाखा के तहत कंप्यूटर शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू किया और असम के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुफ्त कंप्यूटर शिक्षा प्रदान की। बाद में, संस्थान ने शुरू किया और संगीत, नृत्य, कला आदि के अलावा बोली जाने वाली अंग्रेजी और कौशल विकास में प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम की पेशकश की। गुवाहाटी में भारतीय विद्या भवन का केंद्र भी प्रभावित हुआ और लगभग बंद हो गया क्योंकि महामारी के दौरान पूरा क्षेत्र प्रभावित हुआ था। इसका नया भवन हाल ही में लगभग 70 लाख रुपये की लागत से बनाया गया था और हाल ही में शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय कला और शिक्षा के पुनर्मूल्यांकन की प्रतिबद्धता के साथ भारतीय इतिहास और दर्शन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

पूसीरे में माल ढुलाई में वृद्धि

गुवाहाटी (विभास)। माल ढुलाई के परिवहन में सुधार के निरंतर प्रयास के तहत पूर्वोत्तर सीमा रेल आवक और जावक माल परिवहन की हैंडलिंग के लिए नए स्टेशनों को खोल रहा है। दिसंबर, 2022 के दौरान माल ढुलाई के लिए कुछ और रेलवे स्टेशन खोले गए हैं, जिससे ग्राहकों द्वारा विभिन्न सामानों का परिवहन आसान हो गया है। इससे ट्रांसपोर्टरों को काफी लाभ होने की उम्मीद है। ग्राहक इंटरफेस को बेहतर बनाने एवं माल ढुलाई में और अधिक वृद्धि के लिए, रंगिया मंडल के अधीन जोगीघोपा और मेघालय में मेंदीपथार स्टेशन को 05 दिसंबर, 2022 से आवक कोयला परिवहन की हैंडलिंग के लिए खोला गया। रंगिया मंडल के अधीन आजरा स्टेशन को 06 दिसंबर, 2022 से रोल ऑन-रोल ऑफ की हैंडलिंग के लिए खोला गया। यह नई सुविधा मानसून मौसम के दौरान मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा जैसे विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों में आवश्यक वस्तुओं के परिवहन में मदद करेगी।

रॉयल एनफील्ड सुपर मीटियर 650 लांच

गुवाहाटी। अगर आप बाइक लवर हैं और साल 2023 में एक नई बाइक खरीदने की सोच रहे हैं तो आपके लिए एक शानदार बाइक लांच हो गई है। अपनी दमदार बाइक्स के लिए जानी जाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने आज अपने जू रोड स्थित 4एसेस एनफील्ड रिटेल प्रा. लिमिटेड के शोरूम में अपनी बहुप्रतीक्षित रॉयल एनफील्ड सुपर मीटियर 650 मॉडल बाइक को लांच किया। इस मौके पर 4एसेस एनफील्ड रिटेल प्रा. लि. शोरूम के निदेशक चिराग गुप्ता, प्रीतम नाथ (एडमिन सेल्स-सर्विस) व अभिजीत दास (बिक्री प्रबंधक) सहित बड़ी संख्या में रॉयल एनफील्ड के प्रशंसक मौजूद थे। उन्होंने कहा की रॉयल एनफील्ड का नाम देश की जानी-मानी मोटरसाइकिल निर्माता कंपनियो में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की यह नई बाइक भारतीय बाजार में नया धमाल मचा रही हैं। रॉयल एनफील्ड की सुपर मीटियर 650 और सुपर मीटियर 650 टूरर - दो विभिन्न वेरिएंट में निर्मित है और सात अलग-अलग रंगों में उपलब्ध है। नया सुपर मीटियर 650 की बुकिंग व डिस्प्ले महानगर के जू रोड स्थित 4एसेस एनफील्ड रिटेल प्रा. लिमिटेड के शोरूम में शुरू हो गई है और डिलीवरी फरवरी से शुरू होगी। इसकी शुरुआती कीमत 3,48,900/- (एक्स-शोरूम) रुपए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक प्रीमियम सेगमेंट मोटरसाइकिल है, जिसमें पावर के लिए 648 सीसी इंजन दिया गया है, जिसे 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। नई सुपर मीटियर को इंटरसेप्टर 650 और कांटिनेंटल जीटी 650 के उपर प्लेस किया जाएगा। इसके अलावा यह कई कलर ऑप्शन- एस्ट्रल ब्लैक, एस्ट्राल ब्लू, एस्ट्रल ग्रीन, इंटरस्टेलर ग्रे तथा सिलेस्टियल रेड, सिलेस्टियल ब्लू और इंटरस्टेलर ग्रीन में उपलब्ध हैं। रॉयल एनफील्ड की सुपर मीटियर 650 के फीचर्स की बात करें तो यह बाइक फूल एलईडी हेडलैंप का इस्तेमाल किया गया है। इसमें शोवा यूएसडी फोर्क सस्पेंशन मिलेगा और ट्रिपर नेविगेशन पॉड्स दिया है। इसके अलावा टूटर वर्जन में एक बड़ी विंड स्क्रीन भी दी गई, जो बाइक का पूरा लुक इनहैंस कर देगी। बाइक की पावर यानी इंजन की बात करें तो इसमें 648सीसी, एयर कूल्ड पैरलल ट्विन इंजन मिलेगा. रॉयल एनफील्ड की यह बाइक 241 किलोग्राम वजनी है, इसीलिए इसे एक हैवी बाइक माना जा रहा है हालांकि बल्की होने के साथ ही इसका लुक मस्कुलर भी लगता है। बता दें कि ये मोटरसाइकिल 47पीएस की पावर और 52एनएम का पीक टॉर्क जनरेट कर सकेगा। ट्रांसमिशन के लिए इसमें छह-स्पीड गियरबॉक्स है, जो एक स्लीपर और असिस्ट क्लच के साथ जोड़ा गया है।

पृष्ठ एक का शेष

नेताजी की देशभक्ति...

प्रतियोगिताएं और जनसभाओं के बाद शाम छह बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा चिरांग जिला के बसुगांव कस्बे के नेताजी पार्क में आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। सुबह नेताजी पार्क प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुभाष लोधरा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और बसुगांव के महापौर साधन मंडल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कम उम्र की लड़कियों ...

कहा कि 14-18 साल की आयु की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों पर बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा और इस कानून के तहत उनके खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आगे जानकारी दी कि पुलिस को राज्य भर में बाल विवाह के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हर गांव में एक बाल संरक्षण अधिकारी नियुक्त किया जाएगा और ग्राम पंचायत सचिव का यह कर्तव्य होगा कि वे अपने क्षेत्र में होने वाले किसी भी बाल विवाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएं।

तवांग झड़प : एलएसी ...

निगरानी की तारीफ करते हुए उम्मीद जताई कि आप इसी मुस्तैदी और कर्मठता से सीमा पर मोर्चा संभाले रखेंगे। सेनाध्यक्ष के तवांग सेक्टर के दौरे के बारे में सेना ने सोमवार को ट्वीट कर बताया कि जनरल मनोज पांडे को दौरे के समय ऑपरेशनल तैयारियों और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने अधिकारियों और सैनिकों के साथ बातचीत में प्रोफेशनलिज्म और कर्तव्य के प्रति समर्पण लिए उनकी सराहना की। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सेना दिवस पर सालाना प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि चीन की देश की उत्तरी सीमाओं पर हालात काबू में हैं, लेकिन अप्रत्याशित हैं। चीन के किसी भी प्रयास को रोकने के साथ ही उत्तरी सीमा पर विरोधी पक्ष के जवाब में हमारी भी तैनाती जारी है। सीमा पर हमारे पास बराबर संख्या में सैनिक हैं। हमारी पूर्वी कमान के विपरीत चीन ने सैनिकों की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है, लेकिन हम कड़ी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर सैनिकों की संख्या का कोई महत्व नहीं होता, बल्कि उनमें उत्साह, जोश और हौसला मायने रखता है, जो हमारे सैनिकों में है। यही वजह है कि हम दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम सात मुद्दों में से पांच को हल करने में सफल रहे हैं। हमने सैन्य और राजनयिक दोनों स्तरों पर चीन से बात करना जारी रखा है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडार है। एलएसी पर तैनात हमारे सैनिक दृढ़ तरीके से चीन के उन प्रयासों को रोकने में सक्षम रहे हैं, जिसमें उन्होंने यथास्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि वे एलएसी की मौजूदा स्थिति को बदलने के लिए हो रही किसी भी कोशिश को नाकाम करने में सक्षम हैं।

... मोहन भागवत एक...

आरएसएस ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें संघ प्रमुख भागवत ने शिरकत की। अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि नेता जी ने अपना सारा जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। नेता जी का जीवन लगभग वनवास में गुजारने जैसा था। उन्होंने अपने जीवन के बहुत से हिस्से वनवास में गुजारे। उन्हें अपना सर्वस्व बलिदान देश के लिए कर दिया। नेताजी के सपने अभी पूरे नहीं हुए हैं। हमें इसे मिलकर पूरे करने होंगे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस और हमारे पूर्वजों के दिखाए हुए रास्तों को अपनाकर हम इस विश्व में शांति और भाईचारा फैला सकते हैं। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।

सुभाष को पीएम सहित...

इस अवसर पर *अपने नेता को जाने* कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के समन्वय से चयनित 80 युवा प्रतिभागियों ने भी संसद के केंद्रीय कक्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के इन युवाओं ने मंत्रालयों द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता के रूप में इस कार्यक्रम में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। कई युवा प्रतिभागियों ने नेताजी के योगदान पर हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में बात की और उनके जीवन के प्रेरक आदर्शों को याद किया। संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड), लोक सभा सचिवालय ने लोक सभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में अपने नेताओं को जानिए शीर्षक से यह नया कार्यक्रम शुरू किया है। अमृत काल में युवाओं के बीच महान राष्ट्रीय नेताओ के जीवन और योगदान के विषय में जागरूकता फैलाने के लिए यह कार्यक्रम प्रभावी सिद्ध हुआ है। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि राष्ट्र के लिए नेताजी का बलिदान हर भारतीय को प्रेरित करता है। उन्होंने नेताजी को महानायक बताते हुए कहा कि उनके संघर्ष और विचार युवाओं को राष्ट्र और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित करते हैं। नेताजी के प्रेरक व्यक्तित्व के संदर्भ में बिरला ने कहा कि राष्ट्र के प्रति नेताजी के योगदान को सभी भारतीयों को याद रखना चाहिए क्योंकि यह हमें नई ऊर्जा और संकल्प से भर देता है। उन्होंने कहा कि नेताजी के जीवन, उनके विचारों, उनकी देशभक्ति, उनके नेतृत्व, उनके अदम्य साहस, स्वाभिमान और चुनौतियों से लड़ने की ताकत ने राष्ट्र को एक नई दिशा दी है और सभी नागरिकों में राष्ट्रवाद की भावना को और मजबूत किया है। स्पीकर बिरला ने भारत के समृद्ध और गौरवशाली इतिहास में नेताजी के अटूट विश्वास का उल्लेख करते हुए कहा कि वे भारत को एक आत्मनिर्भर और आधुनिक राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे। बिरला ने नेताजी को शक्ति और वीरता की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं था। उन्होंने कहा कि आज भारत नेताजी के दिखाए रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और विश्व में अपना उचित स्थान ले चुका है। जी-20 में भारत के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि नेताजी की स्मृति दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र को साकार करने के लिए प्रेरित करती है। नेताजी की जयंती पर पराक्रम दिवस का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि यह अवसर लोगों को नेताजी के संघर्षों, विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

वीर किसी के ...

में स्थान प्राप्त करने के लिए किसी के मोहताज नहीं होते। उन्होंने कहा कि यह दिन ऐतिहासिक है क्योंकि हम उन सभी की वीरता का जश्न मनाते हैं जिन्होंने आजादी से पहले और बाद में भी मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि एक ओर हम सुभाष द्वीप को नेताजी की स्मृति में परिवर्तित कर रहे हैं और दूसरी ओर 21 द्वीपों का नाम उन लोगों के नाम पर रखा जा रहा है जिन्होंने 1947 से इस भूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी हम नेताजी का नाम सुनते हैं रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इतना साहस, पराक्रम और देशभक्ति शायद ही किसी में होती है। नेताजी के लिए देश का सम्मान, देश की जनता के प्रति ईमान और खुद के स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं था। शाह ने कहा कि इन 21 द्वीपों का नामकरण *परमवीरों* के नाम पर करके पीएम मोदी जी ने न केवल रक्षा बलों का सम्मान किया बल्कि इस देश के युवाओं को हमारे वीरों के जीवन से जोड़ा है और देशभक्ति के बीज बोए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि नेताजी ने कई टोपियां पहनी थीं।

भगत सिंह कोश्यारी...

जनता से जो प्यार और स्नेह मिला है, मैं उसको कभी नहीं भूल सकता हूं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे हमेशा पीएम मोदी से प्यार और स्नेह मिला है और इस बारे में भी मुझे इसी प्रकार की उम्मीद है। मालूम हो कि पीएम मोदी 19 जनवरी को कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए मुंबई में थे। इस महीने की शुरुआत में राज्यपाल कोश्यारी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि वह राज्यपाल बनने के बाद नाखुश हैं और उन्हें लगता है कि वह सही जगह पर नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा था कि उन्हें खुशी तभी महसूस होती है, जब संन्यासी राजभवन में आते हैं। मालूम हो कि कोश्यारी को सितंबर 2019 में महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

बंगाल के बोर्ड पेपर ...

कश्मीर (पीओके) कहता है। इसी हिस्से को पाकिस्तान ने आजाद कश्मीर का नाम दिया हुआ है। भारत सरकार आजाद कश्मीर नाम को मान्यता नहीं देती है। एबीटीए राज्य के वामपंथी स्कूल टीचर्स का संगठन है। इसके जनरल सेक्रेटरी सुकुमार पैन ने माना कि एसोसिएशन के टेस्ट पेपर में ऐसा सवाल पूछा गया था। उन्होंने कहा कि बोर्ड के सिलेबस में इस बारे में रेफरेंस दिया गया है, राज्य सरकार की अप्रूव की गई किताबों में भी इस बारे में रेफरेंस है। इस मामले में कॉन्ट्रोवर्सी चली आ रही है, इसलिए बेहतर होता कि ऐसा सवाल हमारे टेस्ट पेपर में नहीं आया होता। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन के बनाए टेस्ट पेपर में भी 10वीं के बच्चों से ऐसा ही सवाल पूछा गया था। इस पेपर में बच्चों से कहा गया था कि मैप में आजाद कश्मीर को मार्क करें। इसे लेकर बड़ा राजनीतिक बवाल मचा था। डब्ल्यूबीबीएसई के पेपर पर शुरू हुई कॉन्ट्रोवर्सी केंद्र तक पहुंच गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राज्य शिक्षा विभाग को एक पत्र लिखकर इस संबंध में जवाब मांगा है। इस पत्र में कहा गया है कि *आजाद कश्मीर* का मसला बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है और भारत सरकार *पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर* को *आजाद कश्मीर* के तौर पर मान्यता नहीं देती है। मामले की गंभीरता को समझते हुए राज्य शिक्षा विभाग ने इस मामले में आंतरिक जांच शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि इस संबंध में कुल 9 टीचर्स की पहचान की गई है और उन्हें आगाह किया गया है। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विद्यामंदिर के हेडमास्टर को भी आगाह करते हुए एक चिट्ठी भेजी गई है। इसी स्कूल के बनाए एग्जाम पेपर में आजाद कश्मीर पर सवाल पूछा गया था। डब्ल्यूबीबीएसई हर साल दसवीं क्लास के फाइनल टेस्ट एग्जाम के लिए राज्य के कुछ प्रमुख स्कूलों के बनाए पेपर्स को जारी करता है। साथ ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को गाइड करने का भी काम करता है। एबीटीए इन पेपर्स के साथ अपना भी पेपर जारी करता है।

ऑस्ट्रेलिया के इस्कॉन....

आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी चेक किए जा रहे हैं। वहां रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों ने इस परा नाराजगी जताई है। लोगों का कहना है कि पिछले दो हफ्तों में विक्टोरिया पुलिस उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है, जो हिंदू समुदाय के खिलाफ अपना नफरत भरा एजेंडा चला रहे हैं। वहीं कुछ लोगों ने कहा कि क्या हम सड़कों पर उतरेंगे तभी विक्टोरिया सरकार और विक्टोरिया पुलिस अपनी नींद से जागेगी। पिछले 15 दिनों में दो और मंदिर में ऐसी घटनाएं सामन आई हैं। ऐतिहासिक श्री शिव विष्णु मंदिर में तोड़फोड़ की गई थी। इससे पहले 12 जनवरी को मेलबर्न में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भी भारत विरोधी नारे लिखे मिले थे। भक्त उषा सेंथिलनाथन ने बताया था कि जब सोमवार को मंदिर में पोंगल उत्सव मनाने के लिए आईं, तो उन्होंने मंदिर में भारत विरोधी नारे देखे। लोगों ने हमले का आरोप खालिस्तान समर्थकों पर लगाया है।

मौर्य पर कानूनी ...

दलित-पिछड़ा समाज हिंदुत्व का झंडा फहराने में सबसे आगे रहा है। इस कारण उनकी टिप्पणी को उनके ही समुदाय के लोग स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन्हें रामचरित मानस की किसी पंक्ति से समस्या है, उन्हें विहिप के रामकथा कार्यक्रम में आकर अपनी शंकाओं-जिज्ञासाओं का समाधान करना चाहिए। विहिप स्वामी प्रसाद मौर्य पर कानूनी कार्यवाही करने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस देश की पहचान राम से रही है। ऐसे में यदि कोई राम और कृष्ण के अस्तित्व पर प्रश्न करेगा, उसका अपना अस्तित्व स्वत: समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय और उसकी आस्था के मुद्दों पर कोई नकारात्मक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जाएगी। विहिप नेता ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के समय से ही कुछ लोग इस तरह की कोशिश करते रहे हैं, जिससे अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों को हिंदू धर्म से अलग किया जा सके। लेकिन बाबा साहब आंबेडकर ने संविधान के पहले पृष्ठ पर भगवान राम का चित्र अंकित कर इस कोशिश को ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि आज भी हिंदू समाज को तोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब भी यह कामयाब नहीं होगी। ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मन्दिरों पर हुए हमलों पर टिप्पणी करते हुए विहिप नेता डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि कनाडा और ऑस्ट्रेलिया खालिस्तानी आतंकवाद के अड्डे बन गए हैं। पाकिस्तान की शह पर कुछ लोग इन देशों से भारत विरोधी एजेंडा चला रहे हैं। यहां से भारत और पीएम नरेंद्र मोदी के विरुद्ध षड्यंत्र किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विहिप मांग करता है कि सिख समुदाय के धर्मगुरु इनकी कड़ी निंदा करें और अपने समुदाय के युवाओं को इनके जाल में फंसने से बचाएं। यह सिख समुदाय, पंजाब और पूरे देश के हित में है। हिंदूवादी संगठन विहिप बागेश्वर धाम सरकार के समर्थन में खुलकर खड़ा हो गया है। संगठन ने कहा है कि मदर टेरेसा के नाम पर चमत्कार होने की बात को सही मानने वाले लोग पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मुद्दे पर विरोध न करें। संगठन ने कहा है कि शास्त्री का विरोध केवल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने सैकड़ो लोगों को उनके मूल हिंदू धर्म में लाने का काम किया। डॉ. सुरेंद्र जैन ने अमर उजाला से कहा कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री धर्मांतरित लोगों की हिंदू धर्म में घर वापसी करा रहे हैं। यही कारण है कि बाबा बागेश्वर धाम सरकार पर लगातार हमला किया जा रहा है। लेकिन चूंकि, पूरा हिंदू समुदाय धीरेंद्र शास्त्री के साथ खड़ा हो गया है, उनका विरोध करने वाले अप्रासंगिक हो गए हैं।

अयोध्या से जुड़ेगी...

जाएगा। उन्होंने कहा कि ओरछा और पीताम्बरा पीठ में लाखों लोगों की आवाजाही को देखते हुए भूमि अधिग्रहित कर यात्रियों के लिए फूड मॉल बनाए जाएंगे और यहां के सभी तीर्थ स्थलों की सड़कों के आसपास सुंदर घास युक्त फुटपाथ बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि बुंदेलखंड की धरती और राजाराम की नगरी ओरछा में आने का मौका मिला। ओरछा और चित्रकुट को अन्य शहरों से जोड़ने के लिए करीब 70 हजार करोड़ के रोड के काम कर रहे हैं। उधर ओरछा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि आज तक ऐसा हजारों करोड़ों की सड़कों का लोकार्पण और शिलान्यास नहीं देखा। आज देश में कुछ लोग ऐसे हो गए हैं जो भगवान राम और तुलसीदास के बारे में भी ऐसी-वैसी बातें बोलते हैं। भगवान राम हमारे अस्तित्व हैं, राम हमारे प्राण हैं, राम हमारे रोम-रोम में हैं, और हमारी हर सांस में बसे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसी यात्राओं से भारत जुड़ेगा क्या अगर भारत कोई जोड़ रहा है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नितिन गडकरी भारत जोड़ रहे हैं। भारत शानदार सड़कों की कनेक्टीविटी से जुड़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने पहले भी सड़कें देखी थी, खजुराहो जब कोई जाता था तो हड्डी पसली टूट जाती थी। लेकिन, आज किसी का भी पेट का पानी नहीं हिलता। दो महीने में निवाड़ी जिले के हर घर में नल से पानी पहुंचा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उज्जैन और बनारस की तर्ज पर ओरछा रामराजा मंदिर के इलाके को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 6 हजार 800 करोड़ की लागत की सड़कें बुंदेलखंड को मिलने वाली है।

लाल किले की ...

लेकर चेकिंग और पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है। हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए बॉडी कैमरा का भी इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही लाल किले की सुरक्षा बढ़ा दी है। परेड रूट के 3 किमी तक हमने सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। पुलिस ने बताया कि किराएदारों और घरले सहायकों का सत्यापन किया जा रहा है। साथ ही होटल्स, गेस्ट हाउसों और *धर्मशालाओं* में औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई संदिग्ध या असामाजिक तत्वों ने अवैध रूप से जगह पर कब्जा नहीं किया है। संवेदनशील जगहों पर पैट्रोलिंग जारी है। पुलिस ने कहा कि मॉल, बाजारों, रेलवे और मेट्रो स्टेशनों और बस टर्मिनस पर चेकिंग तेज कर दी गई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

भीतर बाहर तुमहिं हो, हे प्रभु मंगल रूप।
दिव्य स्वरूप विराज में, महिमा अगम अनूप॥ 25॥

शब्दार्थ : (मंगल) आनंद, शुभ, कल्याण।

भाष्य : है मंगलस्वरूप प्रभो। तुम ही भीतर-बाहर एवं विराजधाम में दिव्यस्वरूप से प्रकाशमान हो। तेरी महिमा अगम एवं अनूप है।

शीतल शान्ति सुराग में, दर्शन पायों अन्त।
देव सदाफल दुख गया, करुणामय भगवन्त॥ 26॥

शब्दार्थ : (शीतल) ठंडा (सुराग) अनुराग, प्रेम, स्नेह।

भाष्य : उत्कट अनुराग द्वारा अंत में करुणामय भगवान का दर्शन हुआ, जिससे शीतलता और शांति प्राप्त हुई एवं समस्त दु:ख दूर हुए। इस लिए सर्व कामनाओं का त्याग कर एकमात्र प्रभु का भजन करो।

॥ इति स्वर्वेद चतुर्थ मंडल, सप्तम अध्याय भाष्य समाप्त॥

सेना के नकली जवान बने चार व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया पुलिस ने सेना के नकली जवान बने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि स्वयं को सेना का जवान बताकर चार लोग इलाके में घूम रहे थे। जिसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाकर चारों को पकड़ा। पकड़े गए फर्जी सेना के जवानों की पहचान नवीन कुमार, जीवन, सारजीत और मनु शर्मा के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं। आरोपितों के पास से पुलिस ने एक ऑडी कार (डीएल-2सीएटी-2299) और एक अन्य कार (एचआर-51एयू-1315) को जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चारों से रंगिया थाने में सघन पूछताछ कर रही है।

जर्जर पुल से लोग परेशान

रंगिया (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया शहर के समीप एक जर्जर पुल की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि भूटान बस अड्डे और सप्ताहिक बाजार के पास स्थित काफी पुराने जर्जर पुल की वजह से लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग की लापरवाही की वजह से आज तक लकड़ी के पुल के स्थान पर पक्के पुल का निर्माण नहीं हो सका। जिसकी वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले मरीज, स्कूल के बच्चों के अलावा आम राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर पुल से गिरकर एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुल के एक छोर पर रंगिया तो दूसरे छोर पर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र है। पुल के पास सप्ताहिक बाजार है। प्रत्येक सप्ताह हजारों की संख्या में लोग यहां बाजार करने पहुंचते हैं। समय रहते अगर पुल की मरम्मत या पक्के पुल का निर्माण नहीं किया गया तो आने वाले समय में यहां बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

मृणमय कलाकार विद्या की देवी की मूर्ति को अंतिम रूप देने में जुटे

नागरबेड़ा (निसं)। सरस्वती पूजा के लिए अब केवल दो दिन बचे हैं। अब कलाकार विद्या की देवी की मूर्तियों को सजाने में जुटे हैं। समानांतर में, कामरूप जिले के नगरबेड़ा के पालपाड़ा में, मिट्टी के बर्तन के कलाकार और कारीगर सरस्वती देवी की मूर्तियां बनाने और उन्हें अपना अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। नगरबेड़ा में कई कारखानों में सरस्वती की लगभग 200 मूर्तियां बनाई गई हैं। मूर्तियों को सजाया गया है। मिट्टी के बर्तनों के कलाकार कारखाने में दिन-रात व्यस्त रहते हैं। जिन्हें सदियों से मिट्टी के बर्तन और मूर्ति-निर्माण विरासत में मिले हैं, उनके पास सांस लेने का भी समय नहीं है। कारखाने में व्यस्त काम के बीच, हमें बताया जाता है कि सरस्वती की मूर्तियां, जो पहले से ही बनाई गई हैं, ग्रेटर नगरबेड़ा क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में बेची जाती हैं और बिक्री के लिए गुवाहाटी ले जाती हैं। गुवाहाटी के बाजार में सरस्वती की मूर्तियों की आंशिक

मांग है, लेकिन डर के मारे मिट्टी के बर्तनों के कलाकारों ने इस बार इसे अपेक्षाकृत कम बना दिया है। बड़े दिनों से जुड़े रहे के भी फायदे नहीं हुआ कलाकारों को। क्यों कि प्रतिमा निर्माण में उपयोग करने वाले सव सामान का दाम ज्यादा उस हिसाब से प्रतिमा का मुल्य ठीक से नहीं आता। जैसे तैसे पेट प्रवर्तन करके जीरहा है कलाकारों। सरकार के तरफ से सहायता ना मिलने से जल्द ही बंद हो जाएगा प्रतिमा निर्माण कार्य बोलके व्यक्त किया कुछ कलाकार।

सशस्त्र सीमा बल ने सीएपीएफ में भर्ती होने के लिए किया प्रोत्साहित

रंगिया (निसं)। सशस्त्र सीमा बल, क्षेत्रीय मुख्यालय रंगिया द्वारा आज रंगिया महाविद्यालय प्रांगण में युवक और युवतियों को सीएपीएफ में भर्ती होने के लिए उत्साहित करते हुए विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। बल क्षेत्रक मुख्यालय, रंगिया के उप-महानिरीक्षक जगदीप पाल सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में रंगिया महाविद्यालय के एनसीसी कैडर सहित 56 छात्र-छात्राओं नें भाग लिया। इस दौरान रुपेश मधुवाल, उप- कमांडेंट एवं जॉन लेंथांग, सह-कमांडेंट सहित अधिनस्थ अधिकारी एवं बल के कई जवान उपस्थित रहे। इस मौके पर उपस्थित सभी युवक -युवतियों को सीएपीएफ में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बताया गया कि इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न परीक्षाएं आयोजित की जाती है जैसे कि यूपीएससी, सीपीओ एवं एसएससी द्वारा रिक्तियां भरने के लिए विज्ञापन निकाला जाता है। इसमें लिखित परीक्षा के साथ-साथ शारिरिक गतिविधि एवं स्वास्थ्य जांच भी की जाती है। इस कार्यक्रम के अलावा आयोजकों ने नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में युवाओं को जागरूक किया एवं बताया कि आपलोग जहां-जहां रहते हो उसके आस-पास भी नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में लोगों को जागरूक करें।

सड़क हादसे में बाइक चालक घायल

बाक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिला के पश्चिम घागराबारी इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात बाक्सा के पश्चिम घागराबारी इलाके में एक बाइक चालक बाइक से अपना नियंत्रण खो बैठा। जिसकी वजह से बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के चलते बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बाइक चालक की पहचान बाक्सा के भोवला केउट सोपार निवासी विजय दास के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल बाइक चालक को इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

होजाई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मनी

होजाई (होसं/निसं)। हर साल की तरह प्ले बॉय स्पोर्टस क्लब ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती आज होजाई में शानदार तरीके से मनाई। इस अवसर पर क्लब परिसर में प्ले बॉय स्पोर्टस क्लब के अध्यक्ष प्रमोद रंजन दास की अध्यक्षता में एक सार्वजनिक सभा आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में त्रिपुरा मेघालय के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुए, कोलकाता के प्रसिद्ध कलाकार वरुण कुमार साह, होजाई के पूर्व विधायक वह वर्तमान में अखिल असम भाषिक संख्या लघु समिति के अध्यक्ष शिलादित्य देव, अजमल फाउंडेशन के प्रबंधक एमआर आजाद, समाजसेवी नवाज अहमद, रंजन बोरा सहित कई गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में नेताजी की प्रतिमा के सामने पुष्पांजलि अर्पित की गई और एक मिट्टी का दीपक जलाया गया। उसके बाद अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, आजाद हिंद फौज का झंडा फहराया और प्लेबॉय स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष प्रमोद रंजन दास ने क्लब का झंडा फहराया साथ ही सहीद बेदी पर पुष्पांजलि अर्पित किए गऐ। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य अतिथि मेघालय व त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने नेताजी के जीवन के ऊपर विस्तार से प्रकाश डाला और नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारत की आजादी के लिए किए गए प्रयासों व भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। वही शिलादित्य देव ने कहा,नेताजी किसी एक धर्म के नेता नहीं थे, वह राष्ट्र के नेता थे, उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, हमें हमेशा उनकी विचारधारा को याद करते हैं और अनुसरण करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता और प्ले ब्वॉयज स्पोर्ट्स क्लब के सचिव कमल दत्ता के प्रयासों की भी सराहना की, जिनकी पहल से नेताजी की जयंती पिछले 38 वर्षों से एक ही स्थल पर मनाई जा रही है। प्ले बॉय स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष, प्रमोद रंजन दास ने कहा, प्ले बॉय स्पोर्ट्स क्लब नेताजी की जयंती वर्ष 1985 से धूमधाम से मानता आ रहा है। सभा के प्रारंभ में समाजसेवी व प्लेबॉय स्पोर्ट्स क्लब के सचिव कमल दत्त द्वारा लिखित किताब अजाना सुभाष का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग सभी अतिथियों ने समबोधीत किया साथ ही कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों के लोग मौजूद थे।

आरएसएस ने विश्वनाथ चाराली में नेताजी की 126वीं जयंती मनाई

विश्वनाथ (निसं)। विश्वनाथ चाराली शहर के बहु बाजार के शिवाजी संघ में आज प्रात: 9 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताजी शाखा द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस का 126 वॉं जयंती भव्यता के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रतिछवि के सामने बच्चे, बूढ़े और जवान ने हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उनके किए गए अमूल्य योगदान का स्मरण किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला सह: सेवा प्रमुख व चिकित्सक डॉ. सरजीत दास ने दीप प्रज्वलित किया नेताजी को उपस्थित महानुभावों ने सैल्यूट करते हुए राष्ट्रगान गाया। दीप प्रज्वलक डॉ. सरजीत दास ने सभी महानुभावों को नेताजी के जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में गीता के श्लोक के उपदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा जब-जब इस धरती में धर्म का विपत्ति आया है तब एक महान सपूत का जन्म इस देश महान सपूत का जन्म हुआ है। नेताजी का कहे गए दो वाणी तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा और क़दम- क़दम मिलाएं जा, खुशी का गीत गाया जा का भी उल्लेख किया। इस शुभ अवसर पर बच्चों के बीच हुए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विजेता क्रमशः प्रथम स्थान कुलदीप दत्त, देवराज दास, शुभंकर रय दूसरा स्थान निशु रजक, अंशु रजक, स्वीटी रय और चित्रांकन

प्रतियोगिता के विजेता क्रमशः प्रथम स्थान देवजीत पाल, दूसरा स्थान सौरभ पाल और तीसरा स्थान पायल पाल को मेडल और पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर विश्वनाथ चाराली नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास,नगर प्रचार प्रमुख भास्कर ज्योति वैश्य, नेताजी शाखा कार्यवाह बिजू पाल, नेताजी शाखा मुख्य शिक्षक अभिजीत विश्वास, नेताजी शाखा के सेवा कार्य प्रमुख देवराज दास, नेताजी शाखा के गण शिक्षक क्रमशः सुदिप्त दे और जयदेव शाहा और महिला अभिभावक मौजूद थे। अंत में जय हिंद !जय हिंद। भारत माता की जयघोष के साथ कार्यक्रम समापन हुआ।

भौरागुरी में हस्तशिल्प कला के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

कोकराझाड़ (हि.स.)। नेहरू युवा केंद्र कोकराझाड़ और सेउज बिप्लब कल्याण समिति द्वारा भौरागुरी में सोमवार को हस्तशिल्प कला के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 31 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में हस्तशिल्प कला को बढ़ावा देने एवं उसके द्वारा होने वाले रोजगार के बारे में जानकारी देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेहरू युवा केंद्र कोकराझाड़ के जिला युवा अधिकारी हिमांशु कुमार, तुलसीबील हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक बिप्लब रॉय, पवित्र चंद्र बर्मन, समाज सेवाक जाहिरुल इस्लाम और प्रशिक्षक अब्दुस सलाम शेख मौजूद थे। शिविर में 30 से अधिक प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

मायुमं, बरपेटा रोड शाखा ने किया प्रकल्प राहत का आयोजन

बरपेटा (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच बरपेटा रोड शाखा के द्वारा राहत प्रकल्प एक जंग ठंड के संग नामक कार्यक्रम किया जा रहा है, यह कार्यक्रम विगत 01 जनवरी 2023 से चल रहा है। जिसमें हम ने हर जरुरतमंद व्यक्ति, एंव बच्चों को गर्म कपड़े प्रदान किए,

रात को रास्ते में, रेलवे स्टेशन में, सरकारी हॉस्पिटल में, बस्ती में, जा जा कर प्रधान किया, जो भी गरीब व्यक्ति और बच्चे हमें ठंड से ठिठुरते हुए नजर आए, उने हम उनके जरूरत के गर्म कपड़े उपलब्ध करवाये, इस कार्यक्रम में हमें समाज एंव मंच सदस्यों से बहुत सहयोग मिला, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक कमिटी के सदस्य बिनीत हरलालका, राहुल अग्रवाल, अंजनी जाजोदिया, ओमप्रकाश शर्मा, संपत प्रजापत, राजेश सेवक ने अपना बहुमूल्य समय दिया, इसी के साथ हमने दिनांक 20 जनवरी मंच स्थापना दिवस के दिन कोहरा पतहार, भवानीपुर गांव मे स्थित हाफ वे होम सेंटर में जाकर जहां दिमाग से, मुंह से, आंख से, विकलांग लोग ऐंव कुछ अनाथ बच्चों, गांव के आस पास के जरूरमंद लोगों के बीच कंबल, प्रदान किए। सभी समाज बंधुओं एंव शाखा सदस्यों ने ऐसे सराहनीय कार्यों के लिए मंच की खूब प्रसंशा की। बरपेटा रोड शाखा यह कार्य लगभग 8 वर्षों से करती आ रही है और आगे भी ऐसे सेवा कार्य करती रहेगी। शाखा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत माहेश्वरी ने सभी दान दाताओं एंव संयोजक कमिटी को तेह दिल से सुक्रिया किया, एंव कहा की आप लोगों के सहयोग से हम इस प्रकल्प को सफल बना सके।

केंद्रीय विद्यालय, नगांव में एग्जाम वारियर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

नगांव (निसं)। केंद्रीय विद्यालय नगांव में एग्जाम वारियर पेंटिंग प्रतियोगिता एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 126वीं जयंती पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य गौतम चंद एवं उपस्थित मुख्य अथितियों द्वारा नेता जी सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। दीप प्रज्वलन के बाद कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। विद्यालय के सामजिक विज्ञान शिक्षक दुर्गा प्रसाद

मिश्र ने नेताजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। पराक्रम दिवस के कार्यक्रम के ठीक बाद 10 बजे एग्जाम वारियर पेंटिंग प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। पेंटिंग प्रतियोगिता की शुरुआत में विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी) चिंतामणि सिंह ने सभी प्रतिभागियों के सम्मुख प्रतियोगिता से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रतियोगिता का समापन ठीक 12 बजे हुआ। इसके बाद उपस्थित निर्णायक मंडल द्वारा सभी प्रविष्टियों के गहन मूल्यांकन के पश्चात् विजेताओं का चुनाव किया गया। नवरुप जातीय विद्यालय के छात्र भास्कर्या मेधी ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, केंद्रीय विद्यालय नगांव के मनुज्ञा मोंदित नियोग ने दूसरा स्थान, नवरूप जातीय विद्यालय की लूना गोस्वामी ने तीसरा स्थान, केंद्रीय विद्यालय मीसा कैंट की छात्रा अनिंदिता बोरगोहैन ने चौथा स्थान एवं संदीपिनी विद्या मंदिर की छात्रा कुमारी ऋद्धा पटवारी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में कल्लोल स्कूल ऑफ ड्राइंग एंड पेंटिंग के प्राचार्य टिकेंद्रजित सैकिया, कल्लोल स्कूल ऑफ ड्राइंग एंड पेंटिंग के शिक्षक बलबिंदर सिंह एवं फाइन आर्ट की शिक्षिका निर्माली बरुआ उपस्थित थीं। इस प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय नगांव को नोडल विद्यालय बनाकर प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई थी। इस प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय नगांव, केंद्रीय विद्यालय मीसा कैंट, जवाहर नवोदय विद्यालय धींग सहित नगांव जिले के कुल 17 विद्यालयों के 100 छात्रों ने प्रतिभाग किया था। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को जलपान एवं पेंटिंग किट भी वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं एवं अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं एग्जाम वारियर पुस्तक वितरित की गई। धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम का सफल समापन हो गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी) चिंतामणि सिंह ने किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय नगांव के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आईआईटी, गुवाहाटी फरवरी में पहली वाई20 मीट की मेजबानी करेगा

गुवाहाटी (विभास)। असम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी 6 फरवरी से 8 फरवरी तक पहले यूथ20 (वाई20) ग्रुप मीट 2023 की मेजबानी करेगा। वाई20 शिखर सम्मेलन युवाओं को रचनात्मक नीति इनपुट प्रदान करने और विश्व दर्शकों के लिए अपनी राय देने के लिए मंच का उपयोग करने का एक अनूठा अवसर है। यह जी20 छतरी के नीचे आठ आधिकारिक सगाई समूहों में से एक है। जी20 की घूर्णन अध्यक्षता युवा शिखर सम्मेलन की मेजबानी की जिम्मेदारी वहन करती है, जो आमतौर पर पारंपरिक मंच से कुछ सप्ताह पहले होती है, यह जानने के लिए कि युवा क्या सोच रहे हैं और अपने स्वयं के नीति प्रस्तावों में अपने सुझावों को शामिल करते हैं। यह जी20 सरकारों और उनके स्थानीय युवाओं के बीच एक संपर्क बिंदु बनाने का एक प्रयास है। यूथ 20 इंडिया समिट विशेष रूप से सामाजिक विकास के क्षेत्र में अभिनव, टिकाऊ और कार्रवाई योग्य समाधानों पर विचार करने, चर्चा करने और निकालने के लिए जी20 देशों में हमारी भावी पीढ़ियों के ट्रस्टियों को एक साथ लाएगा। आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित की जाने वाली पहली वाई20 ग्रुप

मीट पर अपने विचार साझा करते हुए, आईआईटी-गुवाहाटी के कार्यवाहक निदेशक, प्रोफेसर परमेश्वर के अय्यर ने कहा कि दुनिया का भविष्य युवाओं के हाथों में है। आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित की जा रही वाई20 मीट युवाओं को वैश्विक मंच पर अपने इनपुट साझा करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी। यह बैठक एक भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज की दिशा में वैश्विक युवा नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करेगी। प्रोफेसर अय्यर ने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी ज्ञान और नवाचार पहल के माध्यम से अपने योगदान का प्रदर्शन करेगा और इस जी20 बैठक के माध्यम से ब्रांड असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए बढ़ावा देगा। वाई20 शिखर सम्मेलन के प्राथमिकता वाले क्षेत्र उस तात्कालिकता की ओर इशारा करते हैं जिसके साथ दुनिया को जीवित रहने और पनपने की हमारी खोज में बदलते समय की वास्तविकता से सामंजस्य बिठाना है। वाई20 शिखर सम्मेलन के विषयों में शामिल हैं- काम का भविष्य: उद्योग 4.0, नवाचार और 21 वीं सदी के कौशल, जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम में कमी: स्थिरता को जीवन का एक तरीका बनाना, शांति निर्माण और सुलह: युद्ध रहित, साझा भविष्य के युग की शुरुआत: युवा लोकतंत्र, शासन और स्वास्थ्य, भलाई और खेल में युवाओं के लिए एजेंडा। इनके साथ, वाई20 समिट का मुख्य फोकस वैश्विक युवा नेतृत्व और साझेदारी पर होगा। अंतिम यूथ-20 शिखर सम्मेलन के रन-अप में भारत के राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विभिन्न चर्चाओं और सेमिनारों के साथ-साथ पांच वाई20 विषयों पर पूर्व-शिखर सम्मेलन होंगे।

प्रधानमंत्री ने अडमान-निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के 21 सबसे बड़े अनाम द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर बनने वाले नेताजी को समर्पित राष्ट्रीय स्मारक के मॉडल का भी अनावरण किया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति का सम्मान करने के लिए, रॉस द्वीप समूह का नाम बदलकर 2018 में द्वीप की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया था। नील द्वीप और हैवलॉक द्वीप का नाम बदलकर शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप कर दिया गया। देश के वास्तविक जीवन के नायकों को उचित सम्मान देना हमेशा प्रधानमंत्री द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसी भावना के साथ आगे बढ़ते हुए अब द्वीप समूह के 21 सबसे बड़े अज्ञात द्वीपों का नामकरण 21 परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने का निर्णय लिया गया है। सबसे बड़े अनाम द्वीप का नाम पहले परमवीर चक्र विजेता के नाम पर रखा जाएगा, दूसरे सबसे बड़े अज्ञात द्वीप का नाम दूसरे परमवीर चक्र विजेता के नाम पर रखा जाएगा। यह कदम हमारे नायकों के प्रति एक चिरस्थायी श्रद्धांजलि होगी, जिनमें से कई ने राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। इन द्वीपों का नाम 21 परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा गया है। मेजर सोमनाथ शर्मा, सूबेदार और मानद कप्तान (तत्कालीन लांस नायक) करम सिंह, सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे, नायक जदुनाथ सिंह, कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह, कैप्टन जीएस सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल (तत्कालीन मेजर) धन सिंह थापा, सूबेदार जोगिंदर सिंह, मेजर शैतान सिंह, हवलदार अब्दुल हमीद, लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुर्जोरजी तारापोर, लांस नायक अल्बर्ट एक्का, मेजर होशियार सिंह, सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों, मेजर रामास्वामी परमेश्वरन, नायब सूबेदार बाना सिंह, कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार और सूबेदार मेजर सेवानिवृत्त (मानद कैप्टन) ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव।

सीबीएसई बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षा 15 फरवरी से होगी शुरू

परीक्षा के लिए जल्द ही जारी होगा एडमिट कार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई पहले ही 10वीं और 12वीं का एग्जाम शेड्यूल जारी कर चुका है। इसके मुताबिक बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी 2023 से शुरू होंगी।

परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड अनिवार्य है। ऐसे में सीबीएसई एडमिट कार्ड का इंतजार कर रहे स्टूडेंट्स के लिए जरूरी अपडेट है। 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जल्द ही जारी होने वाला है। सीबीएसई 10वीं 12वीं परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in के माध्यम से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। एडमिट कार्ड में एग्जाम सेंटर से लेकर परीक्षा के दौरान ध्यान रखी जाने वाली सभी बातों का उल्लेख होगा।

स्टूडेंट इन सभी दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक अच्छे से पढ़ लें। हालांकि सीबीएसई बोर्ड ने अभी ये स्पष्ट नहीं किया है कि एडमिट कार्ड कब जारी किया जाएगा। इस साल सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षा 21 मार्च और 12वीं की परीक्षा 5 अप्रैल 2023 तक आयोजित की जाएगी। बोर्ड परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर 21 द्वीपों का नामकरण सशस्त्र बलों के लिए महत्वपूर्ण : अमित शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल परमवीर चक्र विजेताओं की स्मृति को कायम रखने के साथ ही सशस्त्र बलों के लिए भी महत्वपूर्ण है। अमित शाह आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती के मौके पर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री भी इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। शाह ने कहा, ह्वआज का दिन भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं के लिए एक महत्वपूर्ण है। परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के 21 द्वीपों का नामकरण करने की प्रधानमंत्री मोदी की महान अभूतपूर्व पहल हमारे सशस्त्र बलों के लिए बहुत ही प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नाम रखने की प्रधानमंत्री की पहल यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें हमेशा याद रखा जाए। प्रधानमंत्री के मजबूत नेतृत्व में लिए गए सभी निर्णय निश्चित रूप से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के साथ अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के जुड़ाव को स्वीकार करते हैं और इसकी सराहना करते हैं। शाह ने कहा कि पूरे विश्व में किसी भी देश ने अपने लिए लड़ने वाले जवानों के नाम पर अपने द्वीपों का नाम रख कर उनको सम्मानित करने का कदम नहीं उठाया। आज भारत के प्रधानमंत्री की यह पहल जिसके तहत अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के 21 बड़े द्वीपों को हमारे परमवीर चक्र विजेताओं के नाम के साथ जोड़ कर, उनकी स्मृति को जब तक यह पृथ्वी रहेगी तब तक चिरंजीव करने का प्रयास सेना का उत्साह बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि सेल्युलर जेल महज एक जेल नहीं, आजादी की लड़ाई का एक बहुत बड़ा तीर्थ स्थान है। देश के इसी हिस्से को सबसे पहले स्वतंत्रता प्राप्त होने का सम्मान मिला और स्वयं नेताजी द्वारा तिरंगा फहरा कर यह सम्मान मिला। आज 21 द्वीपों को नाम नहीं दिया गया है बल्कि 21 वीरों के पराक्रम को नमन करते हुए 21 दीप जलाने का काम प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है। शाह ने कहा कि यह दुर्भाग्य रहा कि नेताजी सुभाष चंद्र को भुलाने का बहुत प्रयास किया गया लेकिन जो वीर होते हैं वो अपनी स्मृति के लिए किसी के मोहताज नहीं होते हैं। हमने सुभाष बाबू की कर्तव्य पथ पर मूर्ति लगाने का काम किया, उनकी जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाया।

दिल्ली की आबोहवा बेहद खराब, एक्यूआई 350 तक पहुंचा

अजय कुमार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में फिर प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। सोमवार सुबह दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 दर्ज किया गया। आईजीआई एयरपोर्ट के पास एक्यूआई 291 और नजफगढ़ में यह 380 तक दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों में अगर बारिश होती है वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार हो सकता। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने रविवार शाम दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 407 दर्ज किया था। यह शनिवार को 294 था। इस बदलाव पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उप समिति ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राहुल की अगुवाई में जम्मू की तरफ आगे बढ़ी भारत जोड़ो यात्रा

जम्मू (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच सांबा जिले के विजयपुर से जम्मू की तरफ आगे बढ़ी। अधिकारियों ने बताया कि 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई यह यात्रा 30 जनवरी को श्रीनगर में संपन्न होगी। राहुल उस दिन एक विशाल रैली में कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल पूर्व मंत्री तारिक हामिद कर्रा और जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति के पूर्व अध्यक्ष जी ए मीर के साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने तिरंगा लेकर विजयपुर में जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर राहुल के साथ पदयात्रा की। पदयात्रा सुबह करीब सात बजे शुरू हुई। भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को अपने 129वें दिन में प्रवेश कर गई। 22 किलोमीटर की यात्रा के बाद यात्रा जम्मू के सतवारी चौक पहुंचेगी जहां राहुल एक जनसभा को संबोधित करेंगे और फिर रात्रि विश्राम के लिए सिधरा जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और सुबह आठ बजकर 45 मिनट पर सरूर पहुंची जहां ह्वभारत यात्री नाश्ते के लिए रुके। एक अधिकारी ने बताया कि कड़ाके की ठंड के बीच अपनी ट्रेडमार्क सफेद रंग की टी-शर्ट पहनकर पदयात्रा करने वाले राहुल के अगले कुछ घंटों में जम्मू शहर की सीमा में प्रवेश करने की उम्मीद है। यात्रा के दौरान सड़क किनारे खड़े लोगों और पार्टी कार्यकताओं ने राहुल का उत्साहवर्धन किया। यातायात पुलिस ने राजमार्ग और शहर में अन्य सड़कों पर वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए विस्तृत परामर्श जारी किया है। बीते शनिवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में नरवाल क्षेत्र में दो बम विस्फोट के बाद केंद्र-शासित प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

हाई कोर्ट ने राघव बहल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला निरस्त करने की मांग खारिज की

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने द क्विंट के संस्थापक राघव बहल की उनके खिलाफ मनी लांड्रिंग के मामले को निरस्त करने की मांग खारिज कर दी है। जस्टिस जसमीत सिंह ने कहा कि याचिका प्री-मैच्योर है। कोर्ट ने कहा कि जो आरोप लगे हैं, वे अभी ट्रायल के चरण में नहीं पहुंचे हैं। अपराध हुआ है कि नहीं, अभी इसकी जांच चल रही है। ऐसे में ये याचिका प्री-मैच्योर है। इनकम टैक्स विभाग ने काला धन से जुड़े कानून के तहत कार्रवाई शुरू की है। इनकम टैक्स विभाग 2018-19 में इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने में कथित अनियमितता की जांच कर रहा है। सुनवाई के दौरान राघव बहल ने अपने खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर नोटिस को निरस्त करने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि ये भी प्री-मैच्योर होगा। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता विदेश जाते रहे हैं और आगे जब भी उन्हें विदेश जाने की जरुरत होगी तो वे दस्तावेजों के साथ कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं । उनकी अर्जी पर कोर्ट कानून के मुताबिक फैसला करेगा। व्यवसाय के लिए विदेश जाने पर रोक नहीं लगाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने कमलनाथ पर कसा तंज, कांग्रेस की कार्यकारिणी को बताया सर्कस

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में इस साल के आखिरी में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस की कार्यकारिणी को सर्कस बताते हुए चुटकी ली है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की कार्यकारिणी थोड़ी है, वो तो सर्कस है। कार्यकर्ता तो कोई बचे ही नहीं, जितने थे सब पदाधिकारी बना लो। कमलनाथ जी अगर सोच रहे हैं कि झूठे वादे करके सत्ता में आ जाएंगे तो प्रदेश की जनता अब उनको लूटने का मौका नहीं देगी। राजधानी भोपाल के स्मार्ट सिटी उद्यान में सोमवार को पौधारोपण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि अंतिम नहीं है अभी और है। ये अद्भुत पार्टी है 150 महामंत्री बना दो, 150-550 भी कर दो। ये पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी है। इसमें तो पिता के साथ पुत्र भी शामिल है। कहीं मां बेटा की पार्टी है तो और कहीं पिता-पुत्र की पार्टी है। यह कांग्रेस की नियति हो गई है। कार्यकर्ता कौन है, यहां केवल तुष्टिकरण चल रहा है। कमलनाथ जी रोज एक नया वादा कर देते हैं। मैंने कल भी कहा था पुराना वचन पत्र पूरा किया नहीं और अब जो चाहो वह लिख दो, लेना देना तो है नहीं। लेकिन जनता भुलावे में नहीं आने वाली, कमलनाथ यह सोचते होंगे झूठे वादे करके फिर सत्ता में आ जाएं तो प्रदेश की जनता अब उनको लूटने का मौका नहीं देगी। वहीं पूर्व केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक कांतिलाल भूरिया द्वारा संघ की शाखा में जाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई वाले बयान पर मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि तुम संघ का क्या बिगाड़ लोगे। आरएसएस देशभक्तों का एक संगठन है। संघ से व्यक्ति निर्माण की एक ऐसी प्रक्रिया प्रारंभ हुई कि देश के लिए जीने और मरने वाले लाखों लाख स्वयंसेवक तैयार हो गए। कांतिलाल जी कई लोग चले गए कब से लोग यह कह रहे हैं। आरएसएस व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। देश के लिए जीने और मरने वाले की लाखों लाख स्वयंसेवक तैयार हो गए, लेकिन मुझे कांग्रेसियों की कुंठा समझ में नहीं आती है। देख लेंगे, कर्मचारियों अधिकारियों निपटा देंगे, मिटा देंगे ऐसे लोगों को जनता भी निपटा देगी। उन्होंने कहा कि जिनको वह देख लेने की धमकी दे रहे हैं आखिर वह भी इंसान है, उनका भी सम्मान है, उनका अपमान नहीं किया जाना चाहिए।

अपने रसोइये के सहारे दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह

अजय त्यागी

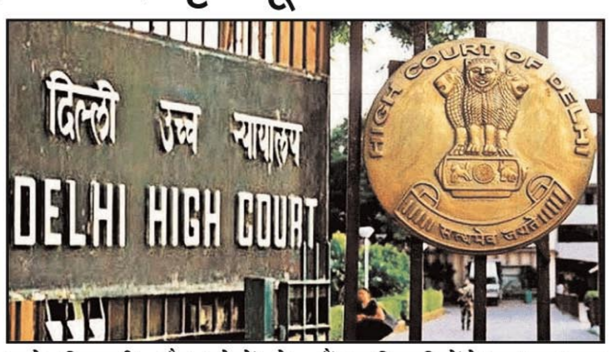

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के रसोइये ने सांसद के खिलाफ यौन प्रताड़ना का आरोप लगाने वाले कुश्ती खिलाड़ियों और कोचों के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि कुश्ती खिलाड़ियों और कोचों ने यौन प्रताड़ना कानूनों का दुरुपयोग किया है। याचिका में कहा गया है कि विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों ने न्याय का मजाक बनाकर रख दिया है। अगर उनके साथ यौन प्रताड़ना की घटनाएं हुईं तो उन्होंने कानून के मुताबिक कोर्ट या पुलिस से शिकायत क्यों नहीं की। याचिका में कहा गया है कि पहलवान विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया और दूसरे खिलाड़ी और कोचों ने बृजभूषण शरण सिंह पर जो उन पर आरोप लगा रहे हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाए। याचिका में कहा गया है कि बृजभूषण शरण सिंह पर डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए खिलाड़ी और कोच दबाव बनाने की रणनीति के तहत यह आरोप लगा रहे हैं। इन खिलाड़ियों ने बृजभूषण शरण सिंह की छवि खराब करने के लिए हर सीमा का लांघ दिया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया समेत कई पहलवानों और कोचों ने बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप लगाते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था।

हिजाब मामले की सुनवाई के लिए तीन जजों की बेंच जल्द गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जल्द ही कर्नाटक हिजाब मामले की सुनवाई के लिए तीन जजों की बेंच का गठन करेगा। आज वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने इस मामले को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए कहा कि एक साल हो चुके हैं। हिजाब की वजह से लड़कियां कक्षाएं नहीं जा रही हैं। उन्होंने मांग की कि इस मामले की सुनवाई के लिए जल्द ही नई बेंच गठित कर सुनवाई की जाए। तब चीफ जस्टिस ने मामले की सुनवाई के लिए जल्द ही नई बेंच के गठन का भरोसा दिया। दरअसल, 13 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने इस मामले पर विभाजित फैसला सुनाया था। जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कर्नाटक सरकार के हिजाब पर रोक के आदेश को सही करार दिया था जबकि जस्टिस सुधांशु धुलिया ने कर्नाटक सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया था। विभाजित फैसला होने की वजह से इस मामले को तीन जजों की बेंच को रेफर किया गया था।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में बढ़ रही है जजों के खाली पदों की संख्या

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच तनातनी बनी हुई है। पिछले वर्षों मे उच्च न्यायालयों में खाली पदों की संख्या बढ़ती ही चली जा रही है। केंद्र सरकार कॉलेजियम की सिफारिशों को मानने के लिए तैयार नहीं है। 104 से अधिक अनुशंसा सरकार के पास लगभग 2 वर्षों से लंबित हैं। सरकार जजों की नियुक्ति पर अपना एकाधिकार करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम इसके सख्त खिलाफ है। देश के उच्च न्यायालयों मे कुल स्वीकृत 1108 पद हैं। इसमें से 330 पद खाली पड़े हुए हैं। हर माह यह संख्या बढ़ती जा रही है। उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या भी बढ़ रही है। सरकार जजों की नियुक्ति किए जाने पर अपना एकाधिकार बनाना चाहती है। इसको लेकर न्यायपालिका की साख लंबित मुकदमे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की वरिष्ठता इत्यादि को लेकर दिनों तक स्थितियां बद से बदतर होती जा रही हैं। जजों की नीतियों को लेकर सरकार भी अपने हट में आ गई है। जिसके कारण स्थितियां और भी उलझ गई हैं।

60 मुस्लिम सीटों पर भाजपा का फोकस

- मुस्लिम वोट बांटने और मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देने पर मंथन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव के पूर्वमुस्लिम मतदाताओं को लेकर मंथन कर रही है।भारतीय जनता पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा ने 60 लोकसभा सीटों को चिन्हित किया है। जहां पर अल्पसंख्यकों की आबादी 30 फीसदी से ज्यादा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समापन बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुस्लिमों ईसाइयों और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ बेहतर समन्वय बनाने पर बल दिया था।उसके बाद से 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी अपनी रणनीति में बदलाव ला सकती है। कुछ ऐसे मुसलमानजो भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से जुड़े हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उनको टिकट दे सकती है। वहीं कुछ सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के वोटों में बंटवारे कराने के लिए किन राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को चुनाव में खड़ा किया जाना है। इसके बारे में भी प्रत्येक लोकसभा सीट के आधार परविचार होना शुरू हो गया है।2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी किसी किस्म का कोई रिस्क लेने तैयार नहीं है। मार्च और अप्रैल 2023 में स्कूटर यात्रा और स्नेह यात्रा का आयोजन भारतीय जनता पार्टी कर रही है।नई रणनीति में अल्पसंख्यकों को भाजपा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

पुनर्जन्म लेने के बाद नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बनी पनडुब्बी वागीर

- नौसेना की समुद्र में पानी के भीतर से युद्ध करने की क्षमता और बढ़ी

- इस प्रोजेक्ट की 4 पनडुब्बियां पहले ही शामिल हो चुकी हैं नौसेना में

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना की समुद्र में पानी के भीतर से युद्ध करने की क्षमता और बढ़ गई है। नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार की मौजूदगी में सोमवार को कलवरी श्रेणी की पांचवीं पनडुब्बी वागीर भारत की समुद्री सेना के युद्धक बेड़े में शामिल की गई। इस मौके पर नौसेनाध्यक्ष ने कहा कि पनडुब्बी की क्षमताओं और मारक क्षमता से न केवल नौसेना की युद्ध क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि हमारी प्रतिरोधक क्षमता में भी मजबूती आएगी। एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि पनडुब्बी वागीर की कमीशनिंग से भारतीय नौसेना की परिचालन शक्ति और मजबूत होगी, साथ ही किसी भी दुश्मन से निपटने के लिए ताकत मिलेगी। आज का दिन नौसेना के लिए 'लड़ाकू-तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य के बल' के रूप में भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि आज गहरे समुद्र का एक और प्रहरी नौसेना को मिल गया है। उन्होंने कहा कि नौसैनिक परंपरा है कि 'पुराने जहाज और पनडुब्बियां कभी मरती नहीं हैं।' उस भावना को ध्यान में रखते हुए यह पनडुब्बी पूर्ववर्ती वागीर का अवतार है, जिसने तीन दशकों तक प्रतिबद्ध प्रहरी के रूप में भारत और भारतीय नौसेना की सेवा की थी। नौसेनाध्यक्ष ने कहा कि वागीर का नाम 'सैंड शार्क' से लिया गया है, जो हिंद महासागर की एक घातक गहरे समुद्र की शिकारी है। अपने नए अवतार में भी अत्याधुनिक वागीर की क्षमताओं और मारक क्षमता से न केवल नौसेना की युद्ध क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि हमारी प्रतिरोधक क्षमता में भी मजबूती आएगी। वागीर 24 महीने की छोटी सी अवधि में नौसेना में शामिल होने वाली तीसरी पनडुब्बी है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है और यह भारत के जहाज निर्माण उद्योग के लिए हमारे शिपयार्डों की विशेषज्ञता और अनुभव का एक चमकदार प्रमाण भी है। इससे 2047 तक भारतीय नौसेना को पूरी तरह से 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिए हमारे राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिबद्धता भी झलकती है। पनडुब्बी वागीर का एक तरह से पुनर्जन्म हुआ है, क्योंकि इस नाम की पनडुब्बी का गौरवशाली अतीत रहा है। तत्कालीन वागीर को 01 नवंबर, 1973 को नौसेना में कमीशन किया गया था और लगभग तीन दशकों तक देश की सेवा करने के बाद 07 जनवरी, 2001 को वागीर पनडुब्बी सेवा से मुक्त कर दी गई थी। फ्रांस के सहयोग से मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित कलवरी श्रेणी की पांचवीं पनडुब्बी 12 नवंबर, 20 को लॉन्च की गई और यादों को जिन्दा रखने के लिए इसका नाम 'वागीर' रखा गया। अपने नए अवतार में आई 'वागीर' का निर्माण अब तक की सभी स्वदेशी पनडुब्बियों की तुलना में सबसे कम समय में किया गया है। नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक पनडुब्बी वागीर इसी साल 22 फरवरी को परीक्षण के लिए समुद्र में उतरी थी और निर्धारित समय से पहले हथियार और सेंसर सहित सभी प्रमुख परीक्षण पूरे किये हैं। कमीशनिंग से पहले पनडुब्बी व्यापक स्वीकृति जांच और कड़े समुद्री परीक्षणों की श्रृंखला से गुजरी है। प्रोजेक्ट-75 के तहत बनाई गई कलवरी श्रेणी की पांचवीं स्वदेशी पनडुब्बी 20 दिसंबर, 22 को नौसेना के हवाले की गई थी। प्रोजेक्ट-75 की पनडुब्बियां 50 दिन तक समुद्र में रहकर एक बार में 12 हजार किलोमीटर तक की यात्रा कर सकती हैं। इसमें 8 अफसर और 35 नौसैनिक काम करते हैं और ये समुद्र की गहराई में 350 मीटर तक गोता लगा सकती हैं। उन्होंने बताया कि यह पनडुब्बी समुद्र के अंदर 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। इनमें समुद्र के अंदर किसी पनडुब्बी या समुद्र की सतह पर किसी जहाज को तबाह करने के लिए टॉरपीडो होते हैं। इसके अलावा समुद्र में बारूदी सुरंगें भी बिछा सकती हैं। यह पनडुब्बी भारत के समुद्री हितों को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना की क्षमता को बढ़ावा देगी और सतह-रोधी युद्ध, पनडुब्बी-रोधी युद्ध, खुफिया जानकारी एकत्र करना, माइन बिछाने और निगरानी मिशन सहित विभिन्न मिशनों को पूरा करने में सक्षम है। वागीर को बेड़े में शामिल करना बिल्डर के रूप में नौसेना की स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। इन श्रेणी की छह पनडुब्बियों का निर्माण फ्रांस के सहयोग से भारत में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में किया जा रहा है। कलवरी श्रेणी की चार पनडुब्बियों को पहले ही भारतीय नौसेना में शामिल किया जा चुका है। पहली पनडुब्बी ह्यकलवरीह्न 21 सितम्बर, 2017 को नौसेना में शामिल हुई थी। दूसरी पनडुब्बी आईएनएस 'खंडेरी' 28 सितम्बर, 2019 को नौसेना में शामिल की गई थी। तीसरी पनडुब्बी आईएनएस करंज 10 मार्च, 21 को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से कमीशन की गई। प्रोजेक्ट-75 की चौथी पनडुब्बी 'वेला' पिछले साल 09 नवम्बर को मुंबई में भारतीय नौसेना को सौंपी गई थी, जिसे बेड़े में भी शामिल किया जा चुका है। अब पांचवीं स्वदेशी पनडुब्बी 'वागीर' नौसेना के बेड़े में शामिल कर ली गई। छठी पनडुब्बी भी एक उन्नत (एडवांस) चरण में है।

सड़क सुरक्षा माह में लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने बनायी मानव श्रृंखला

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद के निर्देश पर सुभाष चंद्र बोष जयंती के अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला बनाकर सड़क सुरक्षा माह का समर्थन किया। कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला बनाने के साथ हाथों में विभिन्न संदेशों वाली तख्तियां लेकर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय के अंदर व बाद में बाहर की ओर मानव श्रृंखला बनाने वाले कर्मचारियों, कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में शपथ लिया गया। शपथ ग्रहण करते हुए सीट बेल्ट बांधने, हेलमेट लगाने जैसी सावधानियों को निश्चित रुप से करने की बात दोहरायी गयी। विभागीय अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा माह को समर्थन करते हुए कहा कि विभागीय मंत्री के निर्देश पर जनवरी माह को सड़क सुरक्षा माह के रुप में मनाया जा रहा है। इसमें सड़क नियमों के पालन करने व कराने को आवश्यक बिन्दुओं को तख्तियों पर लिखकर मानव श्रृंखला बनायी। मानव श्रृंखला कार्यक्रम पर अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह में अपनी भूमिका निभाने के लिए अपने समस्त कर्मचारी, अधिकारी एक साथ आयें, इसके लिए मानव श्रृंखला कार्यक्रम किया गया है। सड़क सुरक्षा बेहद आवश्यक हैं। लोक निर्माण विभाग आवश्यक कदम उठा रहा है तो इसके साथ ही अपना दायित्व भी बनता हैं। वाहन नियंत्रित चलाने, यातायात नियमों के पालन करने, गाइडलाइन का पालन करने जैसे कार्यो को कर स्वयं के जीवन को बचाया जा सकता है।

जी-20 के मेहमानों को खिलाये जायेंगे मोटे अनाज के लजीज पकवान

- मोटे अनाज के प्रसंस्करण पर होगा योगी सरकार का जोर
- प्रसंस्करण इकाइयां लगाने वाले को 100 फीसद अनुदान

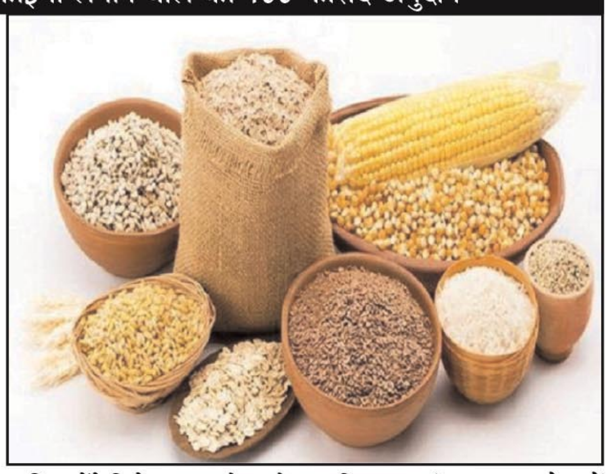

लखनऊ, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय मिलेट ईयर-2023 में मोटे अनाज बाजरा, ज्वार, सावां, कोदो, रागी आदि के प्रसंस्करण पर योगी सरकार जोर दे रही है। प्रसंस्करण इकाइयां लगाने वाले को सरकार 100 फीसद अनुदान देने की तैयारी में है। मोटा अनाज किसी न किसी रूप में हर आम एवं खास की थाली का हिस्सा बनें, यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है। इसके लिए मिलेट्स द्वारा तैयार किए जाने वाले प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ये उत्पाद नाश्ते, लंच, ब्रंच या डिनर के लिए स्पेसिफिक हंगर (किसी खास तरह के खाद्य पदार्थ की मांग) बनें। इसके लिए प्रसंस्कृत उत्पादों को स्थानीय लोगों की उम्र एवं स्वाद के पसंद के अनुरूप होना होगा। योगी सरकार का इन सभी पहलुओं पर फोकस है। मसलन, मिलेट्स की प्रोसेसिंग इकाइयां लगाने वालों को सरकार की तरफ से 100 फीसद अनुदान दिया जाएगा। इनके डिशेज होटल एवं रेस्तरां के मीनू में शामिल किए जाएंगे। इनसे कैसे स्वादिष्ट व्यंजन बनें, इसके लिए नामी शेफ्स समय-समय पर टिप्स देंगे। इस बाबत प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। अधिकतम जगहों पर मोटे अनाजों की बिक्री सुलभ हो, इसके लिए मंडियों में अलग से आउटलेट्स (जगह) होंगे। इनके कारोबार के लिए वहां अलग से दुकानों का भी आवंटन किया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग इसका ब्लॉकों से लेकर ग्राम पंचायतों एवं वहां के हॉट-बाजारों तक इसको विस्तार देगा।

बेसिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल होंगे मिलेट्स - बच्चे अपने इन परंपरागत अनाजों एवं इनकी खूबियों के बाबत जानें, इसके लिए मिलेट्स को प्राइमरी स्कूलों के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा। वास्तव में सरकार की मंशा अलग अलग प्रयासों से समग्र रूप में मिलेट्स की डिमांड बढ़ाने की है और बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए उत्पाद के रूप में गुणवत्तापूर्ण माल की भी जरूरत होगी। इसके लिए एफपीओ (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) के जरिए रकबा एवं उत्पादन बढ़ाने का भी काम होगा। साथ ही ये बीज का भी उत्पादन करेंगे। प्रगतिशील किसानों को प्रदर्शन के लिए बीज के निःशुल्क और खेती के इच्छुक किसानों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की संस्थाएं राष्ट्रीय बीज निगम, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम आदि के जरिए अनुदानित बीज दिया जाएगा। खेती के उन्नत तौर-तरीकों के माध्यम से बेहतर उत्पादन के लिए कृषि विश्वविद्यालयों से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र, उप्र राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान रहमानखेड़ा में किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। किसान भाई देख कर सीखें, इसके लिए समय समय पर फील्ड डे एवं एक्सपोजर विजिट के भी आयोजन होंगे। ये वे जगहें होंगी जहां मिलेट्स की खेती एवं मूल्य संवर्धन पर कार्य करने वाले प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थान होंगे।

जी-20 के मेहमानों की थाल की शोभा बढ़ाएंगे मिलेट्स के लजीज पकवान - उत्तर प्रदेश में फरवरी 2023 से लेकर अगस्त के अंत के दौरान जी-20 की करीब दर्जन भर बैठकें होनी है। इसमें से आधा दर्जन बैठकें महादेव की काशी, तीन ताजनगरी आगरा, बाकी लखनऊ एवं ग्रेटर नोएडा में होंगी। इनमें आने वाले मेहमानों को भी मिलेट्स के लजीज व्यंजन परोसे जाएंगे। यह एक तरह से इनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग भी होगी। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि इन अनाजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद भी हो।

सरस्वती पूजा भी 26 जनवरी को, तैयारियां जोरों पर

-प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार

रांची, (हि.स.)। 74वें गणतंत्र दिवस समारोह के दिन विद्यादायिनी मां सरस्वती की भी अराधना होगी। सरस्वती पूजा को लेकर अब चार दिन ही बचे हैं। 26 जनवरी के दिन देश सहित राज्यभर में सरस्वती पूजा मनायी जायेगी। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। रांची के सभी शैक्षणिक संस्थान रांची कॉलेज, रांची महिला कॉलेज, सभी पॉलिटेक्निक, टेक्निकल यूनिवर्सिटी और अन्य जगहों तथा गली-मुहल्लों में भी सरस्वती पूजा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कोरोना के बाद इस वर्ष सरस्वती पूजा को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है।

शहर में हिनू, डोरंडा, सेक्टर-2, थड़पखना और अन्य जगहों पर मूर्तिकार मां सरस्वती की प्रतिमा को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। शहर के विभिन्न गली-मुहल्लों में पूजा पंडाल आकार लेने लगे हैं। मूर्तिकारों के मुताबिक, इस साल बाजार अच्छा है, कोलकाता के काली घाट से लायी गयी मिट्टी से मूर्तियां बनायी गयी हैं। इस साल 25 दिसंबर के बाद से ही मूर्तियों की अग्रिम बुकिंग हुई है। तीन से 14 फीट तक की प्रतिमाओं की अधिक मांग है। रांची यूनिवर्सिटी के यूजी और पीजी हॉस्टल में होने वाली पूजा को लेकर 14 फीट से अधिक ऊंचाई वाली मूर्तियों की बुकिंग करायी गयी है। वहीं गली-मुहल्लों के लिए 10 से 12 फीट की मूर्तियों को बुक कराया गया है। इस बार रांची और आसपास के इलाकों से भी मूर्तियों की मांग बढ़ी है।

मुख्यमंत्री योगी से जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने की शिष्टाचार भेंट

-प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नई ऊंचाइयों को छू रहे भारत-जर्मनी संबंध : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को उनके सरकारी आवास पर भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर भारत और जर्मनी के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों की चर्चा करते हुए उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। उत्तर प्रदेश में जर्मन राजदूत का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 से अधिक वर्षों के व्यापारिक इतिहास के साथ भारत तथा जर्मनी आर्थिक सहयोग के समान अतीत से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दोनों देशों के बीच पारस्परिक संबंध नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश देश की कुल जीडीपी में आठ प्रतिशत की हिस्सेदारी करता है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के चौथे सबसे बड़े राज्य के रूप में तथा भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेशकों की आवश्यकताओं, अपेक्षाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था, पर्याप्त और निर्बाध बिजली, विशाल लैंड बैंक की उपलब्धता उद्योगों के लिए उत्साहजनक है। हमारी उद्योग अनुकूल नीतियों से प्रदेश का व्यवसायिक-औद्योगिक माहौल बदला है। सिंगल विंडो प्रणाली सहित उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार 25 सेक्टोरल पॉलिसीज तैयार की गई हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप औद्योगिक विकास के लिए उद्यमियों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए उत्तर प्रदेश में सभी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हैं। उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेस वे प्रदेश बन रहा है। बहुत जल्द यह 05 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य होगा। हल्दिया से वाराणसी तक पहला इनलैंड वाटर वे उत्तर प्रदेश में ही है। यहां पर डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तथा वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर उत्तर प्रदेश से गुजरते हैं। राज्य में दादरी तथा बोराकी में मल्टीमोडल लॉजिस्टिक, ट्रांसपोर्ट हब की स्थापना की जा रही है। जर्मनी की कंपनियों को यहां अनुकूल माहौल प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर में जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास ही हम भव्य फिल्म सिटी की स्थापना कर रहे हैं। यहीं मेडिकल डिवाइस पार्क और फिन-टेक सिटी का विकास हो रहा है। यहां निवेशकों के लिए असीम संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास सबसे बड़ा एमएसएमई बेस है। इस क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। जर्मनी की तकनीक और इनोवेटिव नीतियां इनके विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती हैं। हम इस दिशा में सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्थापित हो रहा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर जर्मनी के लिए निवेश के अवसरों से भरा हुआ है। हमारे पास विशाल भूमि है, पर्याप्त मानव संसाधन है। हम रक्षा उत्पादन की इच्छुक निवेशक कंपनियों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। जर्मनी के लिए यह अच्छा मंच है। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर में निवेश के लिए विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आगामी 10 से 12 फरवरी तक प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रही है। इस समिट के माध्यम से हम उत्तर प्रदेश में व्यापार के असीम अवसरों को प्रदर्शित करेंगे तथा भारत की प्रगति यात्रा में हमारे साथ सहयोग करने के लिए वैश्विक व्यापारिक समुदाय को एक उत्कृष्ट मंच उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फ्लैगशिप इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से हम निवेशक समुदाय के बीच उत्तर प्रदेश के निवेश आकर्षण और राज्य के समेकित विकास हेतु अवसरों को सृजित करने की आकांक्षा रखते हैं। वार्ता के दौरान राजदूत फिलिप ने कहा कि जर्मनी और भारत के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं। वैज्ञानिक और सामाजिक विनिमय, जलवायु, पर्यावरण, सतत विकास और ऊर्जा जैसे अनेक क्षेत्रों में हम साथ मिलकर काम कर रहे हैं। राजदूत फिलिप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। बीते छह वर्षों में उत्तर प्रदेश में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। बेहतर कानून-व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर डिवलेपमेंट के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। एयरपोर्ट, एक्सप्रेस-वे, वॉटर वे और मेट्रो सहित परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं। जर्मन राजदूत ने कहा कि वृहद पौधारोपण, सिंगल यूज पॉलीथिन पर रोक और नदी पुनर्जीवन जैसे प्रयासों के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण और इको सिस्टम को बेहतर करने में बड़ी भूमिका निभाई है। जर्मनी इन प्रयासों की सराहना करता है। उत्तर प्रदेश के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग बढाने पर चर्चा करते हुए राजदूत फिलिप ने कहा कि जर्मनी उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित मेट्रो लाइट परियोजनाओं में सहयोग करने को तैयार है। जर्मनी इस महत्वपूर्ण परिवहन परियोजना में अपना तकनीकी विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगा। उत्तर प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य की सराहना करते हुए जर्मन राजदूत ने कहा कि वर्तमान में आईआईटी कानपुर और एमएमएमयूटी गोरखपुर के साथ जर्मनी के संस्थान शोध, अनुसंधान और प्रशिक्षण में सहयोग कर रहे हैं। इंडो-जर्मन साइंटिस्ट काउंसिल, उत्तर प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के साथ कार्य करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। निकट भविष्य में इसके अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। राजदूत फिलिप ने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ हम कई क्षेत्रों में अच्छे सहयोगी की भूमिका में हैं। आगामी फरवरी में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जर्मनी के अनेक उद्योग समूह उत्तर प्रदेश आने को इच्छुक हैं। यह समिट दोनों देशों के पारस्परिक संबंधों को और मजबूत करने वाला होगा।

कानपुर समेत उप्र के कई जिलों में बादलों ने बढ़ाया तापमान, 28 तक बारिश के आसार

कानपुर, (हि.स.)। सर्दी के सीजन में पहली बारिश की वजह से मौसम में परिवर्तन दिखा। रविवार को हुई बारिश के बाद सोमवार सुबह से बादलों की आवाजाही बनी हुई है। सुबह शहर के कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 जनवरी तक हल्की बारिश के आसार है। कानपुर समेत पूरे प्रदेश में रविवार को हुई बारिश के बाद सर्दी का कहर फिर से बढ़ गया। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई। तीन मिमी. तक वर्षा रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग के अनुसार 28 तक हल्की बारिश का अनुमान है। सीएसए के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि 26 जनवरी तक इस तरह का मौसम बना रहेगा। वैसे 28 जनवरी तक बदली और मौसम का सिलसिला जारी रहेगा। 25-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं ने रविवार को गलन बढ़ा दी थी। तेज हवाएं आगे भी जारी रह सकती हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को अधिकतम तापमान 24 से 21 डिग्री सेल्सियस हो गया था। रात के तापमान में भी वृद्धि हुई। पारा 6.8 डिग्री से बढ़कर 07.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। बदली और बारिश के इस मौसम में रात के तापमान में तो वृद्धि हो सकती है, लेकिन दिन का पारा कम हो सकता है। तापमान के इस उतार-चढ़ाव का असर फसलों पर भी पड़ सकता है। दो पश्चिमी विक्षोभ की वजह से 23 जनवरी से पांच दिन तक कभी कम तो कभी ज्यादा बारिश का अनुमान अभी भी लगाया जा सकता है। मौसम विभाग कहना है कि गेहूं की फसल को इस बारिश से राहत मिलेगी। एक पानी और नहीं लगाना पड़ सकता है। लेकिन आलू और मटर को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। जिन स्थानों पर ओलावृष्टि अधिक हुई है वहां की अधिकतम फसलें प्रभावित हुई हैं।

मोतिहारी नगर निगम के वार्ड पार्षद अविनाश झा की सड़क दुर्घटना में मौत

मोतिहारी, (हि.स.)। नगर निगम के वार्ड 35 के नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद अविनाश कुमार झा उर्फ बिट्टू की यूपी के फाजिलगंज के समीप एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि साथ में मौजूद उनके दोस्त मोनू पांडेय की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना के बाद अविनाश के परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है। उनके घर शुभचिंतको का तांता लगा हुआ है। बताया जा रहा है,कि अविनाश अपनी कार से किसी काम से गोरखपुर जा रहे थे। इसी बीच फाजिलगंज के समीप उनकी कार ट्रक की चपेट में आ गया। जिसमे में घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। वही कार चला रहे उनके दोस्त मोनू पांडेय की हालत नाजुक बनी हुई है। उनके शव को लाने के लिए परिजन यूपी के लिए रवाना हो चुके है। अविनाश हाल में ही संपन्न हुए नगर निगम चुनाव में अपनी व्यवहार कुशलता से वार्ड पार्षद पद पर जीत हासिल किये थे।32 वर्षीय अविनाश की पिछले वर्ष ही 30 वर्षीय प्रीति से शादी हुई थी। उनके निधन पर मेयर, डिप्टी मेयर, वार्ड पार्षद समेत शहर के गणमान्य नागरिक व शुभचिंतको ने शोक व्यक्त किया है।

गन्ना के नये दाम और छुट्टा पशुओं का समाधान न होने से किसान परेशान : रालोद

लखनऊ, (हि.स.)। रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मंजीत सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभी तक गन्ना के नये मूल्य घोषित न करने और आवारा पशुओं से प्रदेश की जनता को मुक्त न कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसान समस्याओं, प्रदेश की कानून व्यवस्था के प्रति असंवेदनहीन हैं और कुंभकरण की नींद में सो रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय लोक दल पिछले 28 दिसम्बर से किसान संदेश अभियान चलाकर उन्हें जगाने का काम कर रहा है। प्रदेश का किसान और राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ता उन्हें किसान संदेश पत्र भेजकर लगातार गन्ना के नये मूल्य घोषित करने की मांग कर रहा है। कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मंजीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय लोक दल अब तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को डेढ़ लाख किसान संदेश पत्र भेजकर शीघ्र गन्ना के नये मूल्य घोषित करने, आवारा पशुओं से प्रदेश की जनता को मुक्त कराने की मांग कर रहा है, साथ ही जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर रहा है लेकिन बाबा योगी कुंभकर्ण की नींद में सो कर असंवेदनहीन बने हुए हैं। श्री सिंह ने कहा है कि बाबा को जगाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ता किसान संदेश अभियान को और तेज करेंगे। बताया कि आगामी 27 जनवरी को पुनः सोशल मीडिया पर (हैशटैग) अभियान चलाया जाएगा और 31 जनवरी को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन कर किसान संदेश पत्र और बड़ी संख्या में भेजे जाएंगे। कहा कि फिर भी यदि किसानों की मांगों का समाधान नहीं किया गया तो राष्ट्रीय लोक दल बड़ा आंदोलन करेगा। यह जानकारी सोमवार को राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश प्रवक्ता कप्तान सिंह चाहर ने दी है।

स्वामी रामदेव 28 को आएंगे मधुबन

रांची, (हि.स.)। योग गुरु स्वामी रामदेव 28 जनवरी को मधुबन पहुंचेंगे। उनके साथ भारत स्वाभिमान न्यास के राष्ट्रीय प्रभारी राकेश मित्तल भी होंगे। योग गुरु स्वामी रामदेव खास चार्टेड प्लेन से गिरिडीह हवाई अड्डा आएंगे और सड़क मार्ग से मधुबन जाएंगे। योग गुरु रामदेव 28 जनवरी को गिरिडीह के सम्मेद शिखर मधुबन के बीस पंथी कोठी में आयोजित आठ दिवसीय महापर्याण महापारना महोत्सव में हिस्सा लेंगे। गिरिडीह पतंजलि योग समिति और भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी नवीनकांत सिंह ने बताया कि स्वामी रामदेव जी 28 की शाम बीस पंथी कोठी में एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे। अन्न प्राशन करने वाले जैन मुनि प्रमाण सागर जी से मिलकर उनका आशीर्वाद भी लेंगे। रविवार की सुबह बीस पंथी कोठी मधुबन में ही अहले सुबह योग शिविर आयोजित करेंगे।

रांची के जेएससीए स्टेडियम में 27 जनवरी को होगा भारत-न्यूजीलैंड मैच, 24 से मिलेंगे ऑफलाइन टिकट

रांची, (हि.स.)। रांची के धुर्वा स्थित झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) इंटरनेशनल स्टेडियम में 27 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज का पहला मैच खेला जायेगा। जेएससीए सचिव देवाशीष चक्रवर्ती ने सोमवार को इस बाबत जानकारी दी। देवाशीष ने आगे बताया कि मैच के लिए 24 जनवरी से 26 जनवरी तक ऑफलाइन टिकट मिलेंगे। इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मैच के टिकट की बिक्री जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम स्थित पश्चिमी गेट के पास समर्पित बॉक्स ऑफिस से होगी। क्रिकेट प्रेमी सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक यहां से टिकट खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोपहर दो बजे से शाम साढ़े चार बजे तक पुनः टिकट की बिक्री होगी। प्रत्येक व्यक्ति अधिकतम दो टिकट खरीद सकता है। टिकट लेने के लिए आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। टिकट की न्यूनतम दर 1000 रुपये है, जबकि 10,000 रुपये इसकी अधिकतम दर रखी गई है। इसी संदर्भ में देवाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि विंग-ए और सी के लिए 1000 से 1300 रुपये का, विंग-बी के लिए 1400 से 1800 रुपये का और विंग-डी के लिए 1600 से 1700 रुपये के टिकट प्राप्त किये जा सकते हैं। वहीं अमिताभ चौधरी पवेलियन के अलग-अलग कैटेगरी में 2200 से 10 हजार रुपये के टिकट और एमएस धौनी पवेलियन के लिए 6000 रुपये के टिकट प्राप्त किये जा सकेंगे।

अनहद यात्रा : दिनकर की जन्मभूमि से बुद्ध की जन्मभूमि तक होगी अंतरराष्ट्रीय साइकिल यात्रा

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय का नाम सुनकर सिर्फ बिहार ही नहीं देश के विभिन्न हिस्से की लोगों को बरबस याद आ जाते हैं राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, नजर आता है बिहार की औद्योगिक, सांस्कृतिक और साहित्य की राजधानी की लेकिन प्राचीन काल से चर्चा में रह रहे बेगूसराय के युवा आज भी लगातार कोई ना कोई ऐसा काम करते रहते हैं जिसकी चर्चा देश-दुनिया में होती है। इसी कड़ी में अब बेगूसराय के 31 युवाओं का जत्था साहित्य की नगरी से शांति का संदेश लेकर भगवान बुद्ध की जन्मभूमि नेपाल के लुंबिनी जाएगा। आकाश गंगा रंग चौपाल एसोसिएशन बरौनी के बैनर तले साइकिल पर संडे की यह यात्रा 29 जनवरी को दिनकर की जन्मभूमि सिमरिया से निकलेगी और करीब पांच सौ किलोमीटर की यात्रा पूरी कर दो फरवरी को महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचेगी। वहां से यह पूरी टीम कुशीनगर भी जा सकती है, जिस पर विचार चल रहा है। 29 जनवरी को शुरू होने वाले इस अनहद यात्रा पार्ट-तीन की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस भारत-नेपाल मैत्री यात्रा की टीम में शामिल पत्रकार, खिलाड़ी, शिक्षिका, छात्र, समाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद प्रत्येक दिन साइकिल चलाकर रास्ते के विभिन्न गांवों में रुकते हुए स्वच्छता और पर्यावरण आदि को लेकर लोगों को जागरूक भी करेंगे। 29 जनवरी को दिनकर जी की जन्मभूमि को नमन कर सिमरिया से चले अनहद यात्री बीहट, तेघड़ा, बछवाड़ा, शेरपुर एवं मोहद्दीनगर होते हुए 80 किलोमीटर की यात्रा कर महनार में रात्रि विश्राम करेंगे। 30 जनवरी को महनार से निकलकर हाजीपुर बस स्टैंड, सोनपुर ब्रिज, बकरपुर हाट, कुशवाहा चौक (पटना- परसा- सिवान हाइवे), सिताबगंज, पारसा फौजी, सोहों (अमनौर-तरैया रोड) होते हुए 90 किलोमीटर साइकिल चलाकर तरैया

में रुकेंगे। 31 जनवरी को 81 किलोमीटर की यात्रा होगी और तरैया से चलकर बसाहा, सोनवर्षा, देवापुर, कोइनी, दानापुर होते हुए गोपालगंज के ससमुसा में ठहराव होगा। चौथे दिन एक फरवरी को ससमुसा से चलकर तमकुही राज, पडरौना, नेबुआ नौरंगिया होते हुए 91 किलोमीटर की यात्रा कर भुजौली बाजार में ठहराव होगा। दो फरवरी को भुजौली बाजार से खड्डा, निचलौल, ठूठीबाड़ी, नौतनवां, सोनौली होते हुए 86 किलोमीटर के अंतिम दिन की यात्रा पूरी कर सभी अनहद यात्री लुंबिनी पहुंच जाएंगे। यहां यह लोग रात्रि विश्राम के बाद भगवान बुद्ध से रूबरू होंगे, उनसे प्रार्थना करेंगे कि हम सब सामाजिक जागरूकता के लिए मिथिला के दक्षिणी द्वार से आपके पास पहुंचे हैं तो आप शांति का संदेश देने के साथ-साथ दुनिया को सामाजिक जागरूकता के लिए प्रेरित करते रहें। लुंबिनी के बाद यह सभी यात्री तीन से पांच फरवरी तक की यात्रा वहां से 201 किलोमीटर दूर कुशीनगर की भी कर सकते हैं, इस पर विचार चल रहा है। उल्लेखनीय है कि आकाश गंगा रंग चौपाल द्वारा विगत 29 वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। इसी कड़ी में उत्साही युवकों ने समाजिक जागरूकता के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण और संवर्द्धन के लिए 2014 में "साइकिल पे संडे" कार्यक्रम की शुरूआत की। तब से प्रत्येक रविवार को निकलने वाली साइकिल पे सन्डे टीम ने पौधारोपण और स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जाने के साथ लोगों को जागरूक किया। 12 जुलाई 2020 को तीन सौवें रविवार को बीहट के 65 सौ घरों में एक साथ पौधा वितरण कर पौधा लगवाया, जो कि अपने आप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। 2021 में आजादी के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में बीहट बरौनी के 75 स्वतंत्रता सेनानी परिवारों का सम्मान किया गया। 2021 में ही अनहद यात्रा की शुरूआत की गई और पहली बार दिनकर ग्राम सिमरिया से बापू धाम मोतिहारी तक की साइकिल यात्रा हुई। 2022 में 137 बीहट के सैन्य जवानों का सम्मान किया गया और अनहद यात्रा पार्ट-टू में दिनकर ग्राम सिमरिया से बुद्धग्राम बोधगया तक साइकिल यात्रा की गई थी। इसके बाद तो अनहद यात्रियों ने सच में अनहद कर दिया है और 29 जनवरी को 31 सदस्यों की टोली राष्ट्रकवि दिनकर ग्राम सिमरिया से करीब पांच सौ किलोमीटर दूर नेपाल में स्थित गौतमबुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी तक की भारत-नेपाल मैत्री यात्रा पर रवाना हो रहे हैं।

कुशवाहा जी किन बड़े नेताओं की बात कर रहे ये तो वहीं बता सकते है : मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। जदयू नेता उपेन्द्र कुशवाहा की ओर से रविवार को दिये गये बयान कि जदयू के मुझे से भी बड़े नेता भाजपा के संपर्क में हैं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह क्या बोलना चाहते थे, यह बात मुझसे ज्यादा वह ही बेहतर तरीके से बता सकते हैं। आखिर किन बड़े नेताओं की वह बात कर रहे हैं, यह उपेन्द्र कुशवाहा ही बेहतर तरीके से बता सकते हैं। मुख्यमंत्री आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। इससे पहले नीतीश कुमार ने दो दिन पहले उपेन्द्र कुशवाहा के जदयू छोड़ने की चर्चा को लेकर कहा था कि वह पहले भी भाजपा के साथ जा चुके हैं, फिर वापस लौटे। अब उपेन्द्र कुशवाहा क्या चाहते हैं, यह बात तो उपेंद्र कुशवाहा ही बेहतर बता सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार को उपेन्द्र नई दिल्ली से अपना हेल्थ चेकअप कराकर वापस पटना लौटे थे। इस दौरान उन्होंने पटना एयरपोर्ट पर भाजपा में जाने की संभावनाओं को लेकर हो रही चर्चा पर साफ कहा कि पार्टी के बड़े नेता भी भाजपा के संपर्क में हैं। इसके बाद से राजनीति उठा पठक को लेकर कई तरह के कयास लगाये जा रहे है। आखिर उपेंद्र कुशवाहा अपनी पार्टी में किन बड़े नेताओं की बात कर रहे हैं। जदयू नें उनसे बड़े नेता सिर्फ ललन सिंह और नीतीश कुमार ही हैं।

संपादकीय

भारत को जोड़ने वाली यात्राएं

राहुल गांधी की तथाकथित 'भारत जोड़ो यात्रा' जम्मू-कश्मीर पहुँच गई है। यात्रा के समापन अवसर पर कांग्रेस ने श्रीनगर में तिरंगा फहराने की घोषणा की है। यह अच्छी बात है कि कांग्रेस भी अब श्रीनगर में तिरंगा फहराएगी। एक वह भी समय था जब भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय विचार के लोग श्रीनगर के लालचौक पर तिरंगा फहराते थे, तब कांग्रेस की ओर से उसक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष विरोध किया जाता था। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने ऐसे ही एक प्रसंग का उल्लेख करके कांग्रेस को आईना दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा है कि "आज जम्मू कश्मीर में कोई भी, कहीं भी तिरंगा फहरा सकता है। अब कोई रोक नहीं है क्योंकि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त कर दिया है। 2011 में जब वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष थे, तब उन्होंने कोलकाता से कश्मीर तक तिरंगा यात्रा निकाली थी और यह केवल 11 वर्ष पुरानी बात है। तब केंद्र में कांग्रेस की ही गठबंधन सरकार थी और जम्मू कश्मीर में कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस की सरकार ने तिरंगा यात्रा का विरोध किया था। मुझे, लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रतिपक्ष के तत्कालीन नेताओं सुषमा स्वराज और अरुण जेटली को जेल में डाल दिया गया था"। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का यह कहना उचित ही है कि जब कश्मीर में अलगाववादी अनुच्छेद लागू था तब कांग्रेस वहाँ तिरंगा फहराने से लोगों को रोकती थी, वहीं अब जब कश्मीर के हालात बदल रहे हैं, तब वहाँ तिरंगा फहराकर कांग्रेस क्या संदेश देना चाहती है? यकीनन जब सही मायने में जम्मू-कश्मीर को देश के साथ एकाकार करने के प्रयास करने चाहिए थे, तब कांग्रेस वहाँ किसी प्रकार की यात्राएं नहीं निकाल रही थी, लेकिन अब जब भारत एकजुट है, तब कांग्रेस दावा कर रही है कि वह भारत को जोड़ने के लिए यात्रा निकाल रही है। बहरहाल, आज की स्थिति में कांग्रेस को उन परिस्थितियों एवं बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिनका सामना भाजपा को कांग्रेस के शासनकाल में करना पड़ता था। निश्चित ही राहुल गांधी सुरक्षित वातावरण में बिना किसी रोक-टोक के श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहरा सकेंगे। देर से ही सही उनके इस कदम का स्वागत है। जम्मू-कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के पहुँचने से उन सब यात्राओं को भी याद किया जा रहा है, जो जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में लाने के लिए हुई हैं। सही मायने में जम्मू-कश्मीर को भारत से जोड़ने या कहें कि भारत को जोड़ने में उन यात्राओं की बड़ी भूमिका रही है। स्वतंत्रता के बाद तत्कालीन नेतृत्व की भ्रमित नीतियों के कारण जम्मू-कश्मीर में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान की स्थिति बन गई थी और वहाँ जाने के लिए परमिट लगता था। कुलमिलाकर जम्मू-कश्मीर के साथ भारत के शेष प्रांतों से अलग व्यवहार किया जाता था, तब जनसंघ ने यात्रा निकाली थी। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी 'एक निशान, एक विधान और एक प्रधान' का नारा लेकर जम्मू-कश्मीर पहुँचे तब उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया और ऐसे वातावरण में रखा गया, जो उनके स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल था। वहीं रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। उनका यह बलिदान रंग लाया और आगे चलकर जम्मू-कश्मीर से यह अलगाववादी व्यवस्था समाप्त कर दी गई। इसी तरह एक दौर था जब कट्टरपंथियों और आतंकवादियों की धमकी के कारण श्रीनगर में तिरंगा नहीं फहराया जाता था, तब 1992 में वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'एकता यात्रा' लेकर गए। यह यात्रा वास्तव में एकात्म स्थापित करने वाली थी। इस यात्रा में जोशी जी के साथ वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी थे। आतंकियों की धमकी के बाद भी जोशीजी और मोदीजी ने लालचौक पर तिरंगा फहराया। उसके बाद से प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस पर कोई न कोई लालचौक पर तिरंगा फहरा देता है। भाजपा सरकार ने भारत जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए अलगावावादी अनुच्छेद-370 एवं 35ए निष्प्रभावी कर दी। जनता के बीच यह चर्चा छिड़ गई है कि आखिर भारत जोड़नेवाली वास्तविक यात्राएं कौन-सी हैं? बहरहाल, जब राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर पहुँच ही गए हैं और तिरंगा भी फहराएंगे, तब उन्हें यह भी बताना चाहिए कि भारत को कमजोर करनेवाला एवं विभाजनकारी अनुच्छेद-370 एवं 35ए पर उनके क्या विचार हैं? यदि वाकई वह भारत को जोड़ने निकले हैं, तब उन्हें बेबाकी से इस प्रश्न का उत्तर देना चाहिए।

> राहुल गांधी सुरक्षित वातावरण में बिना किसी रोक-टोक के श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहरा सकेंगे। देर से ही सही उनके इस कदम का स्वागत है। जम्मू-कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के पहुँचने से उन सब यात्राओं को भी याद किया जा रहा है, जो जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में लाने के लिए हुई हैं। सही मायने में जम्मू-कश्मीर को भारत से जोड़ने या कहें कि भारत को जोड़ने में उन यात्राओं की बड़ी भूमिका रही है। स्वतंत्रता के बाद तत्कालीन नेतृत्व की भ्रमित नीतियों के कारण जम्मू-कश्मीर में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान की स्थिति बन गई थी और वहाँ जाने के लिए परमिट लगता था। कुलमिलाकर जम्मू-कश्मीर के साथ भारत के शेष प्रांतों से अलग व्यवहार किया जाता था, तब जनसंघ ने यात्रा निकाली थी।

लोकतंत्र की ताकत यही है कि इसमें नेताओं से लेकर नागरिकों तक को विचार और अभिव्यक्ति की आजादी संविधान देता है

शासन-प्रशासन के बीच संघर्ष से आहत होता लोकतंत्र

ललित गर्ग

> सरकार के मनचाहे जायज एवं नाजायज निर्णयों पर अंकुश स्वस्थ एवं पाददर्शी शासन एवं प्रशासन की अपेक्षा है। नियंत्रण एवं अनुशासन की इन्हीं अपेक्षित स्थितियों को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार विवाद खड़े करती है। भाषा एवं व्यवहार की सीमा एवं संयम का उल्लंघन करती है। कुछ ऐसा ही आम आदमी सरकार के पहले कार्यकाल में भी हुआ था, तब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते रहे कि उपराज्यपाल उन्हें काम नहीं करने दे रहे। उन्हें अपना सचिव तक नियुक्त नहीं करने दे रहे। अब भी ऐसे ही आरोप लगाते हुए केजरीवाल कहते हैं उपराज्यपाल है कौन? उन्हें चुनी हुई सरकार के कामकाज में दखलंदाजी का अधिकार दिया कसिने? यह बात उन्होंने विधानसभा के विशेष सत्र में कही और बाहर मीडिया के सामने भी। हम चुनी हुई सरकार हैं।

दिल्ली सरकार एवं उपराज्यपाल के बीच संघर्ष, तकरार एवं विवाद की स्थितियां लम्बी खिंचती चली जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है, चिन्ताजनक है। एक बार फिर चुनी हुई सरकार और प्रशासक के अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है, सरकार स्वच्छन्दता, स्वतंत्रता एवं अधिकारों के मनचाहे उपयोग को चाहती है, लेकिन ऐसा होने से अधिकारों के दुरुपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं और ऐसा होते हुए देखा भी गया है। सरकार के मनचाहे जायज एवं नाजायज निर्णयों पर अंकुश स्वस्थ एवं पाददर्शी शासन एवं प्रशासन की अपेक्षा है। नियंत्रण एवं अनुशासन की इन्हीं अपेक्षित स्थितियों को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार विवाद खड़े करती है। भाषा एवं व्यवहार की सीमा एवं संयम का उल्लंघन करती है। कुछ ऐसा ही आम आदमी पार्टी सरकार के पहले कार्यकाल में भी हुआ था, तब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते रहे कि उपराज्यपाल उन्हें काम नहीं करने दे रहे। उन्हें अपना सचिव तक नियुक्त नहीं करने दे रहे। अब भी ऐसे ही आरोप लगाते हुए केजरीवाल कहते हैं उपराज्यपाल है कौन? उन्हें चुनी हुई सरकार के कामकाज में दखलंदाजी का अधिकार दिया किसने? यह बात उन्होंने विधानसभा के विशेष सत्र में कही और बाहर मीडिया के सामने भी। हम चुनी हुई सरकार हैं। क्या चुनी हुई सरकार का काम ऐसी निरंकुशता एवं स्वच्छंदता होती है? चुनी हुई सरकार बनाम केंद्र की तरफ से नियुक्त प्रशासक के अधिकारों की लड़ाई अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गई लगती है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्य, सिद्धांत और नियम-कायदे कहीं हाशिए पर चले गए हैं। इस लड़ाई में नुकसान दिल्ली के लोगों का हो रहा है। मुख्यमंत्री का आरोप है कि उपराज्यपाल कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं होने दे रहे, योजनाओं के लिए धन नहीं दे रहे। उनके आरोप और भी हैं। वे अपने आरोप लगाते हुए भाषा एवं व्यवहार की सारी मर्यादाएं लांघ जाते हैं। विचित्र एवं चिन्तनीय स्थिति तो यह है कि सरकारी कामकाज में उपराज्यपाल की ओर से कथित हस्तक्षेप के आरोप के साथ केजरीवाल न सिर्फ उनके कार्यालय तक निकाले गए जुलूस में खुद शामिल होते हैं, बल्कि ऐसी भाषा में बात कहते हैं जिसे मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने उपराज्यपाल पर 'सामंती मानसिकता से ग्रस्त' होने का आरोप तो लगाया, लेकिन खुद ही जिन शब्दों का प्रयोग किया, वह उनकी मंशा को कठघरे में खड़ा करता है। यह निश्चित है कि दिल्ली सरकार के किसी फैसले को उपराज्यपाल की सहमति से गुजरना एक निर्धारित प्रक्रिया है। अगर इसमें किसी तरह की अड़चन है तो इस पर विचार या इसका हल भी व्यवस्था के दायरे में ही करना होगा। यह सब निश्चित है, बावजूद इसके मुख्यमंत्री पद पर होते हुए भी केजरीवाल यदि उपराज्यपाल के लिए अभद्र एवं अशालीन भाषा का प्रयोग करते हैं तो इसे लोकतंत्र का हनन ही माना जायेगा। सामान्य जनजीवन में भी सभी लोगों से सभ्य, शालीन और शिष्ट व्यवहार और बोली की अपेक्षा होती है। इसी तरह सत्ता के ढांचे में पद की गरिमा के अनुकूल बर्ताव और बोली की मर्यादा से ही लोकतंत्र जीवंत रह सकेगा। जो व्यवस्था अनुशासन आधारित संहिता से नहीं बंधती, वह विघटन की सीढ़ियों से नीचे उतर जाती है। काम कम हो, माफ किया जा सकता है, पर आचारहीनता तो सोची समझी गलती है- उसे माफ नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र की ताकत यही है कि इसमें नेताओं से लेकर नागरिकों तक को विचार और अभिव्यक्ति की आजादी संविधान देता है। लेकिन यही संविधान अनुशासन, नियंत्रण, जवाबदेही भी तय करता है कि सीमा एवं मर्यादा में बात कहीं जाये। शासन एवं प्रशासन की ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिये हर स्तर पर नियंत्रण नहीं होकर सर्वोपरि नियंत्रण होना चाहिए। हर स्तर पर नियंत्रण रखने से, सारी शक्ति नियंत्रण को नियंत्रित करने में ही लग जाती है। नियंत्रण और अनुशासन में फर्क है। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि स्तर पर आदर्श स्थिति हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और वास्तविक रूप में रहेगा मात्र ऊपरी तौर पर नहीं। अधिकार किसी के काम नहीं हों। स्वतंत्रता किसी की प्रभावित नहीं हो। पर इनकी उपयोग में भी सीमा और संयम हो। कानूनी व्यवस्था में गलती करने पर दण्ड का प्रावधान है, लेकिन शासन एवं प्रशासन की व्यवस्था में कोई दण्ड का प्रावधान नहीं है। यही कारण है कि किसी एक व्यक्ति को संपूर्ण अधिकार देने में हिचकिचाहट रहती है। पंच-पंचायत का वक्त पुनः लौट नहीं सकता जब तक कि समाज में वैसे लोगों को पैदा करने का धरातल नहीं बने। वैसे फैसलों पर फूल चढ़ाने की मानसिकता नहीं बने। लेकिन दिल्ली सरकार ने अपने निर्णयों को लेकर अक्सर विवाद खड़े किये हैं, संदेह एवं शंकाएं पैदा की हैं। हर स्तर पर दायित्व के साथ आचार संहिता अवश्य हो। दायित्व बंधन अवश्य लायें। निरंकुशता नहीं। आलोचना भी हो। स्वस्थ आलोचना, पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों को जागरूक रखता है। पर जब आलोचक मौन हो जाते हैं और चापलूस मुखर हो जाते हैं, तब फलित समाज को भुगतना पड़ता है। सही है कि दिल्ली के मतदाताओं ने उन्हें चुन कर भेजा है। लेकिन तथ्य यह भी है कि जनता ने उनके पद के साथ संवैधानिक व्यवस्था के तहत कुछ जवाबदेही निभाने के लिए भी चुना है, जिसमें लोकतंत्र की गरिमा और मर्यादा कायम रखना सबसे ऊपर है। दिल्ली के शासन-प्रशासन और सरकार के ढांचे में उपराज्यपाल पद की एक भूमिका और उसके मुताबिक जिम्मेदारियां तय की गई हैं। उन्हें उनकी जिम्मेदारियां निभाने दो। चुनी हुई सरकार बनाम उपराज्यपाल के दो पाटों के बीच की दूरी को पाटने के लिए, बहुत आवश्यक है पुल बने ताकि राजनीतिक द्वंद्व एवं विवाद को मिटाया जा सके। अभी लगता नहीं कि दोनों के बीच की तकरार खत्म होने वाली है। दरअसल, उपराज्यपाल ने कार्यभार संभालने के साथ ही जिस तरह दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में हुई अनियमितता का मामला उजागर करते हुए कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के ठिकानों पर छापे डाले गए, उससे दिल्ली सरकार और आम आदमी पाट एकदम से आक्रोशित हो उठी।

बेजुबान पक्षियों को बचाने की मुहिम

> `ड़ों की अंधाधुंध कटाई का असर भी इन बेजुबान पक्षियों के जीवन पर पड़ा है। हालांकि वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कुछेक सकारी व गैर सकारी स्तर पर प्रयास भी कयि जा रहे हैं, लेकिन ये नाकाफी हैं। बिहार में विलुप्त होने वाले पक्षियों एवं जैव विविधता के संरक्षण के लिए सकारी मुहिम शुरू हुई है। सूबे के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एक बार फिर आगामी फरवरी से पक्षियों की गणना शुरू करने वाला है, जिकसा परिणाम मई तक आ जाने की संभावना है। गणना में करीब 100 वेटलैंड्स को शामिल कयिा जाएगा। इस काम के लिए विभाग बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के वैज्ञाकिनों का सहयोग ले रहा है। विभिागीय सूत्रों के मुताबिक गणना में विदेशी पक्षियों को भी शामिल कयिा जाना है, जिकसे बारे में जाकनारी एकत्रित कर उसे सुरक्षित रखा जाएगा। बिहार में पक्षियों की गणना की शुरुआत पिछले वर्ष से शुरू हुई थी। जिसमें सूबे के करीब 68 चौरों (वेटलैंड) को शामिल कयिा गया था। इसमें कुल 45,173 पक्षी चिन्हित किये गये थे, जिनमें 39,937 जलीय पक्षी पाये गये थे, जिकनी 80 प्रजातियां मिलीं थीं।

वन्य प्राणी, पशु-पक्षी, जीव-जंतु आदि हमारे सहचर हैं। पर्यावरण संतुलन एवं भोजन चक्र को बनाए रखने के लिए भी ये बेजुबान प्राणी हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। इस लिहाज से इनका संरक्षण करना बेहद जरूरी है। लेकिन चिंता की बात है कि मनुष्य की सुविधाभोगी जीवन शैली, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन एवं वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण हमारा पर्यावरण बीमार होता चला जा रहा है। पारिस्थितिकी-तंत्र में बेहिसाब बदलाव हुए हैं जिससे हमारी धरती गर्म हो रही है। इसका नतीजा यह हुआ कि बेजुबान प्राणियों की जिंदगी खतरे में आ गयी है। दुनिया के नक्शे पर जलवायु परिवर्तन का असर साफ़ तौर पर देखा जा रहा है। भारत भी इस वैश्विक समस्या से अछूता नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में पक्षियों के लिए संरक्षित विहारों में इसका प्रभाव साफ़ तौर पर देखने को मिल रहा है। बिहार के वेटलैंड्स भी कभी प्रवासी पक्षियों से गुलजार रहा करते थे, लेकिन पर्यावरण के बदलते मिजाज के कारण राज्य के प्रमुख पक्षी अभयारण्य में मेहमान पक्षियों का आगमन कम हो गया है। दरभंगा जिले का 'कुशेश्वरस्थान पक्षी अभ्यारण्य', बेगूसराय का 'कावरझील पक्षी अभ्यारण्य', वैशाली जिले के जन्दाहा स्थित 'बरैला झील' समेत सूबे के अन्य वेटलैंड्स में अब रंग-बिरंगे पक्षियों का कलरव कम सुनाई पड़ता है। प्रवासी ही नहीं, बल्कि स्थानीय पक्षी जैसे गिद्ध, गौरैया, कोयल, कौए, बगेरी, बटेर, तोता, कठफोड़वा समेत अन्य प्रजातियों के पक्षी भी विलुप्त हो रहे हैं। सवाल इन पक्षियों के आश्रय का भी है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई का असर भी इन बेजुबान पक्षियों के जीवन पर पड़ा है। हालांकि वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कुछेक सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर प्रयास भी किये जा रहे हैं, लेकिन ये नाकाफी हैं। बिहार में विलुप्त होने वाले पक्षियों एवं जैव विविधता के संरक्षण के लिए सरकारी मुहिम शुरू हुई है। सूबे के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एक बार फिर आगामी फरवरी से पक्षियों की गणना शुरू करने वाला है, जिसका परिणाम मई तक आ जाने की संभावना है। गणना में करीब 100 वेटलैंड्स को शामिल किया जाएगा। इस काम के लिए, विभाग बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के वैज्ञानिकों का सहयोग ले रहा है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक गणना में विदेशी पक्षियों को भी शामिल किया जाना है, जिसके बारे में जानकारी एकत्रित कर उसे सुरक्षित रखा जाएगा। बिहार में पक्षियों की गणना की शुरुआत पिछले वर्ष से शुरू हुई थी। जिसमें सूबे के करीब 68 चौरों (वेटलैंड) को शामिल किया गया था। इसमें कुल 45,173 पक्षी चिन्हित किये गये थे, जिनमें 39,937 जलीय पक्षी पाये गये थे, जिनकी 80 प्रजातियां मिलीं थीं। इस बार की गणना में सहरसा का बोरा चौर, पूर्वी चंपारण का सरोतर लेक, भागलपुर का जगतपुर लेक व गंगाप्रसाद लेक, औरंगाबाद का इंद्रपुरी बराज वाला हिस्सा, वैशाली जिले का बरैला झील, मुजफ्फरपुर का सिकंदरपुर, दरभंगा का कुशेश्वरस्थान पक्षी अभयारण्य, पश्चिम चंपारण के उदयपुर का सरैयामन व गौतम बुद्ध पक्षी अभयारण्य विहार, बेगुसराय का कांवर झील, राजगीर का पुष्करणी तालाब व ऑर्डिनेंस फैक्टरी, सुपौल के कोसी का दियारा इलाका, कटिहार का गोगाबिल लेक, जमुई का गढ़ी डैम व नागा-नकटी डैम और बांका का ओढ़नी डैम शामिल है। इस संबंध में वन एवं पर्यावरण विभाग के मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक प्रभात कुमार गुप्ता (आइएफएस) बताते हैं कि सरकार ने पिछले तीन सालों से पक्षी संरक्षण की दिशा में काफी काम किया है। वैश्विक स्तर पर होने वाले एशियन पक्षी गणना के तहत बिहार ने भी पक्षियों की गणना शुरू की है। इस दौरान कई दुर्लभ प्रजाति के पक्षी पाए गये हैं। राज्य में विलुप्त हो रहे पक्षियों के सवाल पर उन्होंने बताया कि क्लाइमेट चेंज की वजह से एवं मौसम के अनुकूल नहीं रहने के कारण पक्षी दूसरे वेटलैंड्स की ओर चले जाते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि पक्षियों की प्रजाति विलुप्त हो रही है। अब भी यहां के वेटलैंड्स में पक्षी आ रहे हैं। हालांकि दरभंगा के एक स्थानीय पत्रकार नवेंदु पाठक का कहना है कि करीब एक दशक पहले दरभंगा शहर के मशहूर तालाब जैसे- हराही और दिग्गी आदि तालाबों के आसपास पक्षियों के झुंड पक्षी देखे जाते थे। सुबह की नींद पक्षियों की चहचहाहट से ही खुलती थी, लेकिन साल दर साल यह गायब होते चले गये। यही स्थिति कुशेश्वरस्थान पक्षी अभ्यारण्य की भी है। यहां तो साइबेरिया, चाइना, ताइवान आदि देशों से प्रवासी पक्षी आते थे, लेकिन आज यह चौर भी वीरान है। कुछ विशेषज्ञ पक्षियों के विलुप्त होने के पीछे बदलते पर्यावरण के साथ साथ मोबाइल टावरों के जाल का बिछ जाना, बड़े-बड़े भवनों का बेतरतीब निर्माण होना और इन पक्षियों पर शिकारियों की कुदृष्टि का पड़ना भी प्रमुख कारण मानते हैं। पक्षी संरक्षण की दिशा में सरकारी प्रयासों के साथ साथ निजी तौर पर भी कुछ पक्षी प्रेमी सराहनीय काम कर रहे हैं। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के सुशील कुमार गौरैया को बचाने की मुहिम में जुटे हैं। इस मुहिम का नाम उन्होंने 'गौरैया संरक्षण अभियान' दिया है। सुशील ने अब तक करीब 9000 घोंसलों का वितरण कर आम लोगों को जागरूक कर गौरैया के संरक्षण का संदेश दिया है। यह वही सुशील कुमार हैं, जिन्होंने केबीसी का पांच करोड़ रुपए जीत कर इतिहास रच दिया था। 'चंपा से चंपारण' मुहिम के तहत चंपा का पौधा लगाने की मुहिम में मिली सफलता से उत्साहित सुशील पिछले चार सालों से गौरैया के संरक्षण की दिशा में प्रयासरत हैं। वे स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं को पक्षी के संरक्षण का संदेश देते हैं। सुशील के इस काम को अब बड़ी संख्या में समाज का सहयोग मिलने लगा है। उनकी मुहिम का नजीता है कि अब क्षेत्र में गौरैया समेत अन्य पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी है। राज्य का पर्यावरण विभाग भी लगातार उनके कामों को अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर कर रहा है। सुशील की तरह असम की वन्यजीव वैज्ञानिक डॉ। पूर्णिमा देवी बर्मन ने भी अपनी पूरी जिंदगी पक्षियों को बचाने के लिए समर्पित कर दिया है। लुप्तप्राय हरगीला के संरक्षण के लिए पूर्णिमा देवी ने करीबन दस हजार महिलाओं को एक साथ लाकर 'हरगिला सेना' बनायी है। जो उनका घोंसला बनाने एवं शिकार करने वाली जगहों की रक्षा करती है। जख्मी हरगीला का पुनर्वास करती है एवं नवजात चूजों के आगमन पर जश्न मनाने के लिए 'गोद भराई' की रस्म अदायगी भी करती है। पूर्णिमा के इन्हीं प्रयासों का ही नतीजा है कि आज कामरूप जिले के पचरिया, सिंगिमारी आदि के दर्जनों गांवों में उनके घोंसलों की संख्या 28 से बढ़कर 250 से ज्यादा हो गयी है।

देश दुनीया से

आम लोगों की बढ़े कमाई, तो आए तेजी

है दिल में जो हसरत कहूं तो किस से कहूं, सुने है कौन मुसीबत कहूं तो किस से कहूं...

भरी आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर का यह शेर मानो इस बार बजट के पहले का हाल बयान कर रहा है। पहली लाइन में वे हसरतें, जिनके पूरे होने की उम्मीद लोग वित्त मंत्री से कर रहे हैं, और दूसरी लाइन मानो वित्त मंत्री के मन की व्यथा। पिछला बजट कोरोना की छाया में आया था, और यह उम्मीद जताई गई थी कि 2023 के बजट पर यह छाया नहीं होगी। तब किसे खबर थी कि यूक्रेन पर रूस हमला कर देगा और पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था नए कुचक्र में फंस जाएगी। इससे इस बार भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का काम मुश्किल हो गया है। ब्रिटेन, जापान, यूरोप और अमेरिका में मंदी की आशंका दिनोंदिन हकीकत में बदल रही है, और अब सबसे बड़ा सवाल है कि मंदी के अंधड़ में भारत कैसे अपने पैर जमाए रह पाएगा? शायद यही वित्त मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी अगर एक साल बाद ही लोकसभा के चुनाव न होने वाले होते। 2024 के आम चुनाव के पहले एक बजट और आना है, मगर परंपरा के अनुसार वह लेखानुदान, यानी अंतरिम बजट होगा, इसीलिए अर्थव्यवस्था व चुनावी राजनीति, दोनों को साधने का काम वित्त मंत्री को 2023 के बजट में ही करना है। हालांकि, वित्त मंत्री ने कुछ समय पहले साफ कह दिया है कि पिछले बजटों के सिलसिले की अगली कड़ी ही होगा यह बजट, यानी अर्थनीति में निरंतरता दिखेगी। मगर दुनिया के स्तर पर नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं और उनका असर है कि भारत की पुरानी चुनौतियां भी बड़ी होती दिखाई दे रही हैं। पिछले बजट में वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया था कि निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ाने के लिए जरूरी है कि पहले सरकारी निवेश बढ़ाया जाए। सरकार जब पैसा लगाती है, तभी निजी क्षेत्र से भी निवेश की धारा बहनी शुरू होती है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर ही बजट में पूंजीगत खर्च में 35 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि की गई और इसे 5.54 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपये किया गया। जानकारों को उम्मीद है कि इस बार भी सरकार इसमें कम से कम 30 फीसदी का इजाफा करेगी, तभी जीडीपी की गाड़ी पटरी पर रखी जा सकेगी। जीडीपी का हमारी-आपकी जिंदगी से बहुत नजदीक का रिश्ता है। हम सभी की कमाई और खर्च भी जीडीपी का हिस्सा हैं। जीडीपी बढ़ने की रफ्तार के साथ ही देश में लोगों को रोजगार मिलने और कमाई बढ़ने की रफ्तार का हिसाब भी जोड़ा जा सकता है। और, इसके साथ ही यह हिसाब जोड़ना भी जरूरी है कि अगर दुनिया के बड़े हिस्से में मंदी का खतरा मंडरा रहा है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को उससे बचाए रखने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है? इसका जवाब बहुत सीधा है। एकदम वैसे ही, जैसे आप अपने घर का बजट बना रहे हों। कमाई बढ़ेगी, तो खर्च बढ़ेगा। ज्यादा लोगों को काम मिलेगा, तो घर की तरक्की होगी। काम मिलने के लिए जरूरी है, सारे सदस्य अच्छी तरह पढ़े-लिखें और सेहतमंद रहें। यह तो हो गई आपकी तैयारी, मगर घर से निकलने के बाद आपको काम तभी मिलेगा, जब उद्योग-धंधे या दूसरे कारोबार चल रहे हों और उन्हें लोगों की जरूरत हो। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन पहले कोविड की मार और उसके बाद दुनिया भर में आर्थिक संकट की छाया भारत पर भी पड़ती रही। 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' का कहना है कि देश में बेरोजगारी दर दिसंबर में 8.3 प्रतिशत हो गई, जो 16 महीने का सबसे खराब आंकड़ा था। हालांकि, पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 7.4 प्रतिशत पर पहुंचा, लेकिन यह अब भी गंभीर चिंता का कारण बना हुआ है। इसके साथ एक और परेशानी है। भारत से निर्यात कम हो रहा है और व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। आयात घटाना और निर्यात बढ़ाना फायदेमंद है, इस नीयत से सरकार 2014 से लगातार आयात शुल्क बढ़ाकर आयात कम करने की कोशिश कर रही है। आत्मनिर्भर भारत योजना ने उसे बाकायदा एक नीति का रूप दे दिया।

> ब्रिटेन, जापान, यूरोप और अमेरिका में मंदी की आशंका दिनोंदिन हकीकत में बदल रही है, और अब सबसे बड़ा सवाल है कि मंदी के अंधड़ में भारत कैसे अपने पैर जमाए रह पाएगा? शायद यही वित्त मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती अगर एक साल बाद ही लोकसभा के चुनाव न होने वाले होते। 2024 के आम चुनाव के पहले एक बजट और आना है, मगर परंपरा के अनुसार वह लेखानुदान, यानी अंतरिम बजट होगा, इसीलिए अर्थव्यवस्था व चुनावी राजनीति, दोनों को साधने का काम वित्त मंत्री को 2023 के बजट में ही करना है।

कुछ अलग

संतुष्टि बड़ी बात है

हम सभी ने बचपन में राजा मिडास की कहानी जरूर पढ़ी या सुनी है। जिसे बहुत धनवान बनने की चाहत थी, और सोने से बहुत ज्यादा प्रेम भी। उसने लालच में आकर भगवान का तप शुरू किया। भगवान ने तप से प्रसन्न होकर उससे वरदान माँगने को कहा। राजा ने वरदान माँगा कि वह जिस भी चीज को छुएगा वह सोने की हो जाएगी। राजा बहुत खुश हुआ, उसने तत्काल अपने महल से लेकर अपने नजदीक की सब वस्तुओं को छूकर सोने में बदल दिया। बगीचे में जाकर फूल, पत्ती, पेड़ पौधों सबको सोने में बदलने के बाद राजा को भूख लगी, जैसे ही शानदार पकवान उसकी थाली में आए, राजा ने खाने के लिए एक निवाला तोड़ा, पूरी थाली ही सोने में बदल गयी। परेशान राजा के पास उसकी बेटी आयी, राजा ने उसे गोद में उठाना चाहा परन्तु वह सोने की हो गई। अंत में राजा भूख से व्याकुल होकर मर गया। इस कहानी से संदेश तो मिलता ही है कि बहुत अधिक धन, पद, संपत्ति के बाद भी संतुष्टि का ग्राफ बहुत ऊपर नहीं जा पाता है, ऐसा क्यों? जब हम अपने आसपास नजर दौड़ाते हैं तो संपन्न लोग अधिक हताश, बैचेन, और दुनिया भर की बीमारियों के साथ जीते नजर आते हैं। हसरतों का पुलिंदा लिए, बहुत कुछ होते हुए भी और भी बहुत कुछ पा लेने की चाहत उन्हें बैचेन कर देती है इन्दौर के एक बड़े शराब ठेकेदार हैं, बहुत जमीनें, कॉम्प्लेक्स, धन-दौलत, समाज में रुतबा, और भी बहुत कुछ। परन्तु और अधिक के चक्कर में जेल से कुछ दिनों पहले ही जमानत से बाहर आए हैं। कई बार लगता है कि ऐसी समृद्धि भी किस काम की है। सुख की चाह बढ़ती रहती है, परन्तु दुख भी उसी के साथ दबे पाँव आता रहता है। विचित्र तो यह है कि अधिक सुख की तलाश ने भटकाने के साथ-साथ असंतोष और दुख को ही बढ़ावा दिया है। बड़े-बूढ़े कहा करते थे कि जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान। संतोष ही सबसे बड़ा धन है परन्तु आज परिभाषा बदल गयी है। लोग कहते हैं कि असंतोष के बिना विकास संभव ही नहीं है। संतुष्ट होना अकर्मण्यता व भाग्यवादी होने का लक्षण है। आज कहते हैं कि बड़ा बनना है तो बड़ा सपना देखो, उस बड़े सपनों को पूरा करने वाले भी सुखी न होकर बैचेन हैं। उनकी बैचेनी को देखकर यह बात जरूर समझ आती है कि संतुष्टि जरूरी है जीवन में। ऐसा नहीं है कि हम काम करना अथवा प्रयास बंद कर दें। मेहनत खूब करें। यदि बैंक की ईएमआई से लेकर और भी जिम्मेदारियाँ हैं तो उन्हें जरूर पूरा करें।

> बगीचे में जाकर फूल, पत्ती, पेड़ पौधों सबको सोने में बदलने के बाद राजा को भूख लगी, जैसे ही शानदार पकवान उसकी थाली में आए, राजा ने खाने के लिए एक निवाला तोड़ा, पूरी थाली ही सोने में बदल गयी। परेशान राजा के पास उसकी बेटी आयी, राजा ने उसे गोद में उठाना चाहा परन्तु वह सोने की हो गई। अंत में राजा भूख से व्याकुल होकर मर गया। इस कहानी से संदेश तो मिलता ही है कि बहुत अधिक धन, पद, संपत्ति के बाद भी संतुष्टि का ग्राफ बहुत ऊपर नहीं जा पाता है, ऐसा क्यों? जब हम अपने आसपास नज़र दौड़ाते हैं तो संपन्न लोग अधिक हताश, बैचेन, और दुनिया भर की बीमारियों के साथ जीते नज़र आते हैं।

नागरिक बोध

केंद्र और राज्य सरकार के बीच पिसता आम आदमी

संघवाद सरकार की एक प्रणाली है जिसमें शक्तियों को केंद्र और उसके घटक भागों जैसे राज्यों या प्रांतों के बीच विभाजित किया गया है। यह राजनीति के दो सेटों को समायोजित करने के लिए एक संस्थागत तंत्र है, कई बार यह विवाद की ओर ले जाता है जिसके कारण आम आदमी पीड़ित होता है। कल्याण नीतियों, योजनाओं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत की केंद्र सरकार की पहल को कुछ राज्यों द्वारा बाधित किया गया था, उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल ने योजना में शामिल होने से इंकार कर दिया, जिससे कई लाभार्थी सेवाओं से बाहर हो गए। एक दशक से देश की सियासत में एक तरह की राजनीति कुछ अलग ही तरीके से चल पड़ी है, जिसके चलते छोटे-छोटे मामलों पर बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। केंद्र से अलग पार्टी की सरकार वाले राज्यों के पास अक्सर इस बात का रोना रहता है कि फलाँ-फलाँ काम यहाँ अटका पड़ा है। क्योंकि केंद्र में अलग पार्टी की सरकार है। इसलिए काम की फाइल अटकना तो बहाना है, उसके पीछे की सियासत कुछ और ही है। नई शिक्षा नीति में केंद्र सरकार देशभर में शिक्षा के समान मानक चाहती है ताकि देश भर में शिक्षा की पहुँच और समानता सुनिश्चित की जा सके, कुछ राज्यों द्वारा इसका विरोध किया गया था, यह आम आदमी को समग्र शिक्षा के नुकसान को प्रभावित करता है। कृषि विपणन क्षेत्र में हालिया कृषि अधिनियम जो किसानों को अपनी उपज कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) के बाहर बेचने की अनुमति देते हैं और अंतर-राज्य व्यापार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं। मॉडल एपीएमसी अधिनियम को अपनाने के लिए, राज्य की अनिच्छा के साथ-साथ एकीकृत कृषि बाजार की कमी और ई-एनएएम प्लेटफॉर्म में शामिल होने के उत्साह की कमी ने 2022 तक किसान की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से केंद्र की क्षमताओं को सीमित कर दिया है। आधार आधारित योजनाएं देखे तो पश्चिम बंगाल सरकार का मामला 2017 में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत 'आधार अधिनियम' की वैधता को चुनौती देते हुए दायर किया गया था।

पवित्र कुरान जलाने से टूट सकता है, स्वीडन का नाटो सदस्य बनने का सपना

तुर्किए।

तुर्किए ने शनिवार को स्वीडन के रक्षा मंत्री का अंकारा का दौरा रद्द करने का ऐलान कर दिया। तुर्किए के इस ऐलान से स्वीडन का नाटो सदस्य बनने का सपना चकनाचूर हो सकता है। बता दें कि स्वीडन की राजधानी स्टाकहोम में तुर्किए के दूतावास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद तुर्किए की सरकार ने यह ऐलान किया है। स्वीडन के दक्षिणपंथी नेता रासमस पालूदान के नेतृत्व में हुए इन विरोध प्रदर्शन के दौरान पवित्र कुरान की एक प्रति जलाई गई। इस घटना ने तुर्किए को नाराज कर दिया है। स्वीडन लंबे समय से नाटो का सदस्य बनने की कोशिश कर रहा है लेकिन तुर्किए की आपत्ति की वजह से उसका यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। स्वीडन के रक्षा मंत्री का तुर्किए का दौरा इस लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा था क्योंकि इस दौरे में स्वीडन, तुर्किए की आपत्तियों को दूर करने के लिए बातचीत करता। हालांकि स्टाकहोम में हुए विरोध प्रदर्शनों ने बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्हें पटरी से उतार दिया। तुर्किए की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि रासमस पालूदान को बाकायदा दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी गई और पुलिस की मौजूदगी में ईशनिंदा की यह घटना हुई। घटना से तुर्किए और स्वीडन के बीच कूटनीतिक टकराव गहराता जा रहा है।

तुर्किए के राष्ट्रपति रैसेप तैयब एर्दोगन के प्रवक्ता इब्राहिम कालिन ने इसे घृणा अपराध बताया है। उन्होंने लिखा कि हमारी चेतावनियों के बावजूद इस तरह के कृत्यों की इजाजत देना घृणा अपराध और इस्लामोफोबिया को बढ़ावा देता है। हमारे पवित्र मूल्यों पर हमला आजादी नहीं बल्कि आधुनिक बर्बरता है। वहीं ईशनिंदा की इस घटना पर स्वीडन के विदेश मंत्री तोबियास बिल्लस्ट्रोम ने कहा कि वह मुस्लिमों के खिलाफ इस नफरत की निंदा करते हैं और स्वीडन की सरकार और वह खुद इसके समर्थक नहीं हैं, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि उनके देश में कुछ आजादी है। स्टाकहोम में हुई घटना की तुर्किए के साथ ही कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मिस्त्र आदि देशों ने भी निंदा की है।

बता दें कि नाटो सदस्य बनने के लिए सभी 30 नाटो सदस्यों की अनापत्ति जरूरी होती है। अमेरिका स्वीडन को नाटो का सदस्य बनाने के समर्थन में है लेकिन तुर्किए की आपत्ति स्वीडन की राह में रोड़ा बन रही है। तुर्किए का आरोप है कि स्वीडन कुर्दिस्तान वर्किंग पार्टी का समर्थन करता है, जो कई दशकों से तुर्किए की सरकार के खिलाफ हथियारबंद संघर्ष छेड़े हुए है। साथ ही तुर्किए ने इसके राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगन के आलोचकों को निर्वासित करने की मांग की है। हालांकि स्वीडन में कई लोगों का मानना है कि तुर्किए की मांगों को मानने से उनके देश में बोलने की आजादी के साथ ही उनकी संप्रभुता से भी समझौता होगा।

नॉर्थ एटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानी नाटो 1949 में बना एक सैन्य गठबंधन है, जिसके सदस्य देशों की संख्या वर्तमान में 30 है। इस संगठन के किसी एक सदस्य देश पर हमला पूरे संगठन के देशों पर हमला माना जाता है और इसके बाद सभी देश मिलकर उस देश पर हमला कर सकते हैं। इस संधि का मूल उद्देश्य रूस का यूरोप में विस्तार रोकना था। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे शक्तिशाली देश नाटो के सदस्य हैं।

न्यूज ब्रीफ

दो और भारतीय नागरिकों के शवों की पहचान हुई, सोमवार को परिजन को सौंपेंगे पार्थिव शरीर

काठमांडू। नेपाल विमान में हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में दो और भारतीयों की पहचान कर ली गई है। नेपाल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों को आश्वासन दिया कि सोमवार को चारों शव उन्हें सौंप दिए जाएंगे। नेपाली अधिकारियों ने 14 जनवरी को यति एयरलाइंस के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में मारे गए लोगों के शवों को परिवार के सदस्यों को सौंपना शुरू कर दिया है। विमान में 72 लोग सवार थे। पोखरा में एक नदी घाटी में दुर्घटनाग्रस्त होने के समय विमान में 53 नेपाली यात्री, पांच भारतीयों सहित 15 विदेशी नागरिक और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। उत्तर प्रदेश के बताए जा रहे सभी पांच भारतीयों की पहचान अभिषेक कुशवाहा (25), विशाल शर्मा (22), अनिल कुमार राजभर (27), सोनू जायसवाल (35) और संजय जायसवाल के रूप में हुई है। त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने उन्हें मिले सभी शवों का पोस्टमॉर्टम पूरा कर लिया है। चिकित्सकों ने 12 शवों को छोड़कर बाकी की शिनाख्त कर ली है। चिकित्सकों ने रविवार को दो और भारतीय नागरिकों के शवों की पहचान की। इससे पहले शनिवार को विशाल शर्मा के शव की शिनाख्त हुई थी। इससे पहले शुक्रवार को संजय जायसवाल का शव उनके परिवार को सौंप दिया गया, जो इसे भारत वापस ले गए। सिर्फ सोनू के शव की शिनाख्त होनी बाकी है। सोनू के बड़े भाई विजय जायसवाल और सोनू के पिता राजेंद्र प्रसाद जायसवाल रविवार को शव लेने के लिए अस्पताल में इंतजार करते रहे। अस्पताल में मौजूद अन्य लोगों में अनिल के पिता रामद्रस राजभर, अभिषेक के छोटे भाई अभिनेश कुशवाहा और विशाल के छोटे भाई विश्वजीत शर्मा शामिल थे। चार भारतीय नागरिकों के परिजन चार दिन से अपनों के शव लेने का इंतजार कर रहे हैं। सभी चार शव उनके परिजनों को सोमवार को सौंपे जाने की संभावना है। इस बीच नेपाल की सेना ने रविवार को कहा कि उसने शेष एक शव को खोजने के लिए सेती नदी की घाटी और आसपास के क्षेत्रों में अपना तलाशी अभियान जारी रखा है और सोमवार को इसे फिर से शुरू किया जाएगा।

पृथ्वी के दुर्लभ तत्वों पर चीन का प्रभुत्व बनता जा रहा खतरा, अमेरिका समेत कई देशों के लिए बड़ा झटका

हॉन्गकॉन्ग। पृथ्वी के दुर्लभ तत्वों के बाजार पर चीन के बढ़ते प्रभुत्व ने अमेरिका समेत कई बड़े देशों की टेंशन बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन का पृथ्वी के दुर्लभ तत्वों के बाजार पर इस तरह से हावी होने से एकाधिकार का खतरा बढ़ता जा रहा है। वास्तव में, चीन ने 2021 में 61 प्रतिशत वैश्विक दुर्लभ तत्वों का उत्पादन किया, जो कि 168,000 टन के बराबर था जो एक बड़ी बढ़त मानी जा रही है। इतना ही नहीं दुनिया के चुंबक उत्पादन का 85 प्रतिशत हिस्सा भी चीन से निकलता है। यह बढ़त चीन की मोनोपोली को और बल देने का काम करेगी। अमेरिका समेत कई विरोधी देश जो चीन के ऊपर से अपनी निर्भरता कम करने पर आमदा है उनके लिए इस तरह की रिपोर्ट एक तरह से बड़ा झटका है। अमेरिका हर हाल में आर्थिक मोर्चे पर चीन को झटका देना चाहता है लेकिन यह रिपोर्ट उसकी मंशा पर पानी फेरती नजर आ रही है। चीन के पास अनुमानित 44 मिलियन टन दुर्लभ पृथ्वी भंडार है। आकार में इसके आधे हिस्से के साथ वियतनाम, ब्राजील और भारत हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका के पास केवल 1.8 मिलियन टन है।

पाकिस्तान का पावर सिस्टम फेल, कराची-लाहौर समेत अधिकतर बड़े शहरों में बिजली गुल

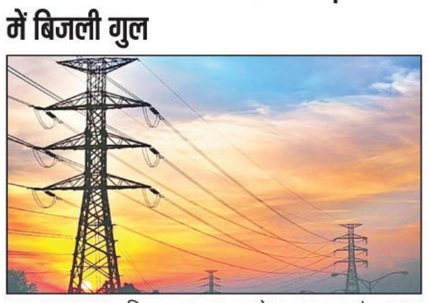

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पर एक के बाद एक संकट आ रहे हैं। पड़ोसी देश गंभीर आर्थिक संकट और महंगाई से उबर नहीं पा रहा है कि अब उस पर एक नई मुसीबत टूट पड़ी है। बता दें कि पाकिस्तान में पावर सिस्टम फेल हो गया है, जिसके चलते पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहौर और कराची जैसे बड़े शहरों में बिजली गुल हो गई है। पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा है कि सोमवार सुबह करीब साढ़े सात बजे पाकिस्तान के नेशनल ग्रिड की सिस्टम फ्रिक्वेंसी फेल हो गई।

पीएम मोदी पर बनी बीबीसी की डाक्यूमेंट्री पर विवाद तेज, ब्रिटेन में की गई स्वतंत्र जांच की मांग

लंदन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री का विवाद बढ़ता जा रहा है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा, ब्रिटेन में भी इस डॉक्यूमेंट्री का मुद्दा वहां की संसद में भी उठा। जिसके बाद पाकिस्तानी मूल के सांसद द्वारा यहां मुद्दा उठाए जाने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी प्रतिक्रिया दी थी। अब ब्रिटेन में एक ऑनलाइन मांग पत्र के जरिए इस सीरीज को लेकर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) द्वारा अपने कर्तव्यों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की गई है।

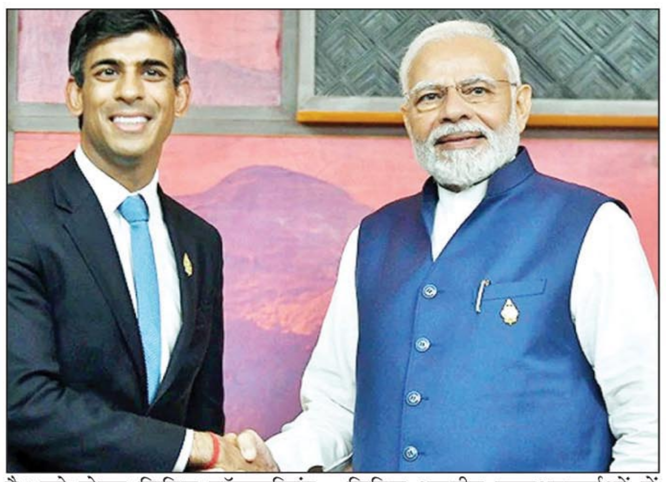

यह मांग वेबसाइट पर की जा रही है। इसमें कहा गया है कि बीबीसी संपादकीय निष्पक्षता के उच्चतम मानकों को पूरा करने में विफल रहा है। इसे लेकर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) की कड़ी निंदा भी की गई है। इसके अलावा बीबीसी में इस मामले में स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। रविवार की रात को इंटरनेट पर इसे प्रसारित करने के बाद से अब तक इस पर 2500 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर भी किए हैं।

इसमें कहा गया है कि इंडिया: द मोदी क्वेश्चन गलत प्रचार पत्रकारिता का उदाहरण है। ये सीरीज जानबूझकर अपने दर्शकों को गलत सूचना देती है। हम बीबीसी बोर्ड से एक सार्वजनिक सेवा प्रसारक के रूप में अपने कर्तव्यों के इस गंभीर उल्लंघन की एक स्वतंत्र जांच करने और निष्कर्षों को पूर्ण रूप से प्रकाशित करने का आह्वान करते हैं। मांग पत्र में दावा किया गया है कि यह सीरीज एजेंडा संचालित रिपोर्टिंग और संस्थागत पूर्वाग्रह का उदाहरण है। साथ ही अब विश्व स्तर पर यह बीबीसी की विशेषता बन गई है। ब्रिटिश भारतीय हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक लॉर्ड रामी रेंजर ने इस सीरीज को लेकर लिखा है कि बीबीसी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के दो बार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री के खिलाफ एक झूठी कहानी बना रहा है। इसके अलावा पीएम मोदी को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दोषमुक्त किया गया था।

डॉक्यूमेंट्री में क्या है, जिस पर विवाद हो रहा है

ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर बीबीसी ने दो पार्ट में एक नई सीरीज बनाई है। इसका पहला पार्ट मगंलवार को जारी किया गया है। इस सीरीज में पीएम मोदी के शुरुआती दौर के राजनीतिक सफर पर बातें की गईं हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ उनके जुड़ाव, भाजपा में बढ़ते कद और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति की चर्चा भी इसमें की गई है। मोदी के मुख्यमंत्री रहते गुजरात में हुए दंगों का भी इसमें जिक्र है। इस हिस्से में गुजरात दंगों में पीएम मोदी की कथित भूमिका की बात कही गई है। इसी को लेकर विवाद हो रहा है।

विवाद कहां से शुरू हुआ

17 जनवरी को इसे बीबीसी टू पर रिलीज किया गया था। सीरीज के आते ही विवाद शुरू हो गया। ब्रिटेन में सोशल मीडिया पर इसका विरोध शुरू हुआ। इसको लेकर लोगों ने आपत्ति जताई और कहा कि बीबीसी को 1943 के बंगाल अकाल पर भी सीरीज बनानी चाहिए। जिसमें 30 लाख से ज्यादा लोगों की भुखमरी और बीमारी के कारण मौत हो गई थी। एक ट्विटर यूजर ने लिखा कि बीबीसी को यूके: द चर्चिल क्वेश्चन शीर्षक से भी सीरीज बनानी चाहिए। विवाद बढ़ता देख एक दिन बाद ही बुधवार को बीबीसी ने सीरीज को यूट्यूब से हटा दिया।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने भी दर्ज कराई आपत्ति

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट नाम के संगठन ने भी गुरुवार को बीबीसी की कड़ी भर्त्सना की थी। फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि बीबीसी जानती है कि अगर उसे विश्व भर में चर्चा में आना है, तो उसे मोदी के ही नाम का सहारा लेना होगा। बाकी जो भी कुछ दुष्प्रचार करने की कोशिश वह कर रही है, वह उस बीबीसी की साम्राज्यवादी सोच का प्रतिबिंब है, जिसके खुद अपने देश से पैर उखड़ते जा रहे हैं।

इमरान खान का बड़ा हमला, बोले–

पनामा मामले में नवाज शरीफ को अयोग्य ठहराने के लिए बाजवा जिम्मेदार

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगातार नवाज शरीफ और उनकी पार्टी पर हमलावर हैं। वह उनपर तंज कसने का एक भी मौका नहीं छोड़ते। वहीं अब उन्होंने शनिवार को पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा को पनामा पेपर्स मामले में पीएमएल–एन सुप्रीमो नवाज शरीफ को अयोग्य ठहराने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

नवाज शरीफ बाजवा को माफ नहीं कर रहे

एक स्थानीय चैनल के साथ साक्षात्कार करते हुए पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने दावा किया कि जनरल बाजवा ने दो ब्रिगेडियर भेजे थे, जिन्होंने साबित किया कि नवाज शरीफ पनामा मामले में शामिल थे। इमरान खान ने कहा कि यह कारण है कि नवाज शरीफ बाजवा को माफ नहीं कर रहे हैं। इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख और सभी एजेंसियां मीडिया और उनकी सरकार के सदस्यों को बता रही हैं कि पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के नेता कितने भ्रष्ट हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन लोगों ने उन्हीं लोगों को हम पर थोपा है। रिपोर्ट के मुताबिक, नवाज शरीफ को देश छोड़ने की इजाजत क्यों दी गई, इस सवाल के जवाब में इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ की मेडिकल रिपोर्ट में हेरफेर की गई है।

जनरल कमर जावेद बाजवा के व्यवहार में आया बदलाव

उनके खिलाफ तोशखाना मामले पर बोलते हुए, पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने कहा कि सरकार और संचालकों ने बिना किसी कारण के मामले को बड़ा बना दिया। इमरान खान ने शनिवार को दावा किया कि 2019 में सेना प्रमुख के रूप में विस्तार दिए जाने के बाद जनरल कमर जावेद बाजवा के व्यवहार में बदलाव आया है। आगे कहा कि जनरल बाजवा एक्सटेंशन के बाद बदल गए और शरीफ के साथ समझौता किया। उन्होंने उस समय, उन्हें राष्ट्रीय सुलह अध्यादेश (एनआरओ) देने का फैसला किया था।

मिस्त्र के मकबरे में मिली बिना सिर वाले 10 मगरमच्छों की ममी, देवता को खुश करने के लिए दी जाती थी बलि

काहिरा।

मिस्त्र के खंडहर में पड़े एक मकबरे में बिना सिर वाले 10 प्राचीन मगरमच्छों की ममी मिली हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि नील नदी के पश्चिमी तट पर कुब्बत अल–हवा में खोजे गए शवों को देवताओं को खुश करने के लिए अनोखे तरीके से संरक्षित किया गया था। उनमें से कुछ के सिर मरने और सूख जाने के बाद काट दिए गए थे। प्राचीन मिस्त्र के लोग जानवरों का ममीकरण करते थे। हजारों वर्ष पहले मिस्त्र में लाशों को ममी बनाकर संरक्षित किया जाता था।

इस प्रक्रिया से शव लंबे समय तक बरकरार रहते थे। ये अध्ययन पीएलओएस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। रॉयल बेल्जियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल साइंसेज में रिसर्च के लेखक बीडे क्यूपेरे ने न्यूजवीक को बताया कि जानवरों की ममियों को पूजा करने वाले देवताओं के लिए प्रसाद के रूप में इस्तेमाल करते थे। उन्होंने कहा कि ममीकरण प्रक्रिया के लिए जानवरों को मारना समस्या नहीं थी क्योंकि यह मानव संसार को ईश्वरीय दुनिया के साथ जोड़ती थी।

मगरमच्छ जैसा था देवता का सिर

वैज्ञानिकों को पता चला है कि खासकर मगरमच्छों का प्राचीन मिस्त्र के देवता सोबेक से जुड़ाव और उन्हें प्रसन्न करने की तरीके के रूप

में बलिदान दिया गया था। सोबेक को अक्सर मगरमच्छ या मगरमच्छ के सिर वाले इंसान के रूप में चित्रित किया जाता है। हालांकि संरक्षित मगरमच्छ मिलना बेहद दुर्लभ है।

शरीर सूखने के बाद काट दिए सिर

ममीकरण की प्रकिया के दौरान कुछ मगरमच्छों को नुकसान हुआ, जबकि अन्य अच्छी तरह से संरक्षित हो गए। कुछ मामलों में मगरमच्छों के सूखने के बाद उनके सिर काट दिए गए थे। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह माना जाता है कि जानवरों को रेतीले वातावरण में दफनाया गया था जिससे उनका शरीर स्वाभाविक रूप से सूख गया। शवों को ताड़ के पत्तों और कपड़े की चटाई में लपेटा गया। इसके बाद मकबरे में लाकर उन्हें दफन कर दिया गया।

अमेरिकी प्रतिबंधों से बैकफुट पर बांग्लादेश, रूसी जहाजों से माल नहीं भेजने का किया आग्रह

ढाका।

बांग्लादेश ने रविवार को रूस से आग्रह किया कि अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित जहाजों के जरिये उसे माल नहीं भेजा जाए। इसके साथ ही विदेश मंत्री डॉ एके अब्दुल मोमन ने इस बात पर भी जोर दिया है कि ढाका नहीं चाहता कि वाशिंगटन के साथ उसके संबंध प्रभावित हों। विदेश मंत्री ने राजधानी में कहा कि हमने रूस से कहा है कि वे प्रतिबंधित जहाजों को छोड़कर अपने किसी भी जहाज के माध्यम से हमें कार्गो भेज सकते हैं।

दरअसल, पिछले महीने बांग्लादेश के रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए मॉस्को ने एक जहाज के जरिए उपकरण भेजे थे। जिसे बांग्लादेश ने अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण स्वीकार करने से मना कर दिया था। इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र को रूस की सहायता से ही बनाया जा रहा है। इस मामले के कई सप्ताह बाद बांग्लादेश की तरफ से यह टिप्पणी आई है। मोमन ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि रूस ने एक जहाज का नाम बदल दिया। हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। अब, हम उम्मीद करते हैं कि रूस गैर–मंजूरी वाले जहाज नहीं भेजेगा। हम उन (रूसी) जहाजों को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं जिन पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए हैं और उन्हें खराब करना नहीं चाहते।

दरअसल, रूस के जहाज स्पार्टा कार्गो को उतारने के लिए 24 दिसंबर को बांग्लादेश के दक्षिण–पश्चिमी मोंगला बंदरगाह पर डॉक करने के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन ढाका ने इसके डॉकिंग से इनकार कर दिया था। इससे पहले, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया था ढाका में अमेरिकी दूतावास द्वारा बांग्लादेश के अधिकारियों को लिखे पत्र में जहाज को वास्तव में उर्सा मेजर बताया गया था। जो अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित जहाजों की सूची में है।

दरअसल, यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूस पर तमाम तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। 69 प्रतिबंधित रूसी जहाजों पर लगाए गए प्रतिबंध भी इसी कार्रवाई का हिस्सा हैं। अमेरिका के अनुसार, एक हमला कार्गो जहाज है। इसे उपकरण, कार्गो और सैनिकों को ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कैलिफोर्निया में एक समारोह में गोलीबारी, 10 लोगों की मौत की खबर, कई घायल

न्यूयॉर्क।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक समारोह में अंधाधुंध गोलीबारी की खबरें आ रही है। बताया जा रहा है कि चीनी नए साल के मद्देनजर आयोजित समारोह में हुई शूटिंग की इस घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। करीब 16 लोगों को गोली लगी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घटना कैलिफोर्निया के मॉन्टेरी पार्क में हुई। शनिवार रात की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, गोलीबारी स्थानीय समयानुसार रात 10 बजे के आसपास हुई। यहां मोंटेरी पार्क में एक चीनी चंद्र नववर्ष समारोह का आयोजन किया जा रहा था। इस दौरान एक शख्स ने

समारोह के दौरान अंधाधुंध फायरिंग कर दी। आशंका जताई जा रही है कि इस दौरान कई लोगों को गोलियां लगी हैं और कई की मौत भी हुई है।

पुलिस के मुताबिक, कैलिफोर्निया के एक डांस क्लब में गोलीबारी में बंदूकधारी फरार है। उसकी पहचान फिलहाल एशियाई व्यक्ति के रूप में हुई है। लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने बताया कि संदिग्ध पुरुष घटनास्थल से भाग निकला। उसके पास ऑटोमैटिक हथियार था। संदिग्ध एक एशियाई पुरुष प्रतीत होता है। हालांकि, यह अभी प्रारंभिक जानकारी है। जांच के बाद ही कुछ पुख्ता जानकारी साझा की जाएगी। इससे पहले दिन में हजारों की संख्या में लोग महोत्सव में शामिल हुए थे। मोंटेरे पार्क लॉस एंजिल्स काउंटी का एक शहर है, जो लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन से लगभग 7 मील (11 किमी) दूर है। अमेरिकी शहर फिलाडेल्फिया में सशस्त्र लूट के दौरान भारतीय मूल के 66 वर्षीय पेट्रोल पंप कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों की तलाश कर रही है। फिलाडेल्फिया पुलिस ने गुरुवार को एक निगरानी वीडियो जारी किया, जिसमें पेट्रोल पंप कर्मी पेट्रो सिबोराम की हत्या करना चाह रहे तीन संदिग्धों को दिखाया गया है। पुलिस को इनकी तलाश है।

जेफ जाइंट्स बन सकते हैं व्हाइट हाउस के अगले चीफ ऑफ स्टाफ, जल्द हो सकता है नाम का ऐलान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द ही जेफ जाइंट्स को व्हाइट हाउस का अगला चीफ ऑफ स्टाफ बना सकते हैं। जेफ जाइंट्स मौजूदा चीफ ऑफ स्टाफ रोन क्लेन की जगह लेंगे, जो जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। सूत्रों के हवाले से यह खबर आई है। बता दें कि जेफ जाइंट्स इससे पहले कोरोना महामारी के दौरान कॉर्डिनेटर की भूमिका निभा चुके हैं। उन्हीं के नेतृत्व में कोविड के खिलाफ बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन प्रोग्राम चलाया गया था। कोविड महामारी का सफलतापूर्वक कॉर्डिनेशन करने के बाद जेफ जाइंट्स ने बीते साल अप्रैल में व्हाइट हाउस छोड़ दिया था। हालांकि बीते दिनों अमेरिका में हुए मध्याविधि चुनाव के बाद रोन क्लेन की मदद के लिए उनकी व्हाइट हाउस में वापसी हुई थी। हाल के समय में रोन क्लेन ने जेफ जाइंट्स को कई जिम्मेदारियां दी थी, उसके बाद से ही जाइंट्स की चीफ ऑफ स्टाफ के पद का दावेदार बनने की चर्चाएं चल रहीं थी। जेफ जाइंट्स की व्हाइट हाउस में चीफ ऑफ स्टाफ पद पर नियुक्ति ऐसे वक्त हो रही है, जब जो बाइडेन सरकार ने सत्ता में दो साल पूरे कर लिए हैं। साथ ही जो बाइडेन के घर पर खूफिया दस्तावेज मिलने के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति विपक्ष के निशाने पर भी हैं। वॉशिंगटन डीसी के निवासी जेफ जाइंट्स ने ड्यूक यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई की है। जेन्ट्स के पास निजी सेक्टर में काम करने का लंबा अनुभव है।

विधानसभा में पेपर लीक पर हंगामा

राज्यपाल को अभिभाषण बीच में ही छोड़ना पड़ा

जयपुर (हिंस)। विधानसभा में बजट सत्र के पहले ही दिन सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। भाजपा और रालोपा के विधायकों ने सदन में सरकार पर जमकर निशाना साधा। हंगामे के चलते राज्यपाल को अभिभाषण बीच में छोड़ना पड़ा। दोबारा सदन की कार्रवाई शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा तो विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने आरएलपी के तीन विधायकों को एक दिन के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। हंगामे के चलते विधानसभा की कार्रवाई आधे घंटे के लिए स्थगित हुई। विधानसभा की कार्रवाई 11.55 बजे दोबारा शुरू हुई तो आरएलपी के विधायक नारायण बेनीवाल, पुखराज गर्ग और इंदिरा बावरी दोबारा वैल में आकर तख्ती दिखाते हुए पेपर लीक मामले की सीबीआई से जांच की मांग करने लगे। हंगामे के बीच अध्यक्ष जोशी ने कांग्रेस के नव निर्वाचित विधायक अनिल शर्मा को शपथ दिलाई। इस दौरान भी आरएलपी के विधायक अपनी मांग दोहराते रहे। अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के बार-बार चेतावनी के बाद भी तीनों विधायक नहीं माने तो अध्यक्ष ने इन्हें मार्शल के जरिए सदन से बाहर निकलवाया। मार्शल ने महिला विधायक का हाथ पकड़ लिया तो राजेन्द्र राठौड़ खड़े हो गए और हाथ छोड़ने को कहा। इस पर वहां महिला पुलिसकर्मी आई और विधायक को बाहर ले गई। जोशी ने तीनों विधायकों को एक दिन के लिए निष्कासित किया। इससे पहले सदन में राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया खड़े हो गए। कटारिया ने कहा कि राजस्थान में लगातार परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। आप पर संविधान की रक्षा का दायित्व है, ऐसे कैसे चलेगा। इसके बाद भाजपा विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। राज्यपाल ने 21 मिनट तक विपक्ष के हंगामे के बीच अभिभाषण पढ़ना शुरू किया, लेकिन हंगामे के कारण वे इसे पूरा नहीं पड़ पाए और इसे बीच में ही छोड़ दिया। राज्यपाल का अभिभाषण को पड़ा हुआ मान लिया गया। इसके बाद राज्यपाल विधानसभा से रवाना हो गए। विधानसभा में हुए हंगामे पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय

जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की उपलब्धियों को देखते हुए भाजपा की हवा निकल जाती है। राज्यपाल अपने अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियां बताते, जिसे सुनने का साहस भाजपा में नहीं है। उनमें इतनी हिम्मत ही नहीं कि वे यह सब बैठक सुन पाते इसलिए ये सब नाटक किया गया। पेपर लीक पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक की चिंता इनसे ज्यादा हमें है, क्योंकि अगर हम नौकरियां नहीं लगाते तो अलग बात थी। नौकरियां हम इतनी लगा रहे हैं जो हिंदुस्तान में किसी राज्य में नहीं लग रही हैं, ये जानते हैं कि नौकरियां इतनी लग रही हैं जिससे सरकार की उपलब्धियां सामने आएंगी। विधानसभा में रालोपा के प्रदेश अध्यक्ष व भोपालगढ़ विधायक पुखराज गर्ग, खींवसर विधायक नारायण बेनीवाल व मेड़ता विधायक इंदिरा देवी बावरी के निष्कासन पर रालोपा संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का बयान आया है। उन्होंने कहा कि तीनों विधायक लोकतांत्रिक रूप से प्रदर्शन कर राजस्थान के युवाओं की पीड़ा को आसन के समक्ष रख रहे थे मगर सत्ता के इशारे पर आसन ने रालोपा के विधायकों को मार्शल बुलाकर बाहर निकाला और एक दिन के लिए निष्कासित किया, यह लोकतंत्र की व्यवस्था का अपमान है। एक तरफ विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी लोकतंत्र की व्यवस्था को सशक्त करने की बात करते है दूसरी तरफ निष्पक्ष भूमिका निभाने के स्थान पर राज्य सरकार के इशारे से युवाओं की आवाज उठाने वाले आरएलपी विधायकों को सदन से निष्कासित करते है। आज भाजपा का दोहरा चरित्र पुन: सदन में सामने आया। जब मार्शल रालोपा के विधायकों को बाहर निकाल रहे थे तब भाजपा के विधायक मूकदर्शक बनकर बैठे रहे। जबकि पूर्व में कभी ऐसा कोई वाक्या सदन में होता था तो समूचा विपक्ष, विपक्ष के सभी विधायकों का संरक्षण करता आया है। चाहे वो किसी भी दल से हो। भाजपा पेपर लीक मामलों में सीबीआई जांच की मांग केवल औपचारिक रूप से कर रही है और अंदरखाने कांग्रेस के साथ है।

पंजाब में सात एडीजीपी की डीजीपी में प्रोन्नति

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 7 एडीजीपी रैंक के अफसरों को डीजीपी प्रमोट किया है। इनमें चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी वीडियो लीक केस सुपरविजन करने वाली आईपीएस गुरप्रीत कौर देयो का नाम भी शामिल है।अन्य अफसरों में वरिंदर कुमार, ईश्वर सिंह, जितेंदर कुमार जैन, सतीश कुमार अस्थाना, शशि प्रभा द्विवेदी और राजिंदर नामदेयो ढोके का शामिल है। सभी पुलिस अफसर साल 1993 बैच के हैं। राज्य सरकार बीते दिनों से लगातार पंजाब पुलिस विभाग के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव फैसले ले रही हैं। इससे पहले सरकार ने बीते दिनों कई आईपीएस अधिकारियों के विभिन्न जिलों में ट्रांसफर ऑर्डर जारी किए। वहीं अब पुलिस अधिकारियों को प्रमोट किया गया है। चंडीगढ़ पुलिस में पंजाब कैडर के आईपीएस को ही बतौर स्स्क्कयूटी नियुक्ति मिलती है, लेकिन पूर्व स्स्क्कयूटी, आईपीएस कुलदीप सिंह चहल को पेरेंट कैडर पंजाब वापस भेजे जाने के बाद से यह पोस्ट रिक्त पड़ी है। इस

छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी और महासचिव अरविंद जाजड़ा के समर्थकों में जमकर मारपीट

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विश्वविद्यालय के संगठक महारानी कॉलेज में सोमवार को छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन समारोह हुआ। इस दौरान यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी और छात्रसंघ महासचिव अरविंद जाजड़ा और उनके समर्थकों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट के समय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह के साथ ही विधायक रामलाल शर्मा, संघ के प्रांत प्रचारक शैलेंद्र कुमार भी मंच पर मौजूद थे। उनके सामने निर्मल चौधरी से मारपीट की गई। इससे मंच पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। छात्रों की भीड़ प्रिंसिपल के रूम में घुस कर हुडदंग मचाने लगी। जिसके बाद पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में लिया। गौरतलब है कि महारानी महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष मानसी वर्मा की ओर से छात्रसंघ उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस समारोह के दौरान नेताओं का भाषण समाप्त होने ही वाला था। इतने में मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी के बीच ही निर्मल अध्यक्ष निर्मल चौधरी समारोह में पहुंचे। तभी महासचिव अरविंद जाजड़ा की ओर से उनके साथ और उनके समर्थकों के साथ हाथापाई शुरू कर दी गई। कुछ ही देर में मामला बहुत ज्यादा बढ़ गया और मंच पर और दोनों पक्षों ने मंच पर तोड़फोड़ शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में निर्मल चौधरी समय से पहले मंच पर पहुंच गए थे। जिसके चलते लड़ाई शुरू हुई।

गन्ने के दाम बढ़ाए जाने को लेकर किसानों ने बनाई रणनीति

जींद (हिंस)। सरकार द्वारा गन्ने के दाम में वृद्धि न किए जाने के रोष स्वरूप किसानों ने आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली है। जिसके तहत 25 जनवरी को सभी किसान मिल से अपने ट्रैक्टरों के जरिये शहर के चारों तरफ चक्कर लगाते हुए सीएम के पुतले की अर्थी के साथ यात्रा निकालेंगे और वापस मिल पर आकर पुतला दहन किया जाएगा। 27 जनवरी को दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर जाम लगाया जाएगा और 29 जनवरी को गोहाना में गृह मंत्री अमित शाह की रैली का विरोध किया जाएगा। पूनम कंडेला ने कहा कि हरियाणा में गन्ने का रेट 365 रुपये प्रति क्विंटल है लेकिन दूसरे प्रदेशों में ज्यादा रेट से गन्ना मिलों में जा रहा है। उनकी मांग है कि गन्ने का रेट बढ़ाकर 450 रुपे प्रति क्विंटल किया जाए। इसे लेकर रविवार शाम को किसानों और सरकार के बीच मीटिंग

भी बेनतीजा रही है, इसलिए किसानों ने सोमवार को दोपहर बाद धरने पर बैठक की। पूनम कंडेला ने कहा कि सूखी लकड़ी भी सात रुपये किलो बिक रही है लेकिन किसानों का रस से भरा गन्ना साढ़े तीन रुपए किलो जा रहा है। खेती घाटे का सौदा बन चुकी हैए सरकार को चाहिए कि गन्ने का रेट 450 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए। धरने पर मौजूद पप्पू कंडेला, सुरेश, पूनम, अनीता सुदकैन, ओमप्रकाश सहित अन्य किसानों ने कहा कि कुरूक्षेत्र में गुरनाम चुढ़नी ने सभी गन्ना मिलों की कमेटी के साथ बैठक की है। इसमें एक टीम जींद शुगर मिल से भी गई थी। जिसमें निर्णय लिया गया है कि 25 जनवरी को शुगर मिल धरना पर सभी एकत्रित होकर मोटरसाइकिल व ट्रैक्टरों के साथ शहर में प्रदर्शन करके वापस धरना स्थल पर पहुंचेंगे। 26 जनवरी को धरना स्थल पर ही छोटू राम जयंती मनाई जाएगी साथ ही मुख्यमंत्री के पुतले का दहन किया जाएगा। 27 जनवरी को जींद नरवाना रोड पर जाम लगाया जाएगा। 29 जनवरी को गोहाना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली में पहुंचेंगे और अर्धनग्न होकर विरोध करेंगे।

नेताजी की जयंती पर नवीन जयहिंद ने किया जयहिंद सेना का गठन

रोहतक (हिंस)। नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर जयहिंद सेना का गठन किया गया। नवीन जयहिंद ने कहा कि जयहिंद सेना एक गैर राजनीतिक दल है, जिसका मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं को उठा कर युवाओं को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सेना से सहायता लेने के लिए हेल्पलाइन नबर भी जारी किया गया है, जिस पर सरकार से परेशान व्यक्ति अपनी समस्या बता सकता हैं। उन्होंने कहा कि जयहिंद सेना 29 जनवरी को गोहाना में आ रहे देश के गृहमंत्री अमित शाह के पास जनता की समस्याओं को लेकर भी जाएगी। साथ ही सेना का निशान काले झंडे के ऊपर शेर का चिन्ह व नारा इंकलाब जिंदाबाद होगा। सेना के तीन सौ इंकलाबी कमांडर भी तैयार किए जाएंगे, जो हर समय जनता की समस्याओं को उठाने के लिए हमेशा तैयार रहेगे। साथ ही सेना की अलग से ब्रिगेड भी तैयार की जाएगी जिसमें वकील, डॉक्टर और छात्र एव किसानों की ओर अन्य वर्गों की अलग अलग ब्रिगेड तैयार की जाएगी जो अपनी समस्या सरकार के सामने खुलकर उठा सके। उन्होंने कहा कि 29 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष कई प्रमुख मांग रखी जाएगी, जिसमें महिला कोच को छेड़ने वाले मंत्री को हटाना, किसानों के लिए गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी, बेरोजगारो के लिए सीईटी क्ववालीफाई, हचटेट की वैधता आजीवन करने, गरीबो के लिए इबीपीजी कोटा बहाल करने, सरकारी विभाग में खाली पड़े सभी पदों को भरने, पुरानी पैंशन नीति बहाल करने, ई-टेंडरिंग प्रणाली को रद्द करने, फैमिली आईडी के नाम पर बुजर्गो को परेशान ना करके जिन बुजर्गो की पेंशन कटी हुई हैं उनकी बुढ़ापा पेंशन बनाना शामिल है।

सरपंचों ने पंचायत मंत्री व मुख्यमंत्री का पुतला फूंका, जताया रोष

भट्टूकलां। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में सरपंचों का धरना लगातार जारी है। सोमवार को सीएम व पंचायत मंत्री का पुतला दहन कर रोष जताया। सरपंचों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों का समाधान नहीं होता तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। सरपंचों ने ई-टेंडरिंग व राइट टू रिकॉल का विरोध करते हुए धरने पर बैठे है। धरने को मजदूर संगठन ने समर्थन दिया। मजदूर संगठन के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम ढिंगसरा ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार गांव के चुने हुए नुमाईंदों को बेईमान समझ रही है। सरकार गांव के विकास कार्यों में रोड़ा बनी हुई है। पिछले दो वर्षों से रुके कार्य को शुरू करने की अब आश बनी थी। इसी बीच सरकार ने ई-टेंडरिंग का अडंगा लगाकर विकास कार्य प्रभावित करने का काम किया है। इस अवसर पर प्रधान चंद्रमोहन पोटलिया, बलजीत झाझड़ियां, राजेश भिंचर, प्रहलाद सिंह, बलजीत बैनिवाल, बलवंत जाखड़, राकेश कुमार, आशू, सुभाष मुंड, राजेंद्र माचरा, जगदीश, मैनपाल सहित अनेक सदस्य मौजूद थे।

पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पंचकूला (हिंस)। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष सुधा भारद्वाज के नेतृत्व में पंचकूला से चंडीगढ़ मार्च किया। चंडीगढ़ पुलिस ने जब अपनी सीमा में प्रवेश करने से रोका तो पुलिस के साथ काफी धक्का-मुक्की भी हुई। इसके बाद महिला कांग्रेस की तरफ से राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन में नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी, पंचकूला की पूर्व मेयर उपिंदर कौर आहलूवालिया, मोनिका डूमरा, प्रदेश उपाध्यक्ष विमल सरेहा, ऊषा कुमारी, गीता भारती, सत्या शर्मा, निर्मल बलहारा, रीना मलिक, नीलम बाल्यान, नीलम देवी, दीप्ति शर्मा समेत कई महिला नेत्रियों ने भाग लिया। पंचकूला में प्रदेश भर से आई हुई महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुधा भारद्वाज ने कहा कि आज हरियाणा में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। क्योंकि हरियाणा में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। यह प्रदेश भगवान भरोसे चल रहा है। महिलाओं, बहन,बेटियों को आज किसी दुश्मन से नहीं बल्कि हरियाणा व केंद्र की भाजपा सरकार और इसके पाले हुए गुंडो

से हैं। जो सरकार में बैठकर ही हमारी बहन-बेटियों की इज्जत पर हाथ डाल रहे हैं। महिला कोच ने हिम्मत जुटाकर संदीप सिंह के खिलाफ आवाज उठाई लेकिन मनोहर सरकार ने अपनी पूरी ताकत संदीप सिंह को बचाने में लगा दी है। महिला कोच को उसके दफ्तर में प्रताड़ित किया जा रहा है। पूरी सरकार एक महिला को चरित्रहीन साबित करने में जुट गई है। यौन उत्पीड़न का आरोपी खुलेआम घूम रहा है।

विरेंद्र हत्याकांड में तीन को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिए

सोनीपत (हिंस)। गोहाना में घर में घुसकर तेज धार हथियारों से हमला कर विरेंद्र ही हत्या करने के मामले में सोमवार को शहर गोहाना की पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय मे पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आर्य नगर गोहाना, जिला सोनीपत निवासी राजकुमार ने 22 जनवरी को पुलिस को शिकायत दी थी कि चार पांच व्यक्तियों ने उसके घर मे घुसकर चाड़ू और छुरी से परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। जिसमे उसके ताऊ के लड़के विरेंद्र मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कार्रवाई करते हुए। थाना शहर गोहाना के प्रबंधक इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार ने अपनी पुलिस टीम के साथ आरोपियों की खोजबीन की और घटना में संलिप्त तीन आरोपियों आशीष उर्फ आशु उर्फ टिंकू, रोहित व प्रवीन उर्फ भंडारी तीनों गांव बुटाना जिला सोनीपत निवासियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत

सीकर (हिंस)। जिले के फतेहपुर में रविवार देररात ट्रक और कार की टक्कर में फतेहाबाद (हरियाणा) के पांच युवा दोस्तों की मौत हो गई। हादसा नेशनल हाइवे 58 पर हुआ। युवक कार पर थे। पुलिस का कहना है कि शवों को राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी भेजकर परिवारों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक यह लोग कार से सालासर बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे। रात 11 बजे फतेहपुर-सालासर सड़क पर कार की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे की सूचना राहगीरों ने दी। मृतकों की पहचान अजय कुमार पुत्र जयसिंह जाट, अमित पुत्र ईश्ववर सिंह, संदीप पुत्र शमशेर सिंह, मोहनलाल पुत्र राधेश्याम और प्रदीप पुत्र प्रताप सिंह के रूप में हुई है।

गौ-हत्या को लेकर हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन

कठुआ (हिंस)। जिला कठुआ की पहाड़ी तहसील बनी के दुग्गन बारी क्षेत्र में गौ माता की हत्या को लेकर जिलाभर में उग्र प्रदर्शन हुए। लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस तरह की कायराना हरकत की है उन लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें फांसी पर लटकाया जाए। जिला कठुआ की पहाड़ी तहसील बनी के दुग्गन बारी में सोमवार को उस वक्त क्षेत्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया जब स्थानीय लोगों को गौ माता की गर्दन को एक चौराहे में रखा देखा। इस तरह का दृश्य देखकर क्षेत्र के लोग भड़क गए और विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के साथ हजारों की संख्या में लोगों ने दुकाने बंद कर अपने घरों से बाहर आ गए और कातिलों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करने प्रदर्शन करने लगे। भाजपा से पूर्व विधायक जीवन लाल ने कहां कि इस तरह की साजिशों से यहाँ सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास किया

जा रहा जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गौ माता का सर उनके धड़ से अलग कर चौराहे पर रखा गया है इससे साफ जाहिर होता है कि लोगों की मंशा सौहार्द बिगाड़ने की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं इससे पहले भी कई बार हो चुकी हैं लेकिन हर बार ऐसे मामलों को दबाया गया है। लेकिन इस बार वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जो भी लोग गौ माता की हत्या में शामिल हैं उन्हें जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उन्हें फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग क्षेत्र में आपसी भाईचारा खराब करते हैं। इसी प्रकार जिला के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किए।

अब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के अंडर काम करेगा राई स्कूल

वीसी के पास होंगे प्रशासनिक अधिकार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने एक आदेश जारी करके मोतीलाल नेहरू स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स राई (सोनीपत) को अब इसी कैम्पस में बनाई गई स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के अंडर दे दिया है। अब यह स्कूल यूनिवर्सिटी कैम्पस स्कूल के रूप में चलेगा। सोमवार को जारी आदेश के अनुसार इसके प्रशासनिक अधिकार यूनिवर्सिटी के वीसी को दिए गए हैं। हाल ही में सरकार ने सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एसएस देशवाल को यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर नियुक्त किया है। अभी तक स्कूल के प्रशासनिक कार्यों के लिए राज्यपाल की अध्यक्षता में गवर्निंग बॉडी काम करती थी। हालांकि वाइस चालंसर राज्यपाल के ही अंडर आएंगे लेकिन स्कूल से जुड़े मामलों को अब वीसी के लेवल पर ही निपटाया जा सकेगा। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला खट्टर पार्ट-। में हुआ था। 2019 के विधानसभा चुनावों से पहले इसका ऐलान भी हो गया था और विधेयक भी विधानसभा में पास हो गया था। केंद्र द्वारा विधेयक में कुछ आपत्तियां लगाई गई। ऐसे में सरकार को यह विधेयक वापस लेकर नये सिरे से कानून बनाना पड़ा। इस दौरान खट्टर पार्ट-वन में ही सरकार ने क्रिकेटर कपिल देव को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का चांसलर नियुक्त कर दिया था, लेकिन उन्होंने ज्वाइन ही नहीं किया। अब नये सिरे से यूनिवर्सिटी का विधेयक पास होने और इसका नोटिफिकेशन जारी होने के बाद सरकार ने एसएस देशवाल को वीसी लगाया है।

ट्रॉली से टकराई पिकअप तीन सगे भाइयों की मौत

श्रीगंगानगर (हिंस)। जिले के घडसाना इलाके के धांदू चौराहे पर रविवार देर रात भीषण सड़क हादसे में एक साथ तीन भाईयों की जान चली गई। उनकी मौत इतनी खौफनाक थी कि मौके के हालात देखकर पुलिस वाले भी दहल उठे। खून से लथपथ शवों को जैसे तैसे मौके से हटाया गया और मुर्दाघर में रखवाया गया। हादसे में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ हैं उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि एक ट्रैक्टर में सरिए भरे हुए थे, वह घड़साना इलाके से होता हुआ बीकानेर की ओर जा रहा था। सामने से पिकअप आ रही थी। पिकअप में तीन भाई सवार थे। धांदू चौराहे के नजदीक आते ही पिकअप और ट्रैक्टर ट्रॉली में जोरदार भिडंत हो गई। हादसे में पिकअप सवार तीनों भाईयों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दो भाई तो पिकअप से नीचे गिरे और उसके बाद ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे दब गए। भारी वजन के कारण उनके शरीर बिखर गए। जब तक ट्रैक्टर ट्रॉली से सरिए नहीं उतारे गए तब तक ट्रॉली हिली तक नहीं।

इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन के बेटे सहित कई लोगों ने थामा *आप* का दामन

जालंधर। इस समय की बड़ी खबर जालंधर से आ रही है। बताया जा रहा है कि जालन्धर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन दलजीत सिंह आहलूवालिया के बेटे काकू आहलूवालिया के साथ-साथ अन्य दलों से जुड़ी कई लोगों ने *आप* का दामन थामा है। काकू आहलूवालिया सहित भाजपा के कौंसलर चट्ठा जोकि जेसी रिजोर्टस के मालिक हैं और बिल्ला जोकि कांग्रेसी नेता हैं, ने आम आदमी पार्टी ज्वाइन की है। काकू आहलूवालिया को पंजाब

सेक्रेटरी राजविंदर कौर की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी में शामिल करवाया है। वहीं पंजाब वक्फ बोर्ड के पूर्व सदस्य मोहम्मद कलीम आजाद को भी इस दौरान आम आदमी पार्टी में करवाया है।

अमेजन ने भारत में समर्पित एयर कार्गो नेटवर्क लॉन्च किया

हैदराबाद।
ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी अमेजन ने अपने परिवहन नेटवर्क को बढ़ाने और देश में ग्राहकों को तेजी से डिलीवरी सक्षम करने के लिए सोमवार को भारत में अमेजन एयर लॉन्च किया। अमेजन बोइंग 737-800 विमान की पूरी कार्गो क्षमता का उपयोग करेगा जो क्किकजेट कार्गो एयरलाइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा। तेलंगाना के उद्योग और वाणिज्य मंत्री के. टी. रामा राव क्किकजेट के नए अमेजन-ब्रांडेड विमान के इंडक्शन सेरिमनी में अमेजन के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ अखिल सक्सेना- उपाध्यक्ष, ग्राहक पूर्ति (एपीएसी, एमईएनए और एलएटीएएम) और डब्ल्यूडब्ल्यू ग्राहक सेवा और हैदराबाद में अमेजन ग्लोबल एयर की वाइस प्रेसिडेंट सारा रोड्स उपस्थित थे।

अमेजन भारत की पहली ई-कॉमर्स कंपनी है, जिसने एक समर्पित एयर कार्गो नेटवर्क प्रदान करने के लिए थर्ड पार्टी के एयर कैरियर के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने कहा कि यह भारत में अपने परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की लॉन्ग-टर्म कमिटमेंट की पुष्टि करता है। क्किकजेट हैदराबाद, बैंगलोर, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में अमेजन ग्राहक शिपमेंट को परिवहन के लिए विमान का उपयोग करेगा। भारत में अमेजन एयर का लॉन्च अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और तेजी से वितरण के लिए अपने परिवहन नेटवर्क को विकसित करने के लिए क्षमता निर्माण जारी रखने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। मंत्री रामा राव ने कहा कि समर्पित एयर कार्गो नेटवर्क लॉन्च करने वाली अमेजन भारत की पहली ई-कॉमर्स कंपनी है। इसने उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बाहर अमेजन एयर लॉन्च करने के लिए विजयी तेलंगाना को चुना। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद के साथ अमेजन की प्रेम कहानी बढ़ती रही। उन्होंने बताया कि हैदराबाद पहले से ही अमेजन के दुनिया के सबसे बड़े परिसर का घर है और एडब्ल्यूएस डेटा सेंटर ने पहले ही 2030 तक 4.4 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। एशिया में अमेजन का सबसे बड़ा पूर्ति केंद्र भी हैदराबाद में स्थित है। रामाराव ने कहा कि तेलंगाना मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और हैदराबाद ई-कॉमर्स वितरण और आपूर्ति श्रृंखला गतिविधियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, हम राज्य के एयर कार्गो इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं और हम अमेजन एयर के लॉन्च का स्वागत करते हैं जो हैदराबाद को देश के लिए एक कार्गो हब बनाने में मदद करेगा और राज्य में अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना और हैदराबाद निवेश आकर्षित करने के मामले में चमकते हुए प्रकाश स्तंभ बने हुए हैं। पिछले आठ वर्षों के दौरान राज्य ने 47 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है।

न्यूज ब्रीफ

तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के 47 मिनट बाद ही वापस उतरा विमान, 105 यात्री थे सवार

नई दिल्ली। त्रिवेंद्रम से 105 यात्रियों को लेकर मैस्कॉट जा रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान एफएमएस (फ्लाइट मैनेजमेंट सिस्टम) में तकनीकी खराबी के कारण वापस त्रिवेंद्रम हवाई अड्डे पर उतारा गया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता के अनुसार विमान ने त्रिवेंद्रम से सुबह 8.30 बजे उड़ान भरी थी और तकनीकी खराबी के कारण इसे 9.17 बजे वापस त्रिवेंद्रम हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। जानकारी के अनुसार तिरुवनंतपुरम से मस्कट (ओमान) जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान को अपने कंप्यूटर सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही वापस लैंडिंग करनी पड़ी। केरल की राजधानी से सुबह साढ़े आठ बजे उड़ान भरने वाला विमान आईएक्स 549 के एक पायलट ने तकनीकी खामी देखी जिसके बाद विमान नौ बजकर 17 मिनट पर त्रिवेंद्रम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान की लैंडिंग करा दी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा, सभी 105 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि एयरलाइन यात्रियों के लिए एक और उड़ान की व्यवस्था करने की कोशश कर रही है। इस विमान के दोपहर एक बजे यहां से उड़ान भरने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सभी यात्रियों का अच्छी तरह से ख्याल रखा जा रहा है।

अब स्पॉटिफाई में भी छंटनी की तैयारी!, खर्च में कमी के लिए कंपनी ले सकती है बड़ा फैसला

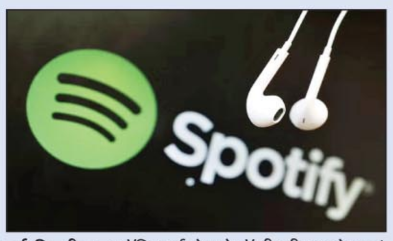

नई दिल्ली । स्पॉटिफाई टेक्नोलॉजी भी अपने यहां छंटनी की तैयारी कर कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लागत में कटौती के लिए इस सप्ताह की शुरुआत में कंपनी छंटनी की योजना बना रही है। अगर ऐसा होता है तो ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म स्पॉटिफाई भी अल्फाबेट, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों की लिस्ट में शामिल हो जाएगी जिन्होंने बीते दिनों अपने यहां हजारों की संख्या में छंटनी की घोषणा की है। सूत्रों के हवाले से ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कितनी नौकरियां खत्म की जा रही हैं, यह स्पष्ट नही किया गया है। स्पॉटिफाई ने टिप्पणी के लिए एक समाचार एजेंसी के अनुरोध का फिलहाल जवाब नहीं दिया है। टेक फर्मों में पिछले साल हजारों लोगों ने अपनी नौकरियां गंवा दी है। जानकार मानते हैं कि महामारी के दौरान मांग में तेजी से गिरावट आई। वर्तमान में आईटी फर्म हर हाल में अपनी लागत घटाना चाहते हैं। ऐसे में मांग में कमी और वर्ष 2023 में मंदी की आशंका के कारण कंपनियां छंटनी का फैसला ले रही हैं। पिछले कुछ हफ्तों में गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने कहा था कि वह 12,000 नौकरियों को खत्म कर देगी। जबकि माइक्रोसॉफ्ट ने भी 10,000 लोगों के छंटनी की घोषणा की है। अमेजन की छंटनी से भी 18,000 से अधिक लोगों के प्रभावित होने की आशंका है। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा और एलन मस्क के ट्विटर जैसी अन्य तकनीकी कंपनियों ने पिछले साल के अंत में हजारों लोगों को नौकरी से निकाल दिया था।

हीरो इलेक्ट्रिक ने बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए मैक्सवेल एनर्जी के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया निर्माता हीरो इलेक्ट्रिक ने सोमवार को एडवांस बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम्स (बीएमएस) के लिए मोटर वाहन निर्माता मैक्सवेल एनर्जी सिस्टम्स के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, मैक्सवेल अगले तीन वर्षों में अपने बीएमएस की दस लाख से अधिक इकाइयों की आपूर्ति करेगा।

हीरो इलेक्ट्रिक के सीईओ सोहिंदर गिल ने कहा, अवांट-गार्डे और एडवांस बैटरी पैक की पेशकश करने के लिए, हम मैक्सवेल के साथ उनके बीएमएस समाधान के लिए साझेदारी करके खुश हैं, जो हमें अपने ग्राहकों को सुरक्षित और परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड ईवी प्रदान करने में मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा, यह साझेदारी हमें लोकल सप्लाई चेन बनाने और मेक इन इंडिया मिशन का समर्थन करने में मदद करेगी, जिससे हमारी आयात निर्भरता कम हो जाएगी। मैक्सवेल के साथ, अब हमारे पास बैटरी डिजाइनों को भविष्य-प्रमाणित करने के लिए 2 ठोस विश्वसनीय साझेदार हैं।

फंडिंग बढ़ाने पर जोर, सात साल में 186 गुना बढ़े स्टार्टअप, दुनिया का हर 13वां यूनिकॉर्न भारत में

नई दिल्ली।
साल 2022 स्टार्टअप कंपनियों के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। फंडिंग के मोर्चे पर स्टार्टअप को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पीडब्ल्यूसी इंडिया के मुताबिक, पिछले साल स्टार्टअप कंपनियों में सिर्फ 35.6 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो 2021 के 53.7 अरब डॉलर के मुकाबले 35 फीसदी कम है। फंडिंग के मोर्चे पर भारतीय स्टार्टअप उतना प्रभावित नहीं हुआ, जितना अमेरिका और चीन में असर पड़ा है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम का आधार काफी मजबूत है।

जीएसटी क्रेडिट का इस्तेमाल - बजट में स्टार्टअप को सरकारी बैंकों में जमा अपने जीएसटी क्रेडिट का इस्तेमाल कोलेटरल के रूप में करने की इजाजत मिल सकती है। इससे फंडिंग की दिक्कतें दूर होंगी।

सीड फंडिंग पर प्रोत्साहन - सीड स्टेज फंडिंग पर एंजल निवेशकों का पूल बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन की घोषणा हो सकती है। इसके तहत सीड कैपिटल जारी होने के साल में 30 फीसदी तक छूट देने का प्रावधान किया जा सकता है।

तो यूनिकॉर्न के साथबढ़ेंगे रोजगार - इन संभावनाओं को देखते हुए सरकार भी आगामी बजट में कुछ ऐसे प्रावधान कर सकती है, जिससे स्टार्टअप कंपनियों को फंडिंग की चुनौतियों से उबरने में मदद मिलेगी। सरकार अगर राहत देती है तो न सिर्फ स्टार्टअप के विस्तार में मदद मिलेगी बल्कि यूनिकॉर्न की संख्या में भी इजाफा होगा। रोजगार भी बढ़ेंगे।

प्रतिस्पर्धा के लिए एफडीआई पर कर छूट - टार्टअप इकोसिस्टम के विस्तार के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर टैक्स प्रोत्साहन मिल सकता है। इस पर विचार चल भी रहा है। इससे घरेलू स्टार्टअप को वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

लागू हो सकता है सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम - स्टार्टअप में निवेश करने और उसमें से बाहर निकलने यानी एग्जिट प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। स्टार्टअप के लिए अलग से सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम लागू किया जा सकता है। इसके अलावा, ओएनडीसी मंच पर शुल्क और लॉजिस्टिक्स में छूट मिल सकती है।

उद्योग : लागत घटाकर निर्यात बढ़ाने पर जोर - वर्तमान में उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), मशीन लर्निंग जैसे नए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल बढ़े हैं। इससे इस सेगमेंट में कर प्रोत्साहन की उम्मीद है। सरकार लागत घटाकर निर्यात बढ़ाने और अन्य बाधाओं से निपटने के लिए नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी (एनएलपी) को लागू कर सकती है।इसके अलावा, जीएसटी के भुगतान में लगने वाले ब्याज दर को भी 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी किया जा सकता है।

निर्यातकों के लिए दोहरी कर कटौती योजना - भारत विनिर्माण में चीन की जगह लेता जा रहा है। मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी की मदद से भारत दुनिया का दूसरा सर्वाधिक स्मार्टफोन बनाने वाला देश बन चुका है। सस्ती दरों पर कर्ज देने, आयात शुल्क में बदलाव और फंड के निर्माण जैसे उपायों की घोषणा संभव है। रुपये में गिरावट के बीच प्रतिस्पर्धी निर्यात के लिएमदद की जरूरत है।

12.2 प्रतिशत कम होकर दिसंबर में 23.76 अरब डॉलर का हुआ निर्यात एमएसएमई को सस्ती दर पर कर्ज मुहैया कराने की उम्मीद सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र अर्थव्यवस्था के तेजी से विस्तार और गतिशील क्षेत्रों में एक है। क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सरकार बजट में ऐसी योजनाएं ला सकती है, जिससे क्षेत्र को सस्ती दरों पर कर्ज मिल सके। इस क्षेत्र को क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) पर ब्याज दर में कटौती की उम्मीद है।

6.3 करोड़ से ज्यादा कंपनियां देती हैं जीडीपी में 30प्रतिशत योगदान पिछले बजट में 21,422 करोड़ का आवंटन पीएलआई : घरेलू विनिर्माण बढ़ाने के लिए कुछ और क्षेत्रों को लाभ संभव घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने के लिए सरकार 2023-24 के बजट में खिलौनों, साइकिल, चमड़ा और जूता-चप्पल समेत अन्य क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई)योजना की घोषणा कर सकती है।आईटी हार्डवेयर को 17,000 करोड़ रुपये तक की प्रोत्साहन योजना का लाभ मिल सकता है।वहीं, फार्मा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 2,500 करोड़ की अतिरिक्त मदद की घोषणा संभव है। पिछले साल जिन क्षेत्रों के लिए यह योजना शुरू हुई थी, उनकी अवधि बढ़ सकती है।

अब तक 100 से ज्यादा एमएसएमई को मिल चुका है इसका लाभ - पीएलआई से जुड़ी 13 योजनाओं के तहत अब तक 650 से ज्यादा आवेदनों को मंजूरी दी जा चुकी है। यह योजना खासतौर पर उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने, सस्ते आयात में कमी लाने, आयात बिल को घटाने और घरेलू क्षमता में वृद्धि के लिए तैयार की गई है। - उद्योग मंत्रालय पीएलआई एक ऐसी योजना है, जिसका असर जमीनी स्तर पर दिख रहा है। ऐसे में बजट में इसके आवंटन में 20-30 फीसदी की वृद्धि संभव है। इस योजना का विस्तार करना एक ऐसा उपाय है, जिस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

ट्विटर ने 4 और देशों में कम्युनिटी नोट्स का विस्तार किया

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर ने यूके, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित चार और देशों में अपने क्राउड-सोर्स्ड फैक्ट-चेकिंग प्रोग्राम, कम्युनिटी नोट्स का विस्तार किया है। कंपनी ने कम्युनिटी नोट्स अकाउंट के माध्यम से ट्विटर पर जानकारी साझा करते हुए कहा, अब हम यूके, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से योगदानकर्ताओं को स्वीकार कर रहे हैं- कम्युनिटी नोट्स में आपका स्वागत है! हम नए योगदानकर्ताओं को बैचों में स्वीकार करते हैं, योगदानकर्ता आधार प्रति सप्ताह 10 प्रतिशत बढ़ रहा है। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने दूसरे देशों के लोगों को भी शामिल करने का वादा किया।

कंपनी ने ट्वीट किया, हम गुणवत्ता की निगरानी कर रहे हैं और समय के साथ नए देशों में विस्तार करना जारी रख रहे हैं।

कम्युनिटी नोट्स का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को लिंक और रिपोर्ट के माध्यम से ट्वीट्स में अधिक संदर्भ जोड़ने की अनुमति देना है। लोकप्रिय ट्वीट्स में किए गए दावों को खारिज करने या सही करने के लिए कार्यक्रम का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

ट्विटर ने पिछले साल अमेरिका में बर्डवॉच के तहत सोशल फैक्ट-चेकिंग प्रोग्राम पेश किया था, लेकिन एलन मस्क ने ट्विटर का प्रबंधन शुरू करने के बाद, उन्होंने बर्डवॉच का नाम बदलकर कम्युनिटी नोट्स कर दिया।

पिछले साल नवंबर में, ट्विटर ने एक एल्गोरिथम अपडेट शुरू किया जो अधिक लॉ-क्वोलिटी वाले सामुदायिक नोट्स की पहचान करता है, जिसके परिणामस्वरूप उन लोगों के लिए योगदानकर्ता की स्थिति को निलंबित कर दिया जाएगा, जो ट्वीट्स पर आगे स्पष्टीकरण और संदर्भ प्रदान करने के लिए अनुपयोगी एनोटेशन्स लिखते हैं।

कंपनी ने कहा कि उन उपयोगकर्ताओं को अपना कॉन्ट्रीब्यूटर का दर्जा वापस अर्जित करना होगा, क्योंकि मस्क कंपनी के भविष्य के रूप में समुदाय-आधारित मॉडरेशन को बढ़ावा देता है।

नए स्लैब की दरों में बदलाव संभव, बढ़ सकती है करमुक्त आय

नई दिल्ली।
नया टैक्स स्लैब दो साल बाद भी व्यक्तिगत करदाताओं को लुभाने में नाकाम रहा। 31 जुलाई, 2022 तक 5.83 करोड़ व्यक्तिगत करदाता आकलन वर्ष 2022-23 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल कर चुके हैं। इनमें नया टैक्स स्लैब चुनने वालों की संख्या नगण्य रही। नए स्लैब के प्रति आयकरदाताओं को आकर्षित करने के लिए सरकार बजट में कर दरों में बदलाव कर सकती है। नए स्लैब में 5 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स छूट मिल सकती है। अभी इस पर 5 फीसदी टैक्स लगता है। 30 फीसदी के अधिकतम स्लैब को घटाकर 25 फीसदी किया जा सकता है। होम लोन के ब्याज पर छूट दी जा सकती है। स्टैंडर्ड डिडक्शन को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। वर्तमान में टैक्स छूट की न्यूनतम सीमा 2.5 लाख रुपये है। 2014-15 के बाद इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। उस समय यह लिमिट दो लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये की गई थी। महंगाई और कोरोना महामारी के बाद बचत की बढ़ी जरूरत को देखते हुए सरकार बेसिक लिमिट को बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर सकती है। इससे खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आयकर कानून की धारा 80सी के तहत मिलने वाली छूट को लेकर वर्षों से कोई घोषणा नहीं हुई है। कर संग्रह के मोर्चे पर चालू वित्त वर्ष अच्छा रहने की वजह से सरकार 80सी के तहत छूट की सीमा को 1.50 लाख से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपये कर सकती है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया का कहना है कि 80सी का दायरा बढ़ाने से लोगों को बचत करने का मौका मिलेगा। स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा को भी 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये किया जा सकता है। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में योगदान की सालाना सीमा को मौजूदा 1.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये तक किया जा सकता है।

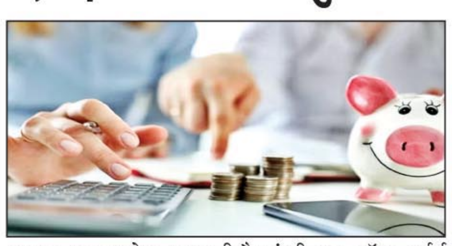

इसमें कई वर्षों से बदलाव नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फी, म्यूचुअल फंड की कई योजनाएं पहले से ही 80सी के दायरे में आती हैं। इसलिए, पीपीएफ में पर्याप्त योगदान की गुंजाइश नहीं बचती है। इसके लिए अलग से प्रावधान किया जा सकता है। कोरोना के बाद स्वास्थ्य बीमा की बढ़ी हुई लागत के साथ मध्य वर्ग पर वित्तीय बोझ बढ़ा है।

सोने पर सरकार ले सकती है बड़ा फैसला 'गोल्ड स्मगलर्स' पर शिकंजा कसने की हो रही तैयारी

नई दिल्ली ।
दुनिया में सोना का दूसरा सबसे बड़ा उपभोगकर्ता देश भारत इसके निर्यात पर बड़ा फैसला ले सकता है। दरअसल, सरकार और सर्राफा बाजार के सूत्रों के हवाले से मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार केंद्र सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाने पर विचार कर रही है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 56,840 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 56,880 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था। चांदी भी 85 रुपये गिरकर 68,980 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

माना जा रहा है कि सोने की स्मगलर करने वालों को झटका देने के लिए सरकार यह फैसला ले सकती है। दरअसल, सोने के आयात पर ज्यादा कर लगने से सोना स्मगल करने वालों के लिए यह मुनाफे का सौदा बना जा रहा है। सोना स्मगल करने वाले बैंकों और एक नंबर सोना कारोबार करने वालों का एक बड़ा हिस्सा उड़ा ले जाने में सफल हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें इसपर कोई कर नहीं चुकाना पड़ रहा। ऐसे में सूत्रों के अनुसार सरकार सोने के आयात पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी कम करने पर विचार कर रही है। भारत में पीक डिमांड सीजन से पहले सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी कम होने से देश में इसकी मांग में वृद्धि हो सकती है। ऐसा होने से पिछले कुछ दिनों में वैश्विक स्तर पर कमजोर हो रहे सोने की कीमतों को सहारा मिल सकता है। अगर सरकार सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाने का फैसला लेती है तो इससे घरेलू गोल्ड रिफाइनरियों की गतिविधि में भी इजाफा होगा।

पहले 'छंटनी की मार' अब देश छोड़ने की लटकी तलवार, जानें एच-1बी वीजाधारकों को क्या झेलना पड़ रहा

नई दिल्ली ।
गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों में छंटनी से प्रभावित लोग एक नई जद्दोजहद से जूझ रहे हैं। अपनी नौकरी गंवा चुके इन हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों को अब अमेरिका में रहने के लिए अपने कार्य वीजा के तहत नया रोजगार खोजने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पिछले साल नवंबर से लगभग 2,00,000 आईटी कर्मचारियों की नौकरी गई है। इनमें गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक और अमेज़ॅन जैसी कंपनियों से बड़ी संख्या में लोगों की छंटनी हुई है। उद्योग जगत के कुछ अंदरूनी सूत्रों के अनुसार इनमें से 30 से 40 प्रतिशत भारतीय आईटी पेशेवर हैं। इन लोगों में एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो एच1 बी और एल1 वीजा पर अमेरिका में रह रहे हैं। एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता वाले विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस पर निर्भर करती हैं। एल-1ए और एल-1बी वीजा अस्थायी इंट्राकंपनी ट्रांसफर्स के लिए उपलब्ध हैं। यह वीजा ऐसे लोगों को दिया जाता है जो प्रबंधकीय पदों पर काम करते हैं या जिनके पास विशेष ज्ञान है। बड़ी संख्या में भारतीय आईटी पेशेवर गैर-आव्रजक कार्य वीजा (एल-1) के आधार पर अमेरिका में हैं। अब नौकरी जाने के बाद उन्हें अमेरिका में रहने के विकल्पों की तलाश करनी पड़ रही है।अमेजन की कर्मचारी गीता (बदला हुआ नाम) तीन महीने पहले ही अमेरिका पहुंची थी। इस हफ्ते उन्हें बताया गया कि 20 मार्च उनका आखिरी वर्किंग डे है। उनके अनुसार ऐसे में एच-1बी वीजा धारकों के लिए स्थिति बदतर होती जा रही है क्योंकि उन्हें 60 दिनों के भीतर नई नौकरी ढूंढनी होगी अन्यथा उनके पास भारत वापस जाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा। मौजूदा परिस्थितियों में जब सभी आईटी कंपनियां छंटनी कर रही है तो ऐसे में तो उन्हें लगता है कि इतनी जल्दी दोबारा नौकरी मिलना असंभव है। एच-1बी वीजा पर काम कर रही एक अन्य आईटी पेशेवर सीता (बदला हुआ नाम) को 18 जनवरी को माइक्रोसॉफ्ट से नौकरी से निकाल दिया गया था। वह एक सिंगल मदर है। उनका बेटा हाई स्कूल जूनियर वर्ष में है और कॉलेज में प्रवेश पाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति वास्तव में हमारे लिए कठिन है। अस्थायी वीजाधारकों के सामने नौकरी खोजकर 60 दिनों के भीतर वीजा स्थानांतरित करना चुनौती सिलिकॉन वैली के उद्यमी और सामुदायिक नेता अजय जैन भुटोरिया ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हजारों तकनीकी कर्मचारियों को छंटनी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से एच-1बी वीजा पर जो लोग हैं उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान हालात में उन्हें नई नौकरी ढूंढनी होगी और देश छोड़ने के जोखिम के 60 दिनों के भीतर अपना वीजा स्थानांतरित करना होगा। एफआईआईडीएस खांडे राव कांड अनुसार कई परिवारों पर इसका विपरीत प्रभावित पड़ सकता है। परिवारों को संपत्तियों की बिक्री करनी पड़ सकती है और बच्चों की शिक्षा में व्यवधान आ सकते हैं। तकनीकी कंपनियों के लिए एच-1बी वीजा धारक कर्मचारियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनकी बर्खास्तगी की तारीख कुछ महीने बढ़ा दी जाए तो यह फायदेमंद होगा। ग्लोबल इंडियन टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (जीआईटीपीआरओ) और फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने रविवार को नौकरी चाहने वालों को नौकरी रेफर करने वालों और मुखबिरों से जोड़कर इन आईटी पेशेवरों की मदद करने के लिए एक समुदायव्यापी प्रयास शुरू किया है। एफआईआईडीएस अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं (यूएससीआईएस) के नीति निर्माताओं और निर्णय निर्माताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर काम करेगा। खांडे राव कांड ने कहा तकनीकी उद्योग में बड़े पैमाने पर छंटनी के साथ जनवरी 2023 आईटी पेशेवरों के लिए बहुत कठिन रहा। इस महीने में कई प्रतिभाशाली लोगों ने अपनी नौकरी खो दी। कंपनियों में छंटनी के फैसले से भारतीय प्रवासी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। नौकरी से निकाले गए एच-1बी धारकों को 60 दिन में एच-1बी प्रायोजक की नौकरी ढूंढनी होगी या वीजा कैंसिल होने के बाद 10 दिन के भीतर नौकरी छोड़नी होगी।

सलमान को मैं पैर छूने थे तभी मैंने हम साथ साथ करने से मना किया : माधुरी

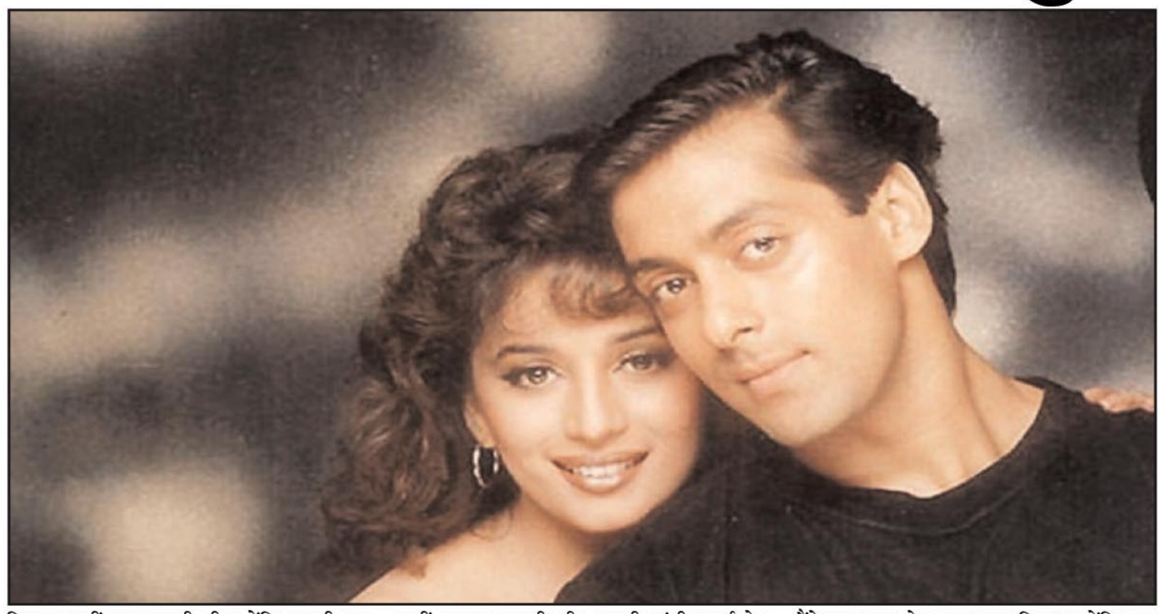

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड में सलमान खान और माधुरी दीक्षित की जोड़ी काफी सफल रही है। सलमान और माधुरी ने साल 1991 में पहली बार साजन फिल्म में काम किया था। इस फिल्म में दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद फिल्म हम आपके हैं कौन ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। दोनों के पर्दे पर रोमांस पर लोगों ने खूब तालियां पीटीं थीं। हालांकि दोनों इससे हम आपके हैं कौन से पहले 1993 में दिल तेरा आशिक में भी साथ में नजर आ चुके थे। बाद में माधुरी को हम साथ साथ हैं फिल्म में भी सलमान की भाभी का रोल ऑफर किया गया था। हालांकि यह किरदार माधुरी दीक्षित ने ठुकरा दिया था। इस किरदार के लिए बाद में तब्बू को चुना गया था। इसके बारे में माधुरी दीक्षित खुद भी कई बार बता चुकी हैं। इसके पीछे की वजह थी कि फिल्म में सलमान खान को उनके पैर छूने थे। माधुरी दीक्षित को यह बात पसंद नहीं आई। इस कारण उन्होंने फिल्म ठुकरा दी थी। माधुरी ने एक इंटरव्यू में कहा था हम आपके हैं कौन के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या मुझे कास्ट करना चाहते थे लेकिन वे परेशान थे किस रोल में करूं। मैं करिश्मा कपूर और सोनाली बिंद्रे का किरदार नहीं कर सकती थी क्योंकि हमारी हम आपके हैं कौन हिट हुई थी। क्योंकि इसके बाद अगली फिल्म में मेरा रोल सूरज जी के साथ अच्छा होना चाहिए। मैं एक कदम पीछे के रोल नहीं करना चाहती थी। काफी लंबी चर्चा के बाद मुझे तब्बू का रोल देने का फैसला लिया गया। इसमें एक सीन है कि सलमान खान भाभी के पैर छूते हैं और गले लगते हैं। इस कारण मैंने तब्बू का रोल मना कर दिया। क्योंकि हम आपके हैं कौन के बाद हमारे रोमांस को काफी सराहा गया। तब सलमान का मेरा पैर छूना मुझे ठीक नहीं लगा।

हर साल शेषा के रूप में बदलता है लुकः अदा खान

– एक्ट्रेस ने नागिन 6 में अपने लुक का किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। हर साल शेषा के रूप में उनका लुक बदलता है और वह इसका हिस्सा बनना पसंद करती हैं। यह कहना है नागिन सीरीज में शेषा की भूमिका निभा रहीं अदा खान का। एक्ट्रेस ने साझा किया- हर सीजन में वे (मेकर्स) लुक बदलते हैं। यह वैसा नहीं है। हमेशा अलग आउटफिट अलग मेकअप अलग बाल सब कुछ अलग होता है और सभी फैन्स को इंतजार रहता है कि अगर शेषा आती हैं तो इस बार उनका लुक कैसा होगा? और वे हर चीज को ऑब्जर्व करते हैं जूलरी से लेकर कपड़े तक मेकअप और बाकी सब कुछ। इसलिए सभी वास्तव में खुश हैं कि इस बार शेषा पॉजिटिव रूप से वापस आई हैं। लोग हमारी केमिस्ट्री देखकर काफी खुश हैं और इसकी तुलना मौनी रॉय से भी कर रहे हैं। अदा को अक्सर अमृत मंथन नागिन विष या अमृतः सितारा में उनके किर-दारों के लिए याद किया जाता है। 2020 में उन्होंने फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 10 में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने आगे कहाः जब भी वे मुझे किसी भी सीजन के लिए बुलाते हैं तो मुझे हमेशा खुशी होती है। ऐसा लगता है कि जैसे घर वापस आ गई हूं। मैं पहले सीजन का हिस्सा थी और यह मेरे साथ शुरू हुआ। इसलिए जब मैं इसके किसी भी सीजन में आती हूं तो मुझे मजा आता है। मुझे शेषा का किरदार निभाने में मजा आता है और मुझे यकीन है कि दर्शक भी शेषा को देखना पसंद करेंगे। उनका लुक कुछ ऐसा है जिसे लेकर वह हमेशा बहुत उत्साहित रहती हैं अदा कहती हैंः हम एक आउटफिट चुनते और बात करते कि यह कैसे अलग हो सकती है जूलरी कैसी होगी? क्रिएटिव इलिस्ट हम सभी चर्चा करते और इस तरह लुक तैयार किया जाता है। हाल ही में अदा ने नागिन में शेषा के डायलॉग पर एक पोल चलाया। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा-यह लगभग 5000 कमेंट्स तक पहुंच गया और लोगों को सीजन 1 से अब तक शेषा के सभी डायलॉग याद आ गए। उन्हें सब कुछ याद है। उन्होंने पैराग्राफ लिखे हैं और जब वे आपकी सभी लाइनें आपके डायलॉग याद करते हैं तो यह बहुत अभिभूत कर देने वाला होता है।

सुहाना खान ने ग्लैमरस लुक से दुबई में मचाया तहलका

सुहाना खान और गौरी खान हाल ही में दुबई में एक होटल लॉन्च पार्टी में शामिल हुईं। जहां सुहाना शॉर्ट पिंक ड्रेस में नजर आ रही थीं, वहीं गौरी ब्लैक गाउन में थीं। मुंबई लौटने के बाद, सुहाना ने दुबई में कैमरे में कैद किए पलों को फैंस के लिए इंस्टाग्राम के जरिए साझा किया। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को साझा करते हुए, सुहाना ने कैप्शन में होटल, प्रबंधन एवं उनकी मेजबानी में लगे अन्य लोगों को धन्यवाद दिया। पहली तस्वीर में वह एक काले रंग के गाउन में और मैचिंग क्लच के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ऐसा लगता है कि वह होटल लॉन्च के एक ब्लू कार्पेट इवेंट में शामिल हुईं थीं। उन्होंने अपने बालों को जूड़े से बांधा हुआ था और लुक को पूरा करने के लिए ड्रॉप ईयररिंग्स पहने। इसके बाद लॉन्च पार्टी से सुहाना, गौरी और शनाया कपूर की तस्वीर आई। जहां सुहाना अब गुलाबी रंग की ड्रेस में नजर आ रही हैं, वहीं शनाया लाल रंग की स्ट्रैपलेस ड्रेस में और गौरी ब्लैक गाउन में नजर आ रही हैं। तीसरी तस्वीर में सुहाना शॉर्ट पिंक ड्रेस में पोज दे रही हैं। यहां खुले हुए बालो में आराम से बैठकर आत्मविश्वास के साथ पोज देती दिखाई दे रही हैं। सुहाना की प्रिय दोस्त अनन्या पांडे ने उनकी तस्वीरों पर कुछ इस तरह से प्रतिक्रिया दी है "प्रिटी गर्ल सूजी।" उनकी मां भावना पांडे ने भी कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोटिकॉन्स और फायर इमोजीस शेयर किए। शनाया ने यह भी लिखा, "माई सूउउ...।" एक प्रशंसक ने लिखा, "बिल्कुल आश्चर्यजनक !!" एक अन्य ने टिप्पणी की, "आप बहुत सुंदर हैं।" एक अन्य ने टिप्पणी में लिखा गया "सहज रूप से सुरुचिपूर्ण और सुंदर"। उनके कई फैंस ने भी उनके लुक्स की तारीफ की है। उल्लेखनीय है कि सुहाना इस साल अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' में दिखाई देंगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। वह वेरोनिका लोज के रोल में नजर आएंगी।

इस बार ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड के मुख्य अतिथि होंगे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे

प्रतिष्ठित ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड का आयोजन 13 फरवरी को मुंबई में किया जाएगा। ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड के सफलतापूर्ण पांच साल पूरे हो गए हैं। इस बार यह अवॉर्ड एक अलग अंदाज में आयोजित किया जा रहा है। इसकी सारी तैयारियां चल रही हैं। ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड के आयोजक विजय पांडेय ने अवॉर्ड के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केक काट कर इस खास मौके को सेलिब्रेट भी किया, जिसमें निर्देशक लाल बाबू पंडित, संजय भूषण पटियाला, सोनू सुरीला, मुन्ना दुबे, शिवा देवनाथ, संतोष और प्रीत मौजूद रहे।

सभी ने इस खास आयोजन को अनवरत जारी रखने के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि सम्मानित होने पर कलाकारों का हौसला बढ़ता है। इससे उनके प्रदर्शन में निखार भी आता है। ऐसे में ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड का आयोजन सिर्फ मनोरंजन मात्र के लिए नहीं, बल्कि हमारे कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाता है। आयोजक विजय पांडेय ने बताया कि इस बार अवॉर्ड शो में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुख्य अतिथि होंगे। सांसद एवं अभिनेता मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव निरहुआ जैसे दिग्गज भी शामिल होंगे। पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, रितेश पांडेय, निधि झा, सीमा सिंह, धीरेन्द्र कुमार झा, पराग पाटिल आदि को भी आमंत्रित किया गया है। इस बार ग्रीन सिनेमा अवॉर्ड शो को लाल बाबू पंडित के निर्देशन में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले विजय पांडेय ने कहा कि 13 फरवरी की शाम फिल्मी दुनिया के सितारों से गुलजार होगी। एक से बढ़कर एक परफॉर्मेंस के बीच साल भर में सिनेमा के क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाले कलाकारों, तकनीशियनों, मेकर्स के साथ फिल्म उद्योग से जुड़े तमाम लोगों को विभिन्न कैटेगरी में अवॉर्ड दिया जायेगा।

फिल्म पठान को लेकर चर्चाओं में दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड सुपर स्टार शाहरुख खान की अपकमिंग स्पाई-थ्रिलर फिल्म पठान को लेकर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण काफी चचाओं में है। दीपिका फिल्म में जासूस की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने दीपिका को असली एक्शन स्टार बताया। फिल्मों में फीमेल फेटले के प्रति अपनी पसंद के बारे में बात करते हुए सिद्धार्थ ने कहा स्क्रीन पर एक शक्तिशाली हथियार चलाने वाली महिला से ज्यादा कूल या सेक्सी कुछ भी नहीं है। एक फिल्म-लवर के रूप में मैंने हमेशा महिलाओं को खराब एक्शन सीक्वेंस करते हुए देखा है और इसलिए जब हमें पठान में दीपिका पादुकोण मिलीं तो हम उनके सबसे बदमाश रूप को हॉट गन-टोइंग फीमेल फेटले स्पाई के रूप में पेश करना चाहते थे जिसे लोगों ने पहले कभी नहीं देखा है। फिल्म के एक सीक्वेंस को याद करते हुए निर्देशक ने कहा पठान के एक एक्शन सीक्वेंस में दीपिका गैटलिंग गन चलाती हैं और आपको यह विश्वास करने के लिए सीक्वेंस देखना होगा कि वह एक असली एक्शन सुपरस्टार के रूप में कितनी सही हैं। मुझे यकीन है कि पठान में एक्शन को देख लोग उनके लिए तालियां बजाएंगे।

लाल रंग 2 में शंकर की भूमिका फिर से दोहराएंगे रणदीप

सैयद अहमद अफजल की फिल्म लाल रंग 2 में शंकर की अपनी भूमिका को फिर से दोहराने के लिए एक्टर रणदीप हुड्डा तैयार हैं। यह फिल्म 2016 में आई फिल्म लाल रंग का सीक्वल है। लाल रंग एक डार्क कॉमेडी ड्रामा थी। इसमें रक्त व्यापार के इर्द-गिर्द पूरी कहानी घूम रही थी और शंकर (रणदीप) को एक अवैध ब्लड बैंक के मालिक के रूप में दिखाया गया था।अक्षय ओबेरॉय और पिया बाजपेयी भी पहले भाग से अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाएंगे। दूसरे भाग में नए जोड़े की तलाश जारी है। लाल रंग 2ः खून चुसवा रणदीप हुड्डा फिल्म्स अवाक फिल्म्स और जेली बीन एंटरटेनमेंट कंपनी द्वारा निर्मित है जिसे अनवर अली और सोनू कुंतल द्वारा निर्मित किया गया है।

फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। रणदीप जिन्हें हाईवे जन्नत 2 जिस्म 2 किक सुल्तान आदि के लिए जाना जाता है ने अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्होंने कहा शंकर मलिक यह एक ऐसा किरदार है जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा सात साल बाद भी फिल्म प्रासंगिक बनी हुई है और इसके लिए एक समर्पित प्रशंसक है।

दो हफ्ते पहले शो से बाहर किया सौंदर्या शर्मा को

विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 16 के फिनाले से एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा को महज दो हफ्ते पहले बाहर कर दिया। टीना दत्ता सुम्बुल तौकीर खान और शालीन भनोट के साथ इस हफ्ते सौंदर्या को नॉमिनेट किया गया था। एक पोर्टल जो सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए शो से एक्सक्लूसिव डिटेल शेयर करता है का एक ट्वीट पढ़ा गयाः एक्सक्लूसिव और कंफर्म। सौंदर्या शर्मा को घर से बाहर कर दिया गया है। शो को एक महीने का एक्सटेंशन दिया गया था और अब इसका फिनाले 12 फरवरी को होगा सौंदर्या का निष्कासन श्रीजिता डे साजिद खान और अब्दु रोजिक के शो से बाहर निकलने के ठीक एक हफ्ते बाद हुआ है। वर्तमान में बिग बॉस 16 में ट्रॉफी के लिए लड़ने वाले कंटेस्टेंट्स में शालीन भनोट प्रियंका चौधरी निमृत कौर अहलूवालिया टीना दत्ता अर्चना गौतम एमसी स्टेन सुम्बुल तौकीर और शिव ठाकरे शामिल हैं।

अर्जुन कपूर की कुत्ते पर भारी पड़ी थलापति विजय की मूवी वरिसु

मुंबई (ईएमएस)। तब्बू अर्जुन कपूर नसीरउद्दीन शाह और राधिका मदान अभिनीत फिल्म कुत्ते की असफलता ने हिन्दी फिल्मों की सफलता पर फिर से सवालिया निशान लगा दिया है। दक्षिण की रीमेक और पैन इंडिया फिल्मों के बलबूते सिनेमाघर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल हो रहे हैं। कुत्ते के साथ प्रदर्शित हुई दक्षिण भाषी फिल्म वरिसु के हिंदी संस्करण ने बॉक्स ऑफिस पर 8 दिन के सफर में कुत्ते से दो गुना व्यापार करके इस बात को साबित कर दिया है कि फिल्म यदि अच्छी होगी तब दर्शक जरूर देखने आएगा। इसका पिछला उदाहरण कांतारा केजीएफ-2 और कार्तिकेय-2 रह चुकी हैं। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलापति विजय और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म वरिसु साल 2023 की पहली साउथ फिल्म है। इस हिंदी में भी रिलीज किया गया है। फिल्म को कुल जमा सिनेमाघरों में पहुंचे हुए 10 दिन पूरे हो चुके हैं। जबकि हिंदी सिनेमाघरों में ये फिल्म 2 दिन बाद रिलीज हुई थी। हिंदी दर्शकों के बीच ये फिल्म 13 जनवरी के दिन थियेटर्स पहुंची थी। जहां फिल्म ने रिलीज होते ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया। दिलचस्प बात ये है कि जिस दिन कॉलीवुड सुपरस्टार थलापति विजय और रश्मिका मंदाना की फिल्म थियेटर पहुंची थी। तभी अर्जुन और तबू स्टारर निर्देशक आसमान भारद्वाज की फिल्म कुत्ते भी रिलीज हुई थी। ये एक मल्टी स्टारर फिल्म है। ऐसे में इन दोनों फिल्मों के बीच हिंदी सिनेमा वर्ल्ड में क्लैश वाली स्थिति थी। फिल्म की रिलीज को हिंदी में 8 दिन पूरे हो चुके हैं। जहां से फिल्म ने अब तक अपने खाते में 6.22 करोड़ रुपये की कमाई जोड़ ली है। फिल्म को दिन ब दिन हिंदी बाजार में पॉजिटीव रिस्पॉन्स दिखा और फिल्म के कारोबार में बढ़त देखी गई। जबकि कुत्ते का हाल उल्टा रहा है। अर्जुन कपूर और तबू स्टारर फिल्म कुत्ते का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन वरिसु की तुलना में बेहद खराब रहा है। अर्जुन कपूर की फिल्म कुत्ते ने रिलीज के 8 दिन में अपने खाते में अब तक महज 322 करोड़ रुपये जोड़े हैं। ये आंकड़ा साबित करता है बिना किसी खास प्रमोशन और बिना बज के बावजूद थलापति विजय की फिल्म अर्जुन कपूर की कुत्ते पर भारी पड़ी है।

पूरी दुनिया कर रही शाहरुख की वापसी का इंतजार : जॉन

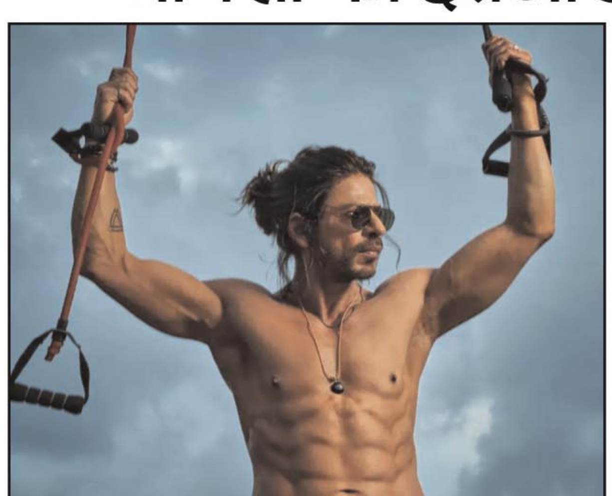

फिल्म पठान को लेकर बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने कहा है कि पूरी दुनिया शाहरुख खान की सिल्वर स्क्रीन पर वापसी का इंतजार कर रही है। पठान के निमार्ताओं द्वारा जारी एक वीडियो में जॉन ने कहा मुझे नहीं लगता कि सिर्फ पूरा देश मुझे लगता है कि पूरी दुनिया शाहरुख खान को स्क्रीन पर देखना चाहती है जिसमें मैं भी शामिल हूं।फिल्म में जॉन शाहरुख के कट्टर दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं और उन्हें खुशी है कि यह फिल्म धूम से पुराने जॉन अब्राहम को वापस ला रही है एक ऐसी फिल्म जिसने उन्हें दर्शकों के बीच बाइक की छवि पर अपने बुरे लड़के के साथ प्रतिष्ठित स्थिति हासिल की। फिल्म में अपने किरदार जिम के बारे में बात करते हुए जॉन ने साझा किया जिम कूल है। जिम खतरनाक है और जिम धूम से पुराने जॉन अब्राहम को वापस लाता है! मुझे पठान के एक्शन सीक्वेंस पसंद हैं। वाईआरअफ प्रोडक्शन पठान जिसमें दीपिका पादुकोण भी एक एजेंट के रूप में हैं 25 जनवरी को हिंदी तमिल और तेलुगु में स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है।

सूडोकु नवताल- 6322

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6321 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

अंकजाल - 7078

	17	17	22	35		11	22	20	
29		7		9	2	3		4	12
23	9		7				7		20
23		8		7		4		6	8
79	3	7	2		7		8		29
31		7		6		5			
7	2		6		4		8		30
19		8		4		8		3	24
18	5		7		3		7		13
	18	26	13		27	24	22	12	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 7077 का हल

	15	14	26	16	22		30	21	
27	8	9	2	3	5	4	9	2	11
32	7	5	8	7	5	3	8	2	10
3	4		2	6	7	9	3	7	34
14	2	5	7	2	5	7	8	5	25
22	6	7	3	6	4	5	2	5	12
36	6	3	4	7	8	8			
13	5	8	6	4	6	8	7	3	28
11	5	6	7	3	2	7	8	5	25
	24	29		20	16	44	15	8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6022

	5		1	6		4
	37		37		29	3
2	4		7		6	1
	31	1	28		32	
	6		2		3	7
1	28	4	27		33	
	1		3		4	6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6021 का हल

6	1	7	4	3	5	2
2	28	4	40	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	24	1	30	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

विमेंस आईपीएल टीमों से बोर्ड को मिलेंगे 4000 करोड़ः होगी नीलामी, 800 करोड़ तक हो सकती है एक टीम की कीमत

नई दिल्ली। विमेंस आईपीएल टीमों का ऑक्शन बुधवार यानी 25 जनवरी को होना है। यानी इस दिन डिसाइड हो जाएगा कि कौन सी कंपनी किस टीम को खरीदती है। इस ऑक्शन से भारतीय क्रिकेट बोर्ड को 4 हजार करोड़ रुपए तक मिल सकते हैं। एक टीम 500 से 600 करोड़ रुपए तक में बिक सकती है। बोली 800 करोड़ रुपए के ऊपर भी जा सकती है।

ये बड़े ग्रुप मैदान में

महिला आईपीएल में टीम खरीदने के लिए 30 से ज्यादा कंपनियां होड़ में है। इसमें मेंस आईपीएल के मालिकों समेत अडाणी समूह, टोरेंट समूह, हल्दीराम ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, कोटक और आदित्य बिड़ला ग्रुप शामिल है। इन सभी ने 5 लाख रुपए का बिडिंग डॉक्यूमेंट खरीदा था। इनमें से कई कंपनीयां 2021 में मेंस आईपीएल में टीम खरीदने की कोशिश कर चुकी है। पर वे नाकाम रहीं।

मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स दुनिया भर में अपनी पहले से मौजूद मेंस टीम के कलेक्शन में एक महिला आईपीएल टीम को भी जोड़ना चाहते है। ऐसा करने के लिए सभी टीमों के मालिक गंभीरता से विचार कर रहे है।

मीडिया राइट्स में टीमों की हिस्सेदारी 80प्रतिशत तक

बोर्ड ने हाल ही में विमेंस आईपीएल के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80प्रतिशत हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60प्रतिशत और उसके बाद 50प्रतिशत हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लिसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पोंसर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा।

इस साल मार्च में होगा पहला सीजन

विमेंस आईपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के डीवाय पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष आईपीएल के लिए तैयार किया जाएगा। बीसीसीआई अब तक विमेंस टी-20 चैलेंज आयोजित करता रहा था। इसके मुकाबले पुरुष आईपीएल सीजन के बीच में होते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक महिला आईपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने के बाद नीलामी होगी।

न्यूज ब्रीफ

एक पैर से दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ किए फतहः शारीरिक अक्षमता भी ऊंचे इरादों को नहीं डिगा सकती, यही साबित करने के लिए दुर्गम पहाड़ों पर क्लाइंबिंग और स्कीइंग करता हूं

नई दिल्ली । क्लाइंबर, स्कीयर, स्केटबोर्डर और पेशेवर फुटबॉलर भी। लेकिन सामान्य कैटेगरी में नहीं, बल्कि दिव्यांग कैटेगरी में। मेरा दायां पैर 9 महीने की उम्र में सेप्टीसीमिया (खून से जुड़ी बीमारी) के कारण काटना पड़ा। जब समझ आई, तो कई प्रॉस्थेटिक पैर आजमाए, लेकिन किसी से खास मदद नहीं मिली। ऐसा लगता था कि वह मुझे बांध रहा हो और आगे बढ़ने से रोक रहा हो। स्वतंत्र महसूस नहीं करता था। इसके बाद फोरआर्म प्रॉस्थेटिक क्रजेस (बैसाखी) का प्रयोग शुरू किया। इन्हें मैं 'निंजा-स्टिक' कहता। बहुत से लोग अक्षमता को भयानक घटना के रूप में देखते हैं। वे मेरे पास आकर दया की भावना दिखाते। लेकिन मेरे हिसाब से दिव्यांगता और अक्षमता कमजोरी की निशानी नहीं हैं। समस्याएं वे हैं, जो जिंदगी में बाधा डालती हैं। मैं स्कीइंग, क्लाइंबिंग कर ऐसी बाधाओं और धारणाओं को तोड़ता हूं। मेरा मानना है कि हम इंसान हैं और हम लोगों में अक्षमता हमेशा रहेगी। बहरहाल, मैंने 11 साल की उम्र में सबसे पहले स्कीइंग की थी। मैं भाई के साथ कनेक्टिकट की स्थानीय पहाड़ी पर स्कीइंग करने गया था। वहां के अन्य स्कीयर ने मुझसे सिर्फ इतना कहा- गुड जॉब, ऐसे ही करते रहो। इससे मुझे काफी प्रेरणा मिली। मैं शुरुआत में भारत में पला-बढ़ा, जहां काफी गरीबी देखी थी। वहां के अनुभवों ने मुझे न केवल दिव्यांग समुदाय बल्कि हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया। मैं और मेरे दोस्त पीट मैकेफी नॉर्थ अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली फतह करने वाले पहले दिव्यांग एथलीट बने थे।

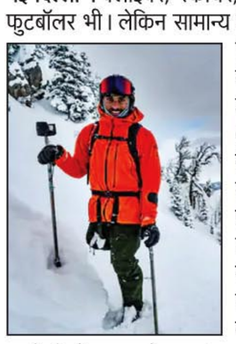

चौथी सीड कैरोलीन गार्सिया भी उलटफेर का शिकार, मैग्डा लिनेट ने सीधे सेटों में हराया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन में उलटफेर का दौर जारी है। पुरुष एकल में राफेल नडाल और कैस्पर रुड जैसे शीर्ष वरीयता वाले खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद महिला एकल में भी शीर्ष वरीयता वाली इगा स्वियातेक टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। अहब महिला एकल में चौथी वरीयता वाली खिलाड़ी कैरोलीन गार्सिया भी उलटफेर का शिकार हुई हैं। गार्सिया को मैग्डा लिनेट ने सीधे सेटों में 7-6, 6-4 के अंतर से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। महिला रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी गार्सिया इस साल खिताब जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक थीं। हालांकि, वह भी चौथे दौर से आगे नहीं जा पाईं। वह अपने पिछले मैच में भी बहुत अच्छी लय में नहीं थीं, लेकिन दुनिया की 158वें नंबर की खिलाड़ी लॉरा सीगमंड को तीन सेट में मात देने में सफल रही थीं। हालांकि, इस मैच में लिनेट ने उन्हें हरा दिया। फ्रांस की गार्सिया ने दो घंटे 10 मिनट में 1-6, 6-3, 6-3 से जीत दर्ज कर 2018 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया था। हालांकि, वह खिताब नहीं जीत पाईं। चौथी वरीयता प्राप्त गार्सिया ने चौथे दौर में पहुंचने के बाद कहा था उसने शानदार मैच खेला, वह मुझे बहुत अच्छी तरह से पढ़ने में सक्षम थी। मैं अधिक तनावग्रस्त हो रही थी और शुरुआत में मैं बहुत घबराई हुई थी। गार्सिया को चौथे दौर में 45वें नंबर की खिलाड़ी मैग्डा लिनेट ने हराया। पोलैंड की लिनेट अगले दौर में पहुंच चुकी हैं। शीर्ष खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल में नया चैंपियन मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ऋषभ के लिए प्रार्थना करने महाकाल पहुंचे सूर्या-कुलदीप और सुंदरः भस्म आरती में शामिल हुए, कहा- बस पंत रिकवर हो जाएं

उज्जैन। इंडियन क्रिकेटर्स ने सोमवार को उज्जैन में महाकालेश्वर के दर्शन किए। सूर्य कुमार यादव, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर भस्म आरती में शामिल हुए। महाकाल का पंचामृत पूजन किया। तीनों ने अपने साथी क्रिकेटर ऋषभ पंत के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 24 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाना है। मैच के लिए दोनों टीमें इंदौर पहुंच चुकी हैं। तीनों प्लेयर्स इंदौर से ही तड़के उज्जैन आए। क्रिकेटर्स ने गर्भगृह में जाकर धोती-सोला पहनकर महाकाल का पंचामृत अभिषेक किया। उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया भी साथ थे। महाकाल मंदिर में तीनों क्रिकेटर्स आम भक्तों की तरह भस्म आरती में शामिल हुए। नंदी हॉल में भक्तों के बीच बैठे। आसपास बैठे कई भक्त उन्हें पहचान नहीं पाए। इसके बाद तीनों ने साधारण भक्तों की तरह गर्भगृह में दर्शन किए। महाकाल के दर्शन के बाद सूर्य कुमार ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, महाकाल दर्शन कर बहुत अच्छा लगा। शुरू से अंत तक आरती देखी।

भारत हॉकी वर्ल्ड कप से बाहर

न्यूजीलैंड ने पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया, ऐन मौके पर चोटिल हुए श्रीजेश

भुवनेश्वर।

भारत हॉकी वर्ल्ड कप में मेडल की दौड़ से बाहर हो गया है। क्रॉसओवर मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हरा दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं। भारत की ओर से ललित उपाध्याय ने 17वें मिनट (फील्ड), सुखजीत ने 24वें (पेनल्टी कॉर्नर) और वरुण कुमार (पेनल्टी कॉर्नर) ने 40वें मिनट में गोल दागे। वहीं, न्यूजीलैंड की ओर से केन रसेल ने 43वें और 49वें मिनट में (पेनल्टी कॉर्नर) डबल दागे। वहीं, सैम लिन ने 28वें मिनट में फील्ड गोल किए। दोनों ही टीमों ने 9-9 प्रयास किए। इसमें न्यूजीलैंड ने 5 और भारत ने 4 में गोल दागे। शूटआउट की शुरुआत भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के गोल के साथ हुई। उसके बाद न्यूजीलैंड के निक वुड ने बराबरी का गोल दागा। फिर राजकुमार पाल ने गोल स्कोरकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। सीन फाइंडले ने स्कोर फिर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे प्रयास में अभिषेक गोल करने से चूक गए और हेडन फिलिप्स ने गोलकर मेहमान टीम को 3-2 से आगे ला दिया। फिर पीआर श्रीजेश ने 3 शानदार बचाव करते हुए भारत को हार से बचाया। इस बीच, शमशेर स्कोर करने से चूके और सुखजीत ने गोल किया। 5 प्रयास के बाद स्कोर 3-3 की बराबरी पर था। ऐसे में शूटआउट जारी रहा। छठे प्रयास में वुड निक और हरमनप्रीत सिंह गोल करने से चूके। जबकि 7वें में सीन फाइंडले और राजकुमार पाल ने स्कोर किए। 8वें प्रयास में हेडन और सुखजीत गोल स्कोर नहीं कर सके। 9वें प्रयास में सैम लिन ने गोल दागा । जबकि शमशेर चूक गए।

शूटआउट के छठे प्रयास में पीआर श्रीजेश चोटिल - शूटआउट के दौरान पीआर श्रीजेश चोटिल हो गए। उसके बाद कृष्ण बहादुर पाठक दो मौकों पर गोल रोकने में नाकाम रहे और भारत को मैच गंवाना पड़ा। स्कोर 3-3, फाइंडले ने मेहमानों को बराबरी दिलाई आखिरी 15 मिनट में भारत को 52वें और 53वें मिनट में कॉर्नर मिले। जबकि न्यूजीलैंड को 49वें मिनट में पेनल्टी में स्कोर करने का मौका मिला। ऐसे में मेहमान टीम के सीन फाइंडले ने गोल दागा। जबकि भारतीय ड्रैग फ्लिकर्स गोल करने से चूक गए। मैच के 53वें मिनट में निक रोस को येलो कॉर्ड मिला और टीम आखिरी मिनटों में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलती रही, लेकिन भारतीय फॉरवर्ड विजयी गोल नहीं कर सके।

तीसरा : 3-2, दोनों टीमों से एक-एक गोल आए - हाफ टाइम के बाद भारत को तीन और न्यूजीलैंड को एक पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों टीमें एक-एक गोल ही कर सकीं। 40वें मिनट में वरुण कुमार ने पेनल्टी पर गोलकर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। उसके 3 मिनट बाद ही केन रसेल ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए चौथे क्वार्टर से पहले स्कोर लाइन 3-2 कर दी।

दूसरा : 2-1, भारत की बढ़त दोगुनी, ललित-सुखजीत ने दागे गोल - पहला क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 17वें मिनट में उसे सफलता भी मिली, जब ललित उपाध्याय ने शानदार मैदानी गोल दागा। उसके बाद 21वें, 23वें और 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिले। 24वें मिनट में सुखजीत ने पेनल्टी पर गोल दागा। 28वें मिनट में सैम लिन ने गोलकर स्कोर 2-1 कर दिया। इससे पहले 21वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर भारतीय टीम गोल करने से चूक गई। एक समय लगा कि गोल हो गया, लेकिन कीवी खिलाड़ियों रेफरल लिया और थर्ड अंपायर ने उसे फ्री हिट में तब्दील कर दिया।

पहला : स्कोर 0-0, गोलरहित रहा, मनप्रीत-निक को कार्ड - पहले 15 मिनट में कोई गोल नहीं आया। दोनों ही टीमें बढ़त लेने का प्रयास करती रहीं। इस दौरान फील्ड रेफरी की ओर से दो कार्ड निकले। 7वें मिनट में कीवी खिलाड़ी निक वुड को अंपायर ने दो मिनट के लिए बाहर किया। उसके ठीक 2 मिनट बाद भारतीय खिलाड़ी मनप्रीत को ग्रीन कार्ड दिखाया गया। मैच के 12 मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कोई गोल नहीं आया।

दोनों टीमें

भारत : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, अभिषेक, सुरेंदर कुमार, मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, बहादुर कृष्ण पाठक, ललित कुमार उपाध्याय, संजय नीलम जेस, पीआर श्रीजेश, नीलकांत शर्मा, शमशेर सिंह, वरुण कुमार, कुमार पाल राज, आकाशदीप सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद और सुखजीत सिंह।

न्यूजीलैंड : निक वुड्स (कप्तान), डोम डिक्सन, डेन लेट, साइमन चाइल्ड, निक रॉस, सैम हिहा, किम किंग्स्टन, जेक स्मिथ, सैम लेन, साइमन योरस्टन, ऐडन सारिकाया, जो मॉरिसन, लियोन हेवर्ड, केन रसेल, ब्लेयर टैरंट , सीन फाइंडले, हेडन फिलिप्स, चार्ली मॉरिसन।

कुश्ती महासंघ का कामकाज देखने के लिए सरकार ने बनाई ओवरसाइट समिति, मैरी कॉम होंगी प्रमुख

नई दिल्ली ।

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ और उसके अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के धरने के बाद एक ओवरसाइट समिति बनाई है। यह समिति कुश्ती महासंघ के कामकाज को देखेगी। इसकी प्रमुख विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम होंगी। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि डब्लूएफआई के अध्यक्ष अपने पद पर काम नहीं करेंगे। हम विश्व चैंपियन मैरी कॉम की अध्यक्षता में ओवरसाइट कमेटी बना रहे हैं जिसमें ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त, द्रोणाचार्य पुरस्कृत तृप्ति मुरगुंडे,राजगोपालन, राधा श्रीमन इसके सदस्य होंगे।

इससे पहले मैरी कॉम को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी अपनी जांच समिति का प्रमुख बनाया था। आईओए सात सदस्यीय समिति का गठन किया था। आईओए पदाधिकारियों ने पहलवानों के आरोपों को गंभीर मानते हुए सात सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया, जिसमें मैरी कॉम को समिति का चेयरपर्सन चुना गया था। भारत के 30 से ज्यादा पहलवानों ने बुधवार के दिन दिल्ली के जंतर-मंतर में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना शुरू किया था और उन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, बृजभूषण ने इस आरोपों को सिरे से खारिज किया और पहलवानों पर आरोप लगा दिए। बृजभूषण के आरोपों का पहलवानों पर कोई असर नहीं पड़ा और प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच खेल मंत्रालय और कुश्ती संघ ने बातचीत के जरिए मामला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। पहलवान अपनी मांग पर अड़े रहे। अंत में पहलवानों के सामने बृजभूषण के दांव पेंच कमजोर पड़ गए और उन्हें कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से अस्थायी रूप से हटा दिया गया। बुधवार सुबह शुरू हुआ प्रदर्शन तीन दिन तक चला शुक्रवार रात पहलवानों ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ बात की और बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से अस्थायी रूप से हटा दिया गया और उनके ऊपर लगे आरोपों की जांच के लिए समिति बना दी गई। उसके बाद खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर को शनिवार (21 जनवरी) को सस्पेंड कर दिया।

बृजभूषण सिंह ने पहलवानों के खिलाफ दायर की याचिका

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने उनके ऊपर आरोप लगाने वाले पहलवानों के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। बृजभूषण सिंह ने विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित कई पहलवानों को अपनी याचिका में आरोपी बताया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे यौन शोषण के आरोपों के खिलाफ याचिका लगाई है। याचिका में कहा गया है पहलवानों ने यौन शोषण कानून का दुरुपयोग किया और न्याय व्यवस्था का मजाक बनाया।

अगर किसी पहलवान के साथ यौन शोषण हुआ है तो उसे पुलिस स्टेशन में शिकायत करके कोर्ट और कानूनी प्रकिया के जरिए न्याय की मांग करनी चाहिए थी। याचिका में विनेश फोगट, बजरंग पूनिया सहित कई खिलाड़ियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई है। पहलवानों पर आरोप लगाए गए हैं कि उन्होंने कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग किया और कुश्ती संघ के प्रमुख को इस्तीफा देने के लिए जबरन मजबूर किया। वकील शारिकसंत प्रसाद ने याचिका दायर करने के बाद कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता विक्की है, जो सांसद बृजभूषण शरण सिंह के आधिकारिक आवास 21, अशोक रोड में रहता है और उनके रसोइए के रूप में काम कर रहा है। याचिका में आगे आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारी खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाकर बृजभूषण की प्रतिष्ठा और सम्मान को धूमिल किया है। हाल ही में साक्षी मलिक, विनेश फोगट और बजरंग पूनिया सहित कई बड़े पहलवानों ने दिल्ली के जंतर मंतर में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार की देर रात सरकार से पहलवानों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों को दूर किया जाएगा। इसके बाद पहलवानों ने अपना विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया और खेल मंत्रालय ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा बृजभूषण को चार सप्ताह के लिए कुश्ती संघ से अलग रहने के लिए कहा है। इस दौरान एक निगरानी समिति बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और वित्तीय अनियमितता के आरोपों की जांच करेगी।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे स्टेफानोस सितसिपास ओस्टापेंको ने कोको गॉफ को किया बाहर

मेलबर्न ।

ग्रीस के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। तीसरी वरीयता प्राप्त सितसिपास ने इटली के जैनिक सिनर को पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया। 15वीं वरीयता प्राप्त सिनर ने अंत तक मुकाबला किया, लेकिन वह मैच को अपने नाम नहीं कर सके। सितसिपास ने उन्हें 6-4, 6-4, 3-6, 4-6, 6-3 से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। महिलाओं में सातवीं वरीयता प्राप्त युवा खिलाड़ी कोको गॉफ को हार मिली। उन्हें लातविया की 20वीं वरीयता प्राप्त लेना ओस्टापेंको ने हराया। ने कोको गॉफ को 7-5, 6-3 से पराजित किया। लातविया की ओस्टापेंको ने पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम-आठ में जगह बनाई है। वहां उनका मुकाबला पिछले साल की विंबलडन विजेता एलेना रायबाकिना से होगा। रायबाकिना ने एक अन्य मैच में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक के सफर को समाप्त कर दिया। उन्होंने पोलैंड की स्वियातेक को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर कर दिया। स्वियातेक का पिछला सत्र बेहतरीन रहा था। उन्होंने पिछले साल दो ग्रैंडस्लैम सहित आठ खिताब जीते थे। वह 37 मैचों तक अजेय रही थीं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी वह खिताब जीतने की सबसे प्रबल दावेदार थीं, लेकिन रायबाकिना के खिलाफ उनकी एक नहीं चली और हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। 22वीं वरीयता प्राप्त रायबाकिना ने अपनी सर्विस से स्वियातेक को परेशान किया और डेढ़ घंटे में मैच को जीत लिया। वह पहली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। रायबाकिना का जन्म रूस के मॉस्को में हुआ था, लेकिन वह 2018 से कजाखस्तान के लिए खेल रही हैं। अन्य मैचों में जेसिका पेगुला ने 2021 की फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्राइजकोवा को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी। वह लगातार तीसरी बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अमेरिका के 22 साल के सेबेस्टियन कोर्डा ने 10वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हरकाज को पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 3-6, 6-3, 6-2, 1-6, 7-6 (10-7) से हरा दिया। कोर्डा पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

क्या शास्त्री की बात मानेंगे विराट-रोहित

पूर्व कोच ने दोनों को दी रणजी खेलने की सलाह, ताकि स्पिन के खिलाफ बैटिंग सुधरे

नई दिल्ली ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 24 जनवरी को है। वहीं, रणजी ट्रॉफी में अगले राउंड के मुकाबले भी इसी दिन शुरू हो रहे हैं। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री की ओर से सलाह आई कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को इस वनडे की जगह अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए रणजी मैच खेलना चाहिए। अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। इस सीरीज की प्रैक्टिस के लिए रणजी मैच खेलना अच्छा उपाय हो सकता है। विराट और रोहित यह सलाह मानेंगे या नहीं यह हमें अगले कुछ घंटों में पता चल ही जाएगा। अब तक इसको लेकर खिलाड़ियों का बीसीसीआई का कोई बयान आया नहीं है। इससे यही उम्मीद है कि हमारे स्टार वनडे को ही तरजीह देंगे। हालांकि, बैटिंग का एक पहलू जरूर ऐसा है जिससे आधार पर लगता है कि दोनों सितारों को घरेलू मैच जरूर खेलना चाहिए। विराट और रोहित दोनों ही हाल के समय घरेलू पिचों पर स्पिन के खिलाफ लड़खड़ाने लगे हैं। पिछले दो वनडे मैच को ही याद कीजिए। विराट को मिचेल सैटनर की गेंद समझ नहीं आ रही थी।

आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारत में स्पिन ट्रैक बनाए जाते हैं। घूमती गेंदें विदेशी बल्लेबाजों को कन्फ्यूज करती हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इन पिचों पर हमारे बल्लेबाज दुनिया के किसी भी स्पिनर को अच्छा खेल लेंगे और हम सीरीज जीत लेंगे। घर में स्पिन पिच बनवाने का फैसला हमें रास भी आता रहा है। 2012 के बाद भारतीय टीम घरेलू पिचों पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है।

आप कहेंगे कि जब लगातार जीत ही रहे हैं तो फिर विराट और रोहित को लेकर डिबेट ही क्यों डिबेट इसलिए है क्योंकि स्पिनर्स के सामने ये लगातार फेल हो रहे हैं। हाल-फिलहाल ऋषभ पंत अपनी शानदार बैटिंग से इनकी विफलताओं को ढक लेते थे। इस बार पंत नहीं हैं। इसलिए भारतीय टॉप ऑर्डर के पास फेल होने का ऑप्शन नहीं है। रोहित शर्मा : साल 2020 से अब तक भारत में खेले टेस्ट मैचों में कुल 9 बार आउट हुए हैं। इसमें से 6 बार उन्हें स्पिनर्स ने आउट किया है। इन 6 में 5 बार रोहित को लेफ्ट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। सबसे ज्यादा जैक लीच ने चार बार आउट किया है। विराट कोहली: 2022 से अब तक देश में खेले टेस्ट मैचों में 11 बार आउट हुए हैं। 9 बार स्पिनर्स ने आउट किया। इनमें से 5 दफा लेफ्ट आर्म स्पिनर और 4 बार राइट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। स्पिनर्स में मोइन अली ने सबसे ज्यादा 2 बार आउट किया है। इसके पीछे बहुत ज्यादा क्रिकेट को कारण बताया जाता है। यह कहा जाता है कि भारतीय खिलाड़ी, खासकर विराट और रोहित ऑल फॉर्मेट प्लेयर्स हैं। इसके अलावा ये आईपीएल भी खेलते हैं।

ऐसे में अगर घरेलू क्रिकेट भी खेलेंगे तो बर्न आउट हो जाएंगे। तर्क सुनने में सही लगता है, लेकिन यह भी ध्यान देना चाहिए ये खिलाड़ी ब्रेक भी तो बहुत लेते हैं। घरेलू क्रिकेट न खेलने की वजह से स्पिन के खिलाफ इनकी प्रैक्टिस बहुत कम हो जाती है। विदेशी दौरों पर पिचें ज्यादातर फास्ट बॉलिंग की मददगार होती है। लिहाजा बाहर स्पिन का अभ्यास नहीं मिलता। दूसरी ओर घर में व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लायक स्पिन का अभ्यास नहीं हो सकता है।

ज्यादा क्रिकेट की समस्या सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के खेलने के जमाने में भी रही थी। तब टी-20 नहीं था, लेकिन वनडे मैच बहुत होते थे। इसके बावजूद सचिन तेंदुलकर जैसा सीनियर और दिग्गज खिलाड़ी जरूरत के हिसाब से घरेलू क्रिकेट खेलता था। 1998 में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आई थी। टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया का अभ्यास मैच मुंबई से था। सचिन इस मैच में मुंबई के लिए खेले थे, ताकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए तैयारी अच्छी हो सके।

पैर के तलवे कुछ बताते हैं...

समुद्रशास्त्र शारीरिक अंगों की बनावट, रूप-रंग को देखकर किसी भी व्यक्ति के जीवन से जुड़ी भविष्यवाणी करता है। पैरों को बहुत ही शुभ माना जाता है। तभी तो बहू के पैर घर में पड़ने से क्या प्रभाव पड़ता है बड़े-बुजुर्ग इसका अकलन करते थे। पैरों के तलवों को देखकर आप अपने और दूसरों से संबंधित बहुत सारी बातें जान सकते हैं। जिनके पैरों के तलवे काले होते हैं उनके जीवन में सदा धन का अभाव रहता है। ऐसे लोग आए दिन किसी न किसी रोग का शिकार रहते हैं और उनके बच्चे भी कहने से बाहर होते हैं। पैर की एड़ी से होते हुए अंगूठे के बीच तक रेखा होने का अर्थ है व्यक्ति जन्म से अपने नाम धन-दौलत का भंडार लिखवाकर आता है लेकिन उसे कभी संतुष्टि प्राप्त नहीं होती। पांव की उंगलियां खुली-खुली, तलवों में पीलापन और नसें उभरी हुई नजर आ रही हों तो बहुत सोच-विचार करने के बाद धन खर्च करना चाहिए। ऐसे लोगों के जीवन में धन से संबंधित परेशानियां चलती रहती हैं। जिन लोगों के पैरों में गड्ढा नहीं होता यानी उनके पैर फ्लैट होते हैं वो लोग बहुत भाग्यशाली माने जाते हैं। वे खुले विचारों के स्वामी होते हैं, बड़े-बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने का भी दम रखते हैं। गोल गुलाबी मांसल और चिकने तलवे वाले लोग बहुत लकी होते हैं। इन्हें जीवन में मनचाही मंजिल मिलती है और खूब नाम कमाते हैं। सफेद तलवों वाले लोग अपराधी और लालची प्रवृति के होते हैं। इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ता है। सांवले और मटमैले तलवों वाले सुखी, समृद्ध एवं खुशहाल जीवन व्यतीत करते हैं। इनके पास धन का बेशुमार भंडार होता है।

खर्राटों से मुक्ति पाने का सबसे अचूक नुस्खा

खर्राटों से नींद हराम हो रही है, तो एक व्यायाम समस्या से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। खर्राटे से पीड़ित लोग अपनी जीभ के अगले सिरे को तालू की ओर दबाएं और फिर जीभ को वापस खींच लें। यह प्रक्रिया दोहराएं। अब जीभ के अगले हिस्से को मुंह के निचले हिस्से तथा अगले दांत से स्पर्श कराते हुए जीभ के पिछले हिस्से को तालू की ओर दबाएं और स्वर ए का उच्चारण करते हुए तालू तथा उवुला को ऊपर उठाएं।

हैंगओवर
दूर करना है तो
नाशपाती खाएं

***हैंगओवर** उतारने के लिए कुछ लोग नींबू पानी पीते हैं तो कुछ लोग पेनकिलर का सहारा लेते हैं। लेकिन अगर आपको कहा जाए कि नाशपाती से भी हैंगओवर को दूर किया जा सकता है तो शायद आपको विश्वास नहीं होगा। लेकिन यह बात एक नए अध्ययन से सामने आई है। वैज्ञानिकों को दावा है कि हैंगओवर से पहले रसदार नाशपाती खाने से हैंगओवर के प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है।*

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह एकाग्रता में वृद्धि में मदद करता है, स्मृति हानि को कम करता है और ब्लड में अल्कोहल की मात्रा को कम करने में मदद करता है।

क्या कहते हैं शोध

वैज्ञानिकों के अनुसार हैंगओवर के प्रभाव को कम करने के लिए शराब पीने से पहले आपको 220 मिली नाशपाती का जूस या एक पूरी नाशपाती खानी चाहिए। शोधकर्ता ने यह भी कहा कि इस निष्कर्ष के पीछे सिद्धांत यह है कि नाशपाती शराब के चयापचय में शामिल महत्वपूर्ण एंजाइमों पर काम करता है।

हैंगओवर दूर करने में कैसे मददगार है नाशपाती

अगर आपको हैंगओवर के वक्त ऑफिस का काम भी करना है तो नाशपाती आपके लिए बहुत अच्छा उपाय साबित होता है। क्योंकि आमतौर पर शराब का सेवन शरीर को डीहाइड्रेट कर देता है, जिससे प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट का संतुलन प्रभावित होता है। लेकिन नाशपाती में मौजूद शुगर इस संतुलन को फिर से बनाता है। नाशपाती में मौजूद विटामिन सी शरीर को पोषण देता है जो हैंगओवर से लड़ने में मददगार होता है और नाशपाती में मौजूद मैग्नीशियम हैंगओवर में होने वाले सिरदर्द को कम करता है। साथ ही नाशपाती से मतली की समस्या और ध्यान केंद्रित करना आसान हो जाता है। एल्कोहल के सेवन के बाद सोते समय सबसे पहले एक नाशपाती या फिर एक गिलास नाशपाती का जूस पिएं। इससे आप अगली सुबह फ्रेश फील करेंगे। नाशपाती का जूस बनाने के लिए नाशपाती के टुकड़ों, थोड़ा पानी, शहद और अदरक को मिलाकर पीस लें। ये सभी चीजें हैंगओवर दूर करती हैं। तो फिर देरी किसी बात कि अब जब भी आपको कॉकटेल पार्टी में जाना हो तो पहले नाशपाती खा लें या पार्टी की अगली सुबह हैंगोवर से सिर आपका घूमें, तो दवा की बजाए नाशपाती का सेवन करें।

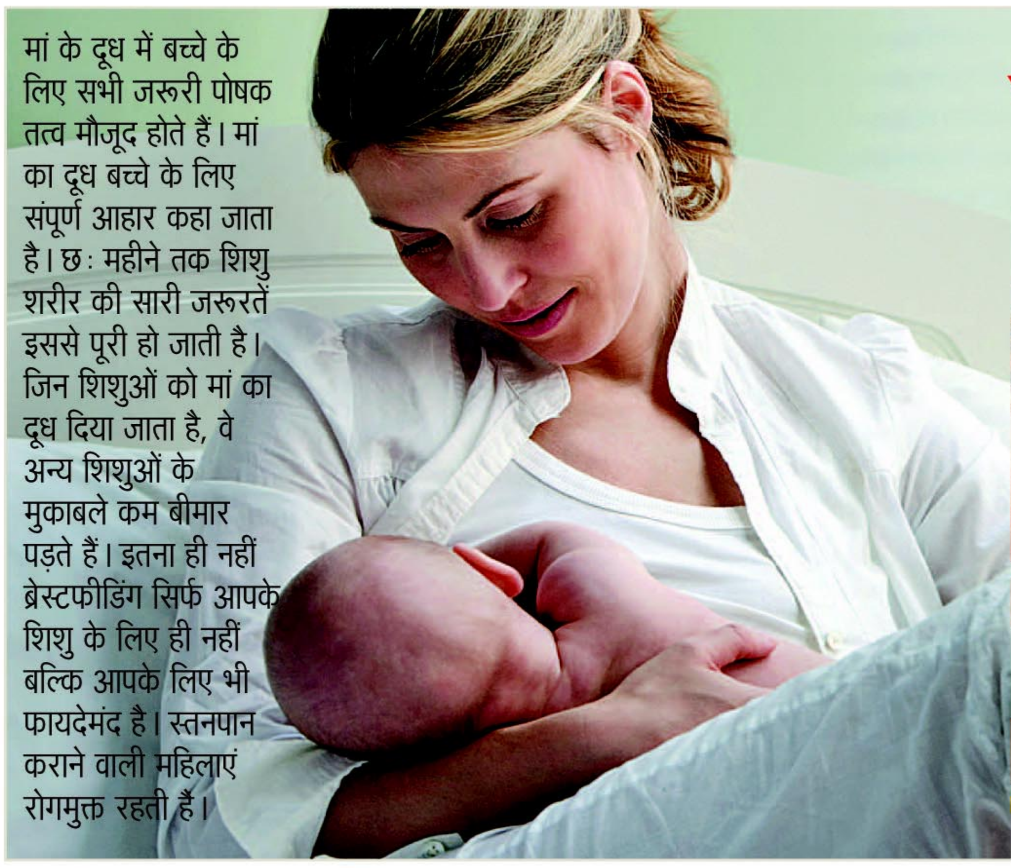

मां के दूध में बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार कहा जाता है। छः महीने तक शिशु शरीर की सारी जरूरतें इससे पूरी हो जाती है। जिन शिशुओं को मां का दूध दिया जाता है, वे अन्य शिशुओं के मुकाबले कम बीमार पड़ते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्टफीडिंग सिर्फ आपके शिशु के लिए ही नहीं बल्कि आपके लिए भी फायदेमंद है। स्तनपान कराने वाली महिलाएं रोगमुक्त रहती हैं।

ब्रेस्टफीडिंग
कराने से होते हैं ये फायदे

शरीर
का तापमान होता है सामान्य

शिशु के जन्म के पहले कुछ हफ्तों में, अधिकांश शिशुओं को अपने शरीर के तापमान को सामान्य बनाने में कठिनाई होती है। स्तनपान आपके शिशु की उसके शरीर का तापमान सामान्य रखने में मदद करता है। उसे गर्म रखने के अलावा,त्वचा का त्वचा से स्पर्श आपके और आपके शिशु के बीच मजबूत भावनात्मक बंधन को भी बढ़ाता है।

संक्रमण
से बचाव

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं में सांस संबंधी समस्या व कान के संक्रमण जैसी समस्याओं से रक्षा होती है। इसके अलावा यह बच्चों में मधुमेह एवं श्वेत रक्तता, और अन्य एलर्जी जैसे दमा और एक्जिमा के खतरे को कम करता है।

तकलीफ
के कम लक्षणों का प्रकट होना

मां के दूध के फायदों के बारे में विशेषज्ञों ने पता लगाया है कि जिन शिशुओं को टीकाकरण से ठीक पहले अथवा बाद में स्तनपान कराया जाता है, उनमें तकलीफ के कम लक्षण प्रकट होते हैं।

शिशुओं
के वजन में बढ़ोत्तरी

ब्रेस्टफीडिंग समय से पहले जन्में शिशुओं की सेहत में सुधार करता है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों का वजन काफी कम होता है। ब्रेस्टफीडिंग के जरिए शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

वजन
मां का भी कम होता है

स्तनपान कराने वाली महिलाएं अधिक कैलोरी को इस्तेमाल करती हैं जिसकी वजह से उनका वजन बढ़ जाता है। लेकिन प्राकृतिक ढंग से वजन को कम करने और मोटापे से बचने का यह कारगर तरीका है।

वसा निर्माण
को उत्प्रेरित करता है

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं को बचपन में होने वाले मोटापे के खतरे को कम किया जा सकता है। बाहरी दूध की तुलना में मां के दूध में इन्सुलिन काफी कम होता है (इन्सुलिन वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है)।

तनावमुक्त
करने में मददगार

जब शिशु की तबीयत ठीक नहीं होती या वो बैचेनी महसूस करता है तो स्तनपान कराने से उसे आराम मिलता है। स्तनपान शिशु का रोना कम करने, और आपको तनावमुक्त करने में मदद करता है।

स्वस्थ
आदतों का विकास

स्तनपान करने वाले शिशु अपने भोजन को नियमित रूप से लेने में, और जैसे-जैसे उनका शारीरिक विकास होता है वैसे-वैसे स्वस्थ आदतों को विकसित करने में भी अधिक कुशल होते है।

कैंसर
का खतरा कम

स्तनपान करानेवाली माताओं को स्तन या गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक है।

दिमाग
का विकास

मां के दूध में कई ऐसे तत्व होते हैं जो शिशु के दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि स्तनपान करने वाले शिशु बुद्धिमान होते हैं।

इस तरह से ब्रेस्टफीडिंग कराना बच्चे के साथ-साथ मां के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

पौधा एक फायदे अनेक

***अश्वगंधा** एक झाड़ीदार रोमयुक्त पौधा है। अश्वगंधा कहने को एक पौधा है, लेकिन यह बहुवर्षीय पौधा पौष्टिक जड़ों से युक्त है। अश्वगंधा के बीज, फल एवं छाल का विभिन्न रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। अश्वगंधा के पौधे में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो वजन घटाने, लकवा आदि से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। ये पौधा बुखार, संक्रमण और सूजन आदि शारीरिक समस्याओं के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। इसमें हार्ट अटैक के खतरे को कम करने की क्षमता मौजूद होती है। यह मधुमेह से ग्रसित लोगों में मोतियाबिंद जैसी समस्या पर भी लगाम लगाता है।*

निरोग करें शरीर: अश्वगंधा पौधे की पत्तियां त्वचा रोग, शरीर की सूजन एवं शरीर पर पड़े घाव और जख्म भरने जैसी समस्या से लेकर बहुत सी बीमारियों में भी बहुत उपयोगी है। अश्वगंधा के पौधे को पीसकर लेप बनाकर लगाने से शरीर की सूजन, शरीर की किसी विकृत ग्रंथि और किसी भी तरह के फुंसी-फोड़े को हटाने में काम आती है। अश्वगंधा पौधे की पत्तियों को घी, शहद पीपल इत्यादि के साथ मिलाकर सेवन करने से शरीर निरोग रहता है।

चर्म रोग से निजात

यदि किसी को चर्म रोग है तो उसके लिए भी अश्वगंधा जड़ीबूटी बहुत लाभकरी है। इसका चूर्ण बनाकर तेल से साथ लगाने से चर्म रोग से निजात पाई जा सकती है।

कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करें

आमतौर पर कैंसर की दवाएं बीमार कोशिकाओं के साथ-साथ सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे अन्य रोगों के बढ़ने की संभावना हो जाती है। लेकिन कैंसर की दवाओं के साथ अश्वगंधा का सेवन करने से अदभुत फायदा देखा गया है। अश्वगंधा के प्रयोग से केवल कैंसर ग्रस्त कोशिकाएं व न्यूरान्स ही नष्ट हुए, जबकि अन्य कोशिकाओं व न्यूरान्स को कोई नुकसान नही पहुंचा।

जवां बनाए रखें

वैज्ञानिकों के अनुसार अश्वगंधा के सेवन से न केवल मनुष्य लंबी उम्र तक जवान रह सकता है बल्कि इसको शरीर की त्वचा पर लगाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी बचा जा सकता है।

अन्य लाभ

उच्चरक्तचाप की समस्या से पीड़ित लोग यदि अश्वगंधा के चूर्ण का दूध के साथ नियमित सेवन करेंगे तो निश्चित तौर पर उनका रक्तचाप सामान्य हो जाएगा। शरीर में कमजोरी या दुर्बलता को भी अश्वगंधा तेल से मालिश कर दूर किया जा सकता है, इतना ही नहीं गैस संबंधी समस्या में भी ये पौधा अत्यंत लाभदायक होता है। सांस संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए अश्वगंधा के क्षार को शहद को घी के साथ मिलाकर सेवन करने से बहुत लाभ मिलता है। वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों को दूर करने, तरोताजा रहने और ऊर्जावान बने रहने के लिए अश्वगंघा चूर्ण को प्रतिदिन दूध के साथ लेना चाहिए।

स्वाद और सेहत बनाए आइसक्रीम

अगर आपको आइसक्रीम का स्वाद अच्छा लगता है और यह आपकी आदत में शुमार है तो आपके लिए अच्छी खबर है। आइसक्रीम सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका स्वाद लजीज होता है। आइसक्रीम डेयरी उत्पाद से ही बनता है जिसमें पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो कि शरीर को स्वस्थ बनाते हैं। आइसक्रीम में विटामिन और प्रोटीन भरपूर मात्रा में मौजूद होता है।

कैल्शियम

दूध के उत्पादों में ज्यादा मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। कैल्शियम खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। शरीर को अच्छे से काम करने के लिए हर रोज कैल्शियम की आवश्यकता होती है। शरीर में मौजूद 99 प्रतिशत कैल्शियम हड्डियों में पाया जाता है। डेयरी उत्पाद खाने से शरीर को कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में मिलता है। हर रोज आइसक्रीम जैसे दूध के उत्पाद खाने से ऑस्टियोपोरोसिस (इस बीमारी में हड्डियां पतली और कमजोर हो जाती हैं) का खतरा कम होता है। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह वजन भी घटाता है।

प्रोटीन

दूध के अन्य उत्पादों की तरह, आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत होता है। प्रोटीन शरीर के हिस्सों में हड्डियां, मांपेशियां, खून और त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। शरीर के कुछ हिस्से जैसे नाखून, बाल प्रोटीन से ही बने होते हैं। आइसक्रीम खाने से शरीर को प्रोटीन मिलता है। व्यायाम व योगा के बाद आइसक्रीम खाया जा सकता है।

विटामिन

आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 पाया जाता है। विटामिन ए, त्वचा, हड्डियों और रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए अच्छा होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढ़ाता है।

आइसक्रीम को कई तरह से करें प्रयोग

- आइसक्रीम के कई फ्लेवर होते हैं। हर बार नए फ्लेवर का प्रयोग किया जा सकता है जिससे नया स्वाद मिले। फ्रुट आइसक्रीम में कई प्रकार के सूखे मेवे डाले जाते हैं, जिनमें पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। लंच और डिनर के साथ आइसक्रीम को डेजर्ट के रूप में लिया जा सकता है।
- योगा और व्यायाम करते समय आइसक्रीम खाया जा सकता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलती है।
- आइसक्रीम को जूस में डालकर भी खाया जा सकता है। मैंगो शेक और बनाना शेक में आइसक्रीम का प्रयोग होता है।

आइसक्रीम खाने के नुकसान

आइसक्रीम खाना सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। आइसक्रीम में शुगर होता है और अधिक मात्रा में कैलोरी पाई जाती है। इसके अलावा कुछ आइसक्रीम जिनमें बटर और चॉकलेट होता है, शरीर के लिए नुकसानदायक होते हैं। इस प्रकार के आइसक्रीम खाने से डायबिटीज, मोटापे की समस्या हो सकती है। ज्यादा आइसक्रीम खाने से नुकसान भी हो सकता है। खराब क्वालिटी की आइसक्रीम खाने से कई बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, फूड प्वाइजनिंग जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए आइसक्रीम खाने से पहले उसके गुणवत्ता की जांच कर लेना चाहिए।

रेसिपी

करीवेपिल्लई पोड़ी

सामग्री

1 कप कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टेबल-स्पून चना दाल, 1 टेबल-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च, तोड़ी हुई, 1/2 कप सूखा कसा नारियल, 1 टेबल-स्पून कटी हुई इमली, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटा पैन गरम करें, कड़ी पत्ता डालकर, धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए लगातार हिलाते हुए भून लें। निकालकर एक तरफ रख दें। एक छोटे पैन में तेल गरम करें, खड़ा धनिया, चना दाल, उड़द दाल, काली मिर्च, जीरा, सरसों, तिल, लाल मिर्च और नारियल डालकर धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 5 मिनट के लिए भून लें। ठंडा करने के बाद, कड़ीपत्ता, इमली, गुड़ और नमक डालकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। हवा बन्द डब्बे में रखकर जरूरत अनुसार प्रयोग करें।

जिंजर चटनी

सामग्री

1/2 कप कटा हुआ अदरक, 1 1/2 टेबल-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ लहसुन, 4 से 5 कश्मीरी लाल मिर्च, तोड़ी हुई, 1 टी-स्पून जीरा, 2 खड़ा धनिया, 8 से 10 कड़ी पत्ते, 2 टेबल-स्पून इमली, नमक स्वादअनुसार, 1/4 कप कटा हुआ गुड़, तड़के के लिए, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून चना दाल, 1/2 टी-स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च, तोड़ी हुई, 1 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 4 से 5 कड़ी पत्ते

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, अदरक और लहसुन डालकर, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक भून लें। लाल मिर्च, जीरा, खड़ा धनिया, कड़ी पत्ते और इमली डालकर मिला लें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक भून लें। ठंडा करने के लिए रख दें। गुड़, नमक और लगभग 1/2 कप पानी डालकर, मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। पेस्ट को बाउल में निकालकर रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में 1/2 टेबल-स्पून तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, चना दाल, उड़द दाल और लाल मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर भून लें। लहसुन और कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर भून लें। तड़के को तैयार पेस्ट में डालकर अच्छी तरह मिला लें। हवा बंद डब्बे में रखकर फ्रिज में रख दें। जरुरत अनुसार प्रयोग करें।

शहद के लिए जान जोखिम में...

किसी ने सही ही कहा है कि पेट पालने के लिए इंसान कोई भी खतरनाक काम कर सकता है ऐसा ही एक गुरुंग समुदाय है जो कि मध्य नेपाल में रहता है बेहद ही खतरनाक तरीके से हिमालय कि ऊंची-

ऊंची पहाड़ियों कि चट्टानों से लटकते हुए मधुमक्खी के छत्तों से शहद इकठ्ठा करता है। ये छत्तें विश्व की सबसे बड़ी मधुमक्खी के होते हैं जिसकी लंबाई 3 सेमी तक हो सकती है। यह मधुमक्खी हिमालय कि ऊंची-ऊंची पहाड़ियों की चट्टानों पर अपने छत्तें बनाती है। गुरुंग समुदाय साल में दो बार इन छत्तों से शहद इकठ्ठा करता है। इसके लिए वह मात्र रस्सी कि हाथ से बनी हुई एक सीढ़ी, बांस कि एक टोकरी और दो लकड़ी कि बड़ी-बड़ी छड़े, जिन्हें टैंगो कहते है, काम में लेते हैं। शहद इकठ्ठा करने का काम तीन दिन तक चलता है और काम शुरू करने से पहले, पहाड़ों के देवता को खुश करने के लिए उनकी पूजा कि जाती है। मधुमक्खियों को छत्तों से दूर करने के लिए नीचे धुंआ किया जाता है। समुदाय का एक सदस्य रस्सी कि सीढ़ी पर चढ़कर छत्तों तक पहुंचता है। ऊपर पहुचकर वो बांस कि बड़ी सी छड़ी कि सहायता से छत्तों को तोड़कर बांस कि टोकरी में इकठ्ठा करता है। फिर सवधानी पूर्वक इन छतों को नीचे लाया जाता है। गुरुंग समुदाय पिछले 400 सालों से इसी तरीके से यह काम करता आ रहा है। इन छत्तों से प्राप्त शहद में औषधीय गुण बहुत अधिक हैं क्योंकि यह हिमालय के उन इलाकों में बनते हैं जहां औषधीय पौधों कि भरमार है। इसलिए इस शहद कि फार्मा इंडस्ट्री में बड़ी मांग है खासकर चाइना में।

पैर के तलवे कुछ बताते हैं...

समुद्रशास्त्र शारीरिक अंगों की बनावट, रूप-रंग को देखकर किसी भी व्यक्ति के जीवन से जुड़ी भविष्यवाणी करता है। पैरों को बहुत ही शुभ माना जाता है। तभी तो बहू के पैर घर में पड़ने से क्या प्रभाव पड़ता है बड़े-बुजुर्ग इसका अकलन करते थे। पैरों के तलवों को देखकर आप अपने और दूसरों से संबंधित बहुत सारी बातें जान सकते हैं। जिनके पैरों के तलवे काले होते हैं उनके जीवन में सदा धन का अभाव रहता है। ऐसे लोग आए दिन किसी न किसी रोग का शिकार रहते हैं और उनके बच्चे भी कहने से बाहर होते हैं। पैर की एड़ी से होते हुए अंगूठे के बीच तक रेखा होने का अर्थ है व्यक्ति जन्म से अपने नाम धन-दौलत का भंडार लिखवाकर आता है लेकिन उसे कभी संतुष्टि प्राप्त नहीं होती। पांव की उंगलियां खुली-खुली, तलवों में पीलापन और नसें उभरी हुई नजर आ रही हों तो बहुत सोच-विचार करने के बाद धन खर्च करना चाहिए। ऐसे लोगों के जीवन में धन से संबंधित परेशानियां चलती रहती हैं। जिन लोगों के पैरों में गड्ढा नहीं होता यानी उनके पैर फ्लैट होते हैं वो लोग बहुत भाग्यशाली माने जाते हैं। वे खुले विचारों के स्वामी होते हैं, बड़े-बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने का भी दम रखते हैं। गोल गुलाबी मांसल और चिकने तलवे वाले लोग बहुत लकी होते हैं। इन्हें जीवन में मनचाही मंजिल मिलती है और खूब नाम कमाते हैं। सफेद तलवों वाले लोग अपराधी और लालची प्रवृति के होते हैं। इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ता है। सांवले और मटमैले तलवों वाले सुखी, समृद्ध एवं खुशहाल जीवन व्यतीत करते हैं। इनके पास धन का बेशुमार भंडार होता है। देश-विदेश की यात्राएं भी करते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**